Page 11

खेल

सर्वेश कुशारे ने रचा इतिहास, डायमंड लीग में वह कर दिखाया जो नीरज चोपड़ा जैसे...

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09

देश

कांग्रेस मांग रही बराबरी, मूड में नहीं सपा, अखिलेश ने याद दिलाया 2024 का सबक

कृष्ण पक्ष, मृगशिरा, विक्रम संवत् 2083

• औरंगाबाद • रविवार • 12 जुलाई 2026 • वर्ष 28 • अंक 220 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,32,300	₹ 2,40,000

आज का इतिहास

1405 : चीनी खोजकर्ता झेंग हे ने 317 जहाजों के विशाल बेड़े का नेतृत्व किया, जो भारत के एक व्यापार मिशन पर था।

1889 : सोवा बाजार क्लब किसी फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेने वाला पहला भारतीय दल बना।

न्यूज बाइट्स

बिना डेटा वाले मोबाइल रिचार्ज प्लान हो सकते हैं सस्ते

नई दिल्ली (ए.) बिना डेटा वाले मोबाइल रीचार्ज प्लान सस्ते हो सकते हैं। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (टीआरएआई) इस पर काम कर रहा है। टीआरएआई ने 'दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण विनियम, 2026' का नया मसौदा जारी किया है। इसका मुख्य उद्देश्य है- 'डेटा नहीं चाहिए, तो उसका पैसा क्यों दें?' ट्राई ने इस पर सभी पक्षों से सुझाव मांगे हैं, फिर इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। अभी कंपनियां सीमित समय के लिए ही 'केवल कॉल-एसएमएस' पैक देती हैं। इससे कई ग्राहकों को मजबूरी में डेटा वाला महंगा प्लान लेना पड़ता है। अब ट्राई ने प्रस्ताव दिया है कि कंपनियां जितने दिनों की वैधता जैसे 7, 28, 56 या 84 दिन का डेटा वाला प्लान लाती हैं, उतनी ही अवधि का 'केवल कॉल व एसएमएस' वाला प्लान भी लाना होगा।

अगले सप्ताह चार दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली (ए.)। यदि अगले सप्ताह आपको बैंक शाखा में जाकर कोई आवश्यक कार्य कराना है, तो पहले बैंक अवकाश की सूची अवश्य देख लें। 13 जुलाई से 19 जुलाई 2026 के बीच विभिन्न राज्यों में क्षेत्रीय पर्वों और स्थानीय आयोजनों के कारण अलग-अलग दिनों में बैंक बंद रहेंगे। हालांकि ये अवकाश पूरे देश में एक साथ लागू नहीं होंगे, बल्कि संबंधित राज्यों और शहरों तक ही सीमित रहेंगे। राहत की बात यह है कि 13 जुलाई (सोमवार), 14 जुलाई (मंगलवार) और 15 जुलाई (बुधवार) को देश के अधिकांश राज्यों में बैंक शाखाएं सामान्य रूप से खुली रहेंगी। इन दिनों चेक जमा करने, नकद निकासी, डिमांड ड्राफ्ट बनवाने, दस्तावेजों का सत्यापन या अन्य शाखा संबंधी कार्य आसानी से कराए जा सकते हैं।

विधायकों की क्षमता बढ़ाने पर सरकार का फोकस, आधुनिक तकनीक से सशक्त होगी विधानसभा

सक्षम विधायक और सशक्त विधानसभा ही समृद्ध बिहार की आधारशिला : सीएम

15 जुलाई से राज्य के विभिन्न प्रखंडों में खुलेंगे 213 नए डिग्री कॉलेज

निज संवाददाता | गयाजी

"शिक्षा के क्षेत्र में सरकार की बड़ी पहल का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 15 जुलाई से बिहार के विभिन्न प्रखंडों में 213 नए डिग्री कॉलेजों की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय उच्च शिक्षा के विस्तार, ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने और समृद्ध बिहार के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित होगा।"

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि सक्षम विधायक और सशक्त विधानसभा ही समृद्ध बिहार की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता जनप्रतिनिधियों की क्षमता जवाबदेही और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। जनता ने विधायकों को अपनी आवाज बनाकर सदन में भेजा है, इसलिए जनहित के मुद्दों को पूरी तैयारी, तथ्यों और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ विधानसभा में उठाना उनकी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री शनिवार को गयाजी स्थित बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) में आयोजित बिहार विधानसभा के सदस्यों के दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार, विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह तथा उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। यह कार्यक्रम बिपार्ड, प्राइड (लोकसभा) और बिहार विधानसभा सचिवालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा की कार्यप्रणाली, नियमों और संसदीय परंपराओं का गहन अध्ययन प्रत्येक विधायक के लिए आवश्यक है, ताकि लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सत्ता और विपक्ष दोनों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होती है। स्वस्थ संवाद, सार्थक बहस और जनहित सर्वोपरि रखने की भावना से ही विधानसभा की गरिमा बढ़ती है और राज्य के विकास को गति मिलती है। उन्होंने सभी विधायकों से विधानसभा सत्र के दौरान अधिक से अधिक समय सदन को देने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 'समृद्ध बिहार' के सपने को साकार करने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना केवल सरकार ही नहीं, बल्कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि की भी जिम्मेदारी है।

उन्होंने विधानसभा की कार्यप्रणाली को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अन्य आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर बल दिया। साथ ही बताया कि राज्य में पीपीपी मॉडल के माध्यम से बस स्टैंड, टाउनशिप तथा अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों से सरकार के सहयोग कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे आम लोगों को न्याय और बेहतर सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि गया में आयोजित यह दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम नवनिर्वाचित विधायकों को संसदीय परंपराओं, विधायी दायित्वों और जनसेवा की भावना को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन देगा तथा सक्षम विधायक, सशक्त विधानसभा और समृद्ध बिहार के निर्माण की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वैशाली से किया शुभारंभ

75 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों की अब घर बैठे होगी जमीन की रजिस्ट्री

निज संवाददाता | हाजीपुर (वैशाली)

15 जुलाई से शुरू होगी पेपरलेस जमीन रजिस्ट्री

बिहार में जमीन की रजिस्ट्री प्रक्रिया अब पूरी तरह डिजिटल होने जा रही है। राज्य सरकार 15 जुलाई से सभी निबंधन कार्यालयों में पेपरलेस रजिस्ट्री व्यवस्था लागू करने जा रही है। नई व्यवस्था के तहत जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े दस्तावेजों का निबंधन ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। इससे लोगों को कागजी औपचारिकताओं से राहत मिलेगी और रजिस्ट्री की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक पारदर्शी, तेज और सुविधाजनक होगी। मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग ने इस संबंध में सभी जिलाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

बिहार सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों को बड़ी राहत देते हुए जमीन निबंधन प्रक्रिया को और अधिक सरल बना दिया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को वैशाली जिले के हाजीपुर स्थित जिला निबंधन कार्यालय से सबका सम्मान, जीवन आसान अभियान के तहत होम रजिस्ट्रेशन (घर बैठे निबंधन) सेवा का शुभारंभ किया। इसके साथ ही सरकार ने इस सुविधा के लिए आयु सीमा 80 वर्ष से घटाकर 75 वर्ष कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले इस योजना का लाभ केवल 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाला था, लेकिन उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी के सुझाव पर सरकार ने इसे और व्यापक बनाते हुए 75 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को इस सुविधा के दायरे में शामिल करने का निर्णय लिया है।

नई व्यवस्था के तहत मोबाइल रजिस्ट्रेशन यूनिट संबंधित बुजुर्ग के घर पहुंचेगी। वहीं बायोमेट्रिक सत्यापन, दस्तावेजों की जांच और अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर जमीन की रजिस्ट्री की जाएगी। इससे वृद्ध एवं असहाय नागरिकों को निबंधन कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और उन्हें घर बैठे ही पूरी सेवा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि लोकतंत्र की जननी वैशाली से शुरू की गई यह पहल राज्य में ईज ऑफ लिविंग को मजबूत करेगी। सरकार का उद्देश्य सरकारी सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी, समयबद्ध और नागरिक-केंद्रित बनाना है, ताकि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सुविधाएं आसानी से पहुंच सकें। उन्होंने बताया कि निबंधन विभाग में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (आईए) और आधुनिक डिजिटल तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जाएगा। इससे दस्तावेजों के सत्यापन और निबंधन की प्रक्रिया अधिक तेज, पारदर्शी और त्रुटिरहित होगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने होम रजिस्ट्रेशन सेवा का लाभ लेने वाले पहले वरिष्ठ नागरिक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बुजुर्गों का आशीर्वाद बिहार के विकास की सबसे बड़ी प्रेरणा है। समारोह में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव सहित कई मंत्री, विधायक और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि 15 जुलाई को राज्य में एक साथ 213 डिग्री कॉलेजों का उद्घाटन किया जाएगा, जिससे बिहार में उच्च शिक्षा के विस्तार को नई गति मिलेगी।

देशभर में केवल ई20 पेट्रोल ही रहेगा मानक ईंधन शुद्ध पेट्रोल और ई10 साथ बेचने से केंद्र का इनकार

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देशभर में शुद्ध पेट्रोल, ई10 और ई20 पेट्रोल को एक साथ उपलब्ध कराने की मांग को खारिज कर दिया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि पूरे देश में तीन अलग-अलग प्रकार के पेट्रोल की समानांतर आपूर्ति व्यावहारिक नहीं है। इसलिए ई20 (20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) को ही देश का मानक (स्टैंडर्ड) पेट्रोल ब्लेंड बनाए रखा जाएगा। यह जानकारी पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा 10 जुलाई को जारी प्रश्नोत्तर (एफएक्यू) दस्तावेज में दी गई। मंत्रालय के अनुसार, भारत का ईंधन वितरण नेटवर्क अत्यंत विशाल है। देश में एक लाख से अधिक पेट्रोल पंप रिफाइनरियों, टर्मिनलों, डिपो, पाइपलाइनों और भंडारण सुविधाओं से जुड़े हुए हैं। यदि शुद्ध पेट्रोल, ई10 और ई20 तीनों की अलग-अलग आपूर्ति की जाए तो प्रत्येक स्तर पर अलग भंडारण, परिवहन और इन्वेंट्री प्रबंधन की व्यवस्था करनी होगी। इससे परिचालन लागत बढ़ेगी, लॉजिस्टिक्स जटिल होंगे और वितरण प्रणाली की कार्यक्षमता प्रभावित होगी। सरकार ने यह भी कहा कि प्रीमियम पेट्रोल की तुलना ई10 या शुद्ध पेट्रोल से नहीं की जा सकती। प्रीमियम ईंधन सीमित मात्रा में विशेष एडिटिव्स के साथ बेचा जाता है, जबकि शुद्ध पेट्रोल, ई10 और ई20 के लिए पूरे देश में अलग-अलग सप्लाई चेन विकसित करनी पड़ेगी, जो व्यवहारिक नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने इथेनॉल उत्पादन, डिस्टिलरी, भंडारण और परिवहन ढांचे के विकास में लगभग एक लाख करोड़ रुपये प्रतिवर्ष का निवेश समर्थित किया है। ऐसे में ई20 से पीछे हटकर फिर ई10 व्यवस्था लागू करना इन निवेशों को प्रभावित करेगा। सरकार का दावा है कि ई20 पेट्रोल अधिक स्वच्छ और बेहतर गुणवत्ता वाला ईंधन है।

पर्यटकों से भरी स्पीडबोट पलटी, 15 भारतीयों की मौत

एजेंसी | नई दिल्ली

वियतनाम के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल फु क्वोक द्वीप के निकट शनिवार को पर्यटकों से भरी एक स्पीडबोट पलटने से 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई, जबकि 21 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। दुर्घटना के समय स्पीडबोट में 32 भारतीय पर्यटक और चालक दल के चार सदस्य सहित कुल 36 लोग सवार थे। स्थानीय मीडिया के अनुसार स्पीडबोट होन मे रुट न्गोई द्वीप से एन थोई बंदरगाह लौट रही थी। इसी दौरान तट से करीब 400 मीटर पहले नाव अचानक असंतुलित होकर समुद्र में पलट गई, जिससे उसमें सवार सभी लोग पानी में गिर गए। कई यात्री पलटी हुई नाव के भीतर फंस गए, जिसके कारण राहत एवं बचाव कार्य काफी कठिन हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद पर्यटक नौकाओं के चालक और स्थानीय मछुआरे सबसे पहले मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया।

बचाव अभियान में शामिल एक नाव चालक ने बताया कि उनकी नाव लगभग पांच मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंच गई थी, लेकिन कई यात्री नाव के अंदर फंसे होने के कारण उन्हें निकालना बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने बताया कि केवल कुछ यात्रियों को ही मौके पर होश की स्थिति में बाहर निकाला जा सका। दुर्घटना के बाद एन थोई बॉर्डर गार्ड, नौसेना, तटरक्षक बल तथा अन्य आपातकालीन एजेंसियों ने संयुक्त रूप से राहत अभियान चलाया। बचाव कार्य के लिए दो जहाजों के साथ 35 अधिकारियों एवं जवानों को तैनात किया गया।

प्रधानमंत्री ने जताया शोक, हरसंभव सहायता का भरोसा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नाव दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार प्रभावित भारतीयों और उनके परिजनों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रही है। साथ ही, वियतनाम में भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास ने आपातकालीन सहायता व्यवस्था (इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम) सक्रिय कर दी है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, 'वियतनाम के फू क्वोक के पास भारतीय नागरिकों की नाव दुर्घटना की दुखद खबर सुनकर बेहद दुख हुआ।

जम्होर पितृपक्ष मेला महोत्सव को मिला राजकीय दर्जा, खुशी की लहर

निज संवाददाता | जम्होर (औरंगाबाद)

औरंगाबाद प्रखंड के ऐतिहासिक जम्होर पितृपक्ष मेला महोत्सव को बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा राजकीय मेला का दर्जा दिए जाने से पूरे जम्होर एवं जिले में खुशी का माहौल है। सरकार ने महोत्सव के आयोजन के लिए पांच लाख रुपये की स्वीकृति भी प्रदान की है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, प्रत्येक वर्ष आश्विन माह के कृष्ण पक्ष में गया जी में आयोजित पितृपक्ष मेले से पूर्व देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु औरंगाबाद जिले के पुनपुन-बटाने संगम स्थित विष्णुधाम, जम्होर में प्रथम पिंडदान करते हैं। इसके बाद भगवान विष्णु के दर्शन कर श्रद्धालु गया जी के लिए प्रस्थान करते हैं। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है और इसका विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। बताया जाता है कि कोलकाता के प्रसिद्ध उद्योगपति सेठ सूरजमल ने वर्षों पूर्व पुनपुन नदी तट पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक भव्य धर्मशाला का निर्माण कराया था, जहां बड़ी संख्या में यात्री ठहरकर अपने पितरों के मोक्ष की कामना से प्रथम पिंडदान की धार्मिक प्रक्रिया पूरी करते थे। पूर्व में गया जिला प्रशासन तथा वर्तमान में औरंगाबाद जिला प्रशासन, जिला परिषद एवं अन्य विभाग मेले के दौरान श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं एवं सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराते रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए भारतीय रेलवे ने अनुग्रह नारायण पुनपुन घाट रेलवे स्टेशन का निर्माण कराया था। आज भी पितृपक्ष मेले के दौरान 15 दिनों के लिए कई मेल एवं एक्सप्रेस ट्रेनों का यहां ठहराव होता है। हालांकि, पूर्व में संचालित टिकट काउंटर अब बंद हो चुका है।

वहीं, रेलवे द्वारा पिंडदान स्थल की घेराबंदी किए जाने के कारण अब श्रद्धालु विष्णुधाम परिसर में ही पिंडदान की प्रक्रिया पूरी करते हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीराम और माता सीता ने वनवास काल में गया जी जाने से पूर्व इसी स्थल पर अपने पितरों का प्रथम पिंडदान किया था।

आपराधिक पृष्ठभूमि वालों को नहीं मिलेगी नौकाघाटों की बंदोबस्ती

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने नौकाघाटों की बंदोबस्ती एवं संचालन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए 'बिहार नौकाघाट बंदोबस्ती एवं प्रबंधन नियमावली-2026' लागू की है। नई व्यवस्था के तहत अब आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अथवा जिनके विरुद्ध किसी न्यायालय में आपराधिक मामला लंबित है, उन्हें नौकाघाटों की बंदोबस्ती प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा तैयार नई नियमावली का उद्देश्य नौकाघाटों के संचालन में पारदर्शिता लाना, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा अवैध गतिविधियों पर रोक लगाना है। अब तक अधिकांश नौकाघाटों की बंदोबस्ती बाहुबलियों अथवा आपराधिक छवि वाले लोगों के पास होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। नई व्यवस्था से इस पर प्रभावी अंकुश लगाने की उम्मीद है।

नियमावली के अनुसार सामान्य परिस्थितियों में नौकाओं का परिचालन सूर्योदय से सूर्यास्त तक ही किया जाएगा। यदि विशेष परिस्थितियों में रात के समय परिचालन आवश्यक हो, तो घाट एवं नौका पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। नई व्यवस्था में प्रत्येक नौका पर लीजधारी का नाम और निर्धारित किराया स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा। इसके अलावा नौकाचालकों को परिचालन शुरू करने से पहले मौसम की स्थिति और नदी की धारा का आकलन करना होगा। यदि मौसम या नदी की स्थिति अनुकूल नहीं होगी तो नौका का संचालन नहीं किया जाएगा। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक यात्रा का पूरा रिकॉर्ड रखना भी अनिवार्य किया गया है। इसमें नाव पर सवार यात्रियों की संख्या तथा सामान के वजन का विवरण दर्ज करना होगा। सरकार ने निजी नौकाओं का पंजीकरण भी अनिवार्य कर दिया है। हालांकि स्पष्ट किया गया है कि निजी नावों का उपयोग केवल व्यक्तिगत कार्यों के लिए किया जा सकेगा और उनका व्यावसायिक संचालन नहीं किया जा सकेगा। नई नियमावली के तहत लीजधारकों को नावों पर जीवनरक्षक उपकरण, डूबने से बचाव के साधन तथा अग्नि सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध करानी होंगी। सरकार का मानना है कि इन प्रावधानों से राज्य में नौकाघाटों का संचालन अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और पारदर्शी बनेगा।

परियोजना से सफर होगी तेज, जाम से मिलेगी राहत और व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

औरंगाबाद–पटना एनएच-139 होगा फोरलेन, चार प्रमुख बाइपास से सफर होगा आसान

- अरवल, दाउदनगर, ओबरा और औरंगाबाद में बनेंगे चार बाइपास

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद से पटना के नौबतपुर तक राष्ट्रीय राजमार्ग-139 को फोरलेन बनाने की दिशा में बड़ी पहल शुरू हो गई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के निर्देश पर परियोजना की नई विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूरा होने के बाद औरंगाबाद से राजधानी पटना की यात्रा अधिक सुरक्षित, तेज और सुगम हो जाएगी। नई योजना के अनुसार नौबतपुर से अरवल तक मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग-139 को फोरलेन में विकसित किया जाएगा। वहीं, अरवल से औरंगाबाद के महाराजगंज तक बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए चार प्रमुख फोरलेन बाइपास का निर्माण किया जाएगा।

परियोजना के तहत अरवल, दाउदनगर, ओबरा और औरंगाबाद में नए बाइपास बनाए जाएंगे। इन बाइपास के निर्माण से शहरों के भीतर भारी वाहनों का दबाव कम होगा, जाम की समस्या से राहत मिलेगी और यात्रा का समय भी घटेगा। इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह होगी कि औरंगाबाद बाइपास का सीधा संपर्क प्रस्तावित वाराणसी–कोलकाता एक्सप्रेसवे से कराया जाएगा। इससे बिहार के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र को देश के प्रमुख एक्सप्रेसवे नेटवर्क से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। इसके परिणामस्वरूप माल परिवहन, औद्योगिक गतिविधियों और क्षेत्रीय व्यापार को नई गति मिलने की उम्मीद है। परियोजना के लिए डीपीआर तैयार होने के बाद भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय स्वीकृति तथा अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। स्थानीय लोगों का मानना है कि फोरलेन और बाइपास बनने से औरंगाबाद, दाउदनगर, ओबरा तथा अरवल क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

आज मुजफ्फरपुर को 1,041 करोड़ की 981 विकास योजनाओं की सौगात देंगे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

निज संवाददाता | मुजफ्फरपुर

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज मुजफ्फरपुर के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे जिले सहित पूरे बिहार के लिए 1,041 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 981 विकास योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। इन योजनाओं में बिहार अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (बुडको) तथा नगर विकास एवं आवास विभाग की अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री अपने दौरे की शुरुआत शहर के नवनिर्मित सिकंदरपुर लेक फ्रंट (मरीन ड्राइव) से करेंगे। यहां वे लेक फ्रंट परिसर में निर्मित आधुनिक कम्युनिटी हॉल का उद्घाटन करने के साथ ही मरीन ड्राइव का लोकार्पण करेंगे। यह परियोजना शहरवासियों के लिए पर्यटन, मनोरंजन और सार्वजनिक गतिविधियों का नया केंद्र बनने जा रही है।

इसके बाद मुख्यमंत्री का काफिला एमआईटी कॉलेज मैदान स्थित मुख्य कार्यक्रम स्थल पहुंचेगा। यहां वे विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों, विशेषकर जीविका दीदियों के स्टॉल का निरीक्षण करेंगे। इसके उपरांत विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए रिमोट के माध्यम से 981 विकास योजनाओं का डिजिटल लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। कार्यक्रम स्थल से लेकर वीआईपी मार्ग तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए करीब 1,500 पुलिसकर्मियों एवं अधिकारियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर सैकड़ों दंडाधिकारियों (मजिस्ट्रेट) की प्रतिनियुक्ति की गई है, ताकि कानून-व्यवस्था और यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

संक्षिप्त समाचार

रजौली में जनता दरबार में पहुंचे 6 भूमि विवाद, सभी भूमि विवादों का मौके पर निपटारा

जमीन विवाद को लेकर आपस में ना झगड़ा करें : अंचलाधिकारी

रजौली। रजौली प्रखंड परिसर स्थित सभागार में शनिवार को रैयती भूमि विवाद को लेकर जनता दरबार का आयोजन किया गया। सीओ मो. गुफरान मजहरी नेतृत्व में आयोजित दरबार में कुल 6 मामले पहुंचे, जिनमें से सभी मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। सीओ मो. गुफरान मजहरी ने बताया कि प्रत्येक शनिवार को दोनों पक्षों की मौजूदगी में भूमि विवादों का निपटारा किया जाता है। इस शनिवार को भुसडी गांव निवासी सिद्धांत कुमार का सीमांकन विवाद दिलीप रविदास,महियारा गांव माधवी कुमारी का दखल विवाद मदन सिंह,ढाब गांव निवासी वेद व्यास कुमार का दखल विवाद दुलरपुरा निवासी दिलीप यादव, टकुआटांड़ निवासी अशोक कुमार का सीमांकन दखल विवाद राजू सिंह,रामदासी गांव निवासी ज़लील खान का स्वामित्व विवाद बासुदेव यादव एवं महसई निवासी मो. वसीम उद्दीन का सीमांकन विवाद मो. सलीम के साथ था। दोनों पक्षों की मौजूदगी में सभी 6 मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जमीन संबंधित विवादों को लेकर आपस में झगड़ा न करें, बल्कि शनिवार को लगने वाले जनता दरबार में आकर शांतिपूर्ण तरीके से मामलों का निपटारा करवाएं। इस मौके पर अंचल में पदस्थापित अमीन शालिनी कुमारी एवं अनुवादक पिंकी कुमारी समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

महियारा मोड़ के समीप से शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार,भेजे गए जेल

हाईटेक बाइक से शराब ढोने वाले मामले में भी था नामजद

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के महियारा मोड़ के समीप से पुलिस बलों ने शराब लदी एक बाइक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जब्त शराब एवं होंडा शाइन बाइक संख्या बीआर21एबी4782 को थाना परिसर में लाया गया है। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र को शराब मुक्त बनाने को लेकर पुलिस बलों के सहयोग से शराब निर्माण, परिवहन,बिक्री,भंडारण एवं सेवन के विरुद्ध लगातार छापेमारी की जा रही है। इसी बीच महियारा मोड़ की ओर से शराब की खेप को लेकर गुप्त सूचना मिली। सूचना के आलोक में पुलिस बलों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई को लेकर भेजा गया। छापेमारी के दौरान पुलिस बलों ने महियारा मोड़ के समीप से एक होंडा शाइन पर लदे 129 लीटर महुआ शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान मोहकामा गांव निवासी सत्येंद्र यादव के पुत्र पवन कुमार के रूप में हुई है।

हाईटेक बाइक से शराब ढोने वाले मामले में भी था नामजद :- बीते 2 जुलाई की रात्रि लगभग 9 बजे अंधरवारी मोड़ के अंडरपास से आर15 नामक हाईटेक बाइक के साथ 18 लीटर महुआ शराब को जब्त किया था। इस मामले में पुलिस ने फरार होने वाले तीन शराब तस्करों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की थी। थानाध्यक्ष ने कहा कि गिरफ्तार शराब तस्कर पवन कुमार हाईटेक आर15 से शराब तस्करी मामले में भी पूर्व से नामजद अभियुक्त था। गिरफ्तार पवन कुमार को आवश्यक पूछताछ के बाद शनिवार को मेडिकल जांच करवाकर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

सोखोदेवरा में पुलिस–पब्लिक लोक संवाद गोष्ठी का आयोजन

कौआकोल। मगध क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) विकास वैभव के निर्देश पर शनिवार को कौआकोल थाना क्षेत्र के सोखोदेवरा स्थित जेपी आश्रम के राजेंद्र भवन में पुलिस–पब्लिक लोक संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता कौआकोल थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने की। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना था। इस दरम्यान उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना तथा कानून-व्यवस्था,अपराध नियंत्रण, साइबर अपराध, नशा मुक्ति और सामाजिक जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा किया। थानाध्यक्ष ने लोगों से पुलिस-जन सहयोग को मजबूत बनाने की अपील करते हुए कहा कि अपराध नियंत्रण एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में आम जनता की सहभागिता महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्होंने लोगों से आपराधिक गतिविधियों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित होता है तथा स्थानीय समस्याओं के समाधान में मदद मिलती है। मौके पर स्थानीय ग्रामीण जदयू नेता रघुनन्दन महतो समेत अन्य लोग मौजूद थे।

राजस्व कर्मचारियों की अनुपस्थिति से लोगों को हो रही भारी परेशानी, मोबाइल भी रहता है बंद

कौआकोल। कौआकोल अंचल कार्यालय में कार्यरत राजस्व कर्मचारियों की मनमानी और मुख्यालय से लगातार अनुपस्थित रहने के कारण आम लोगों को विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र बनवाने के साथ-साथ परिमार्जन, दाखिल-खारिज, जमाबंदी सुधार, ऑनलाइन म्यूटेशन, भूमि सत्यापन एवं अन्य राजस्व संबंधी कार्यों में भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि कई बार संबंधित राजस्व कर्मचारी का मोबाइल फोन भी बंद रहता है, जिससे फरियादियों को उनसे संपर्क तक नहीं हो पाता। ज्ञात हो कि जाति, आय, आवासीय सहित अन्य प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया में राजस्व कर्मचारी द्वारा स्थल सत्यापन अनिवार्य है। लेकिन कर्मचारी के मुख्यालय में उपस्थित नहीं रहने से सत्यापन कार्य समय पर नहीं हो पाता, जिससे प्रमाण पत्र जारी होने में अनावश्यक विलंब हो रहा है। यही स्थिति दाखिल-खारिज, परिमार्जन, जमाबंदी से जुड़े मामलों तथा अन्य भूमि संबंधी कार्यों में भी देखने को मिल रही है। इससे लोगों को कई-कई दिनों तक अंचल कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है। इसका सबसे अधिक असर छात्र-छात्राओं, किसानों और आम नागरिकों पर पड़ रहा है। छात्रों को नामांकन, छात्रवृत्ति एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए समय पर प्रमाण पत्र नहीं मिल पा रहे हैं, जबकि किसानों और भूमि धारकों के दाखिल-खारिज, परिमार्जन तथा अन्य जरूरी राजस्व कार्य लंबित पड़े हैं। दूर-दराज के गांवों से आने वाले लोग समय और पैसे दोनों की बर्बादी झेलने को मजबूर हैं। लोगों का आरोप है कि कर्मचारियों की लापरवाही और अनियमित उपस्थिति के कारण आम जनता की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। लोगों ने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्था में सुधार लाने, राजस्व कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा सभी राजस्व कार्यों का समयबद्ध निष्पादन कराने की मांग की है। वहीं, सूत्रों की मानें तो राजस्व कर्मचारियों में निगरानी टीम के आने का भय बना रहता है,जिसके कारण कई कर्मचारी नियमित रूप से कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते और कथित तौर पर बिचौलियों के माध्यम से कार्यों का निष्पादन कराया जाता है। हालांकि, इस संबंध में प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कर जवाबदेही तय की जाए तो आम लोगों को राहत मिलेगी और राजस्व संबंधी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन संभव हो सकेगा।

13 जुलाई से केंद्रीय विद्यालय नवादा में कक्षा 1 से 5 तक नामांकन शुरू

नवादा। नव स्थापित केंद्रीय विद्यालय, नवादा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 1 से 5 तक नामांकन प्रक्रिया 13 जुलाई से शुरू होगी। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1, गया के प्राचार्य अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि ऑफलाइन पंजीकरण 13 से 27 जुलाई तक प्रत्येक कार्यदिवस सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभिभावक विद्यालय कार्यालय से या पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1, गया की वेबसाइट से आवेदन पत्र प्राप्त कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित अवधि में जमा कर सकते हैं। आयु सीमा का निर्धारण 31 मार्च 2026 को आधार मानकर किया गया है। कक्षा-1 के लिए न्यूनतम आयु 6 वर्ष निर्धारित है। प्राचार्य ने कहा कि प्रवेश केंद्रीय विद्यालय संगठन के 2026-27 के दिशा-निर्देशों एवं उपलब्ध सीटों के अनुसार होगा। आवेदन में गलत जानकारी मिलने पर किसी भी चरण में प्रवेश रद्द किया जा सकता है। आवेदन के साथ जन्म प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, निवास प्रमाण-पत्र, जाति/ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र (जहां लागू हो), पासपोर्ट फोटो सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा।

रजौली में रेलवे कंपनी के ओवरलोडेड वाहनों से टूटी हरदिया डैम की पुलिया, 90 गांवों की पेयजल और सिंचाई प्रभावित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। तिलैया-कोडरमा रेलखंड के निर्माण में लगे भारी वाहनों की लापरवाही से रजौली प्रखंड के हरदिया पंचायत स्थित फुलवरिया डैम जाने वाले मार्ग की पुलिया टूट गई है। 1980 में बनी यह पुलिया भरभरा कर गिरने से हजारों ग्रामीणों, किसानों और स्कूली बच्चों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। साथ ही क्षेत्र की सिंचाई और नल-जल योजना भी ठप हो गई है। रेलवे कंपनियों में चल रहे भारी मालवाहक वाहनों से ग्रामीण सड़कें भी क्षतिग्रस्त हुई है।

ओवरलोड वाहनों के दबाव से ढही 45 साल पुरानी पुलिया :- स्थानीय ग्रामीण जयेंद्र यादव उर्फ जालो यादव ने बताया कि हरदिया डैम की पुलिया का निर्माण 1980 में हुआ था। पिछले कुछ वर्षों से रेलवे कंस्ट्रक्शन कंपनियों के लोहे, बालू, सीमेंट और गिट्टी लदे ओवरलोडेड मालवाहक वाहन इसी रास्ते से बेरोकटोक गुजर रहे थे। इसी दबाव के कारण पुलिया क्षतिग्रस्त होकर टूट गई। न्यू सिंगर निवासी विनोद राजवंशी ने कहा कि हादसे में कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन स्कूली बच्चों और ग्रामीणों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। लोगों को अब 3-4 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाकर जाना पड़ रहा है।

सिंचाई और नल-जल योजना पर संकट :- हरदिया निवासी बीरेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिया के टूटने से किसानों की सिंचाई बाधित हो गई है। डैम से निकलने वाला पानी खेतों तक नहीं पहुंच पा रहा है। जिंदल में पदस्थापित

टूटा पड़ा पुलिया के समीप खड़े सिंचाई विभाग के लोग

पंप ऑपरेटर पंकज कुमार ने बताया कि पुलिया के बगल से ही डैम से सप्लाई मशीन तक जाने वाला मुख्य पाइप गुजरा है। पुलिया क्षतिग्रस्त होने से बहुउद्देशीय जल परियोजना के तहत 90 गांवों को मिलने वाली नल-जल योजना भी प्रभावित हुई है। पुलिया बनने तक ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

ग्रामीणों की मांगः कंपनी से भरवाएं हर्जाना :- ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि रेलवे निर्माण कंपनी के खिलाफ कार्रवाई कर क्षतिग्रस्त पुलिया का अविलंब निर्माण कराया जाए। साथ ही कंपनी से हर्जाना वसूलकर वैकल्पिक पेयजल और सिंचाई की व्यवस्था की जाए। फुलवरिया डैम क्षेत्र के दर्जनों गांव इस एकमात्र रास्ते पर निर्भर हैं। पुलिया के अभाव में न सिर्फ खेती प्रभावित हो रही है, बल्कि बच्चों की पढ़ाई और मरीजों को अस्पताल पहुंचने में भी परेशानी हो रही है।

विभाग ने दिया ह्यूम पाइप डालने का आश्वासन :- इस संबंध में सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता निशांत सिंह ने बताया कि बीते शुक्रवार की रात रेलवे निर्माण में लगे एक मालवाहक वाहन के गुजरने से पुलिया की दीवार क्षतिग्रस्त हुई थी। बाद में पूरा ढांचा गिर गया। उन्होंने कहा कि पुलिया गिरने से डैम का पानी किसानों तक नहीं पहुंच रहा है। विभाग जल्द ही ह्यूम पाइप डालकर अस्थायी तौर पर सिंचाई कार्य शुरू कराएगा। इस दौरान कनीय अभियंता रोहित गुप्ता समेत अन्य कर्मी मौके पर मौजूद थे। वहीं ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता मनोज कुमार ने बताया कि ग्रामीण सड़क पर 10 टन से अधिक भारी वाहन के गुजरने पर रोक है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस–पब्लिक लोक संवाद गोष्ठी में साइबर अपराध, नशा मुक्ति और कानून-व्यवस्था पर हुई चर्चा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

वारिसलीगंज (नवादा)। मगध क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) के निर्देश पर शनिवार को वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के हाजीपुर गांव में पुलिस–पब्लिक लोक संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कौआकोल थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर पंकज कुमार सैनी ने की। गोष्ठी का उद्देश्य पुलिस और आम जनता के बीच संवाद को मजबूत कर विश्वास एवं सहयोग की भावना विकसित करना था। गोष्ठी को संबोधित करते हुए इंस्पेक्टर पंकज कुमार सैनी ने कहा कि अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा सामाजिक सौहार्द कायम रखने में आम लोगों की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

इस दौरान साइबर अपराध से बचाव, नशा मुक्ति अभियान, महिला एवं बाल सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता तथा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। थानाध्यक्ष ने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति,

आपराधिक गतिविधि या साइबर ठगी की जानकारी बिना देर किए पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय ही अपराध पर प्रभावी नियंत्रण का सबसे सशक्त माध्यम है।

गोष्ठी में उपस्थित ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संवाद कार्यक्रमों से पुलिस और आम लोगों के बीच विश्वास बढ़ता है तथा स्थानीय समस्याओं के समाधान का रास्ता भी आसान होता है। उन्होंने भविष्य में भी इस तरह की गोष्ठियों के नियमित आयोजन की मांग की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय बुद्धिजीवी उपस्थित रहे।

आवासीय विद्यालय में जूनियर बच्चों के साथ मारपीट एवं शिक्षक व पदाधिकारियों के साथ अभद्र व्यवहार

16 उदंड छात्रों को किया गया निष्काषित, घर से पढ़कर दे सकेंगे बोर्ड की परीक्षा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली प्रखंड स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय +2 विद्यालय में 16 उदंड छात्रों द्वारा गुटबाजी कर शैक्षिणक माहौल को बिगाड़ने एवं जुनियर छात्रों में डर का माहौल बनाने वाले के विरुद्ध विद्यालय प्रबंधन समिति ने आवासीय परिसर से शनिवार की सुबह को निष्काषित कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार अम्बेडकर विद्यालय सह छात्रावास में कुल 470 बच्चों का नामांकन है। इनमें कुछ बारहवीं कक्षा के उदंड छात्रों द्वारा गुट बनाकर विद्यालय परिसर में डर का माहौल बनाकर शैक्षणिक वातावरण को खराब किया जा रहा था। बीते गुरुवार की रात्रि जूनियर बच्चों के खाने के समय मेस में घुसकर दादागिरी व मारपीट किया। शिक्षकों द्वारा मना करने पर उन्हें झूठे एससी-एसटी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापक द्वारा प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सुरेन्द्र चौहान को शिकायत मिलने पर बच्चों से

रजौली बाईपास में निष्कासित छात्र

बातचीत करने का प्रयास किया गया। किंतु बच्चे अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे थे और शिक्षकों व पदाधिकारियों के साथ भी अभद्र व्यवहार किया जाने लगा। अगले दिन शुक्रवार को कुछ छात्रों को एक कमरे में बंद करके रख दिया गया। सूचना पर पहुंचे बीडीओ संजीव झा एवं सीओ मो. गुफरान मजहरी ने बच्चों से बातचीत कर उनकी समस्या जानने का प्रयास किया गया,किंतु छात्रों ने प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों से बातचीत करने से मना कर दिया। रात्रि में पुनः जूनियर छात्रों के साथ मारपीट,विरोध करने पर शिक्षकों के साथ गाली-गलौज किया गया। सूचना पर जिला कल्याण पदाधिकारी भी विद्यालय पहुंचे और बच्चों से बातचीत करने का प्रयास किए,तो उनके साथ भी उदंड छात्रों द्वारा दुर्व्यवहार किया गया। अंततः पदाधिकारियों ने समिति गठित कर उदंड 16 छात्रों को चिन्हित कर आवासीय परिसर से निष्काषित करने का निर्णय लिया। शनिवार को 16 छात्रों के विरुद्ध अनुशासनहीनता और मारपीट को लेकर निष्कासन का नोटिस चिपकाया गया। अब उदंड छात्रों ने कुछ अन्य छात्रों को बहकाकर अपने साथ कर लिया। मामला बढ़ता देख विद्यालय प्रबंधन द्वारा रजौली थाना को सूचित कर मदद मांगी गई। पुलिस बल मौके पर विद्यालय पहुंचे और बच्चों को समझाने का प्रयास किया। किंतु निष्काषित 16 बच्चों के साथ कुछ अन्य बच्चे भी अपने मन से विद्यालय परिसर से निकल कर जिला मुख्यालय चले गए।

वहीं विद्यालय से निकलने के बाद छात्र रजौली बाईपास में दो शिक्षकों के अलावे प्रधानाध्यापक एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारी पर जाति सूचक गाली-गलौज,मेस में खाने के दौरान भेदभाव एवं मारपीट करने जैसे आरोप लगाए हैं। इस संबंध में प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सुरेन्द्र चौहान ने बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय +2 विद्यालय परिसर में अनुशासनहीनता व मारपीट को लेकर 16 छात्रों को निष्काषित किया गया है। उन्होंने कहा कि निष्काषित बच्चे घर पर रखकर अपनी वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यालय परिसर में अनुशासनहीनता एवं मारपीट कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इससे अन्य छात्रों पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

कटिहार से स्थानांतरित होकर नवादा पहुंचे चन्द्रशेखर सिंह, कार्यकारी श्रम अधीक्षक का संभाला पदभार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। श्रम संसाधन विभाग में हुए प्रशासनिक फेरबदल के तहत कटिहार से स्थानांतरित होकर आए चन्द्रशेखर सिंह ने शनिवार को नवादा में कार्यकारी श्रम अधीक्षक के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। उनके पदभार संभालने के साथ ही जिले में श्रमिकों से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और श्रम कानूनों के अनुपालन को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। बेगूसराय निवासी चन्द्रशेखर सिंह ने पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता श्रमिकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का समय पर लाभ उपलब्ध कराना, कार्यालय की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं जनहितैषी बनाना तथा श्रमिकों से संबंधित लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करना होगा।

उन्होंने बताया कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का अधिकाधिक पंजीकरण, भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की

योजनाओं का लाभ पात्र श्रमिकों तक पहुंचाना, श्रम कानूनों का प्रभावी अनुपालन तथा श्रमिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी कार्ययोजना में शामिल रहेगा। इसके लिए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ समन्वय स्थापित कर योजनाओं की नियमित समीक्षा की जाएगी। जिले के श्रमिकों और सामाजिक संगठनों ने नए कार्यकारी श्रम अधीक्षक के आगमन का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में श्रम विभाग की कार्यशैली अधिक प्रभावी होगी और श्रमिक हित से जुड़ी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक तेजी से पहुंचेगा। प्रशासनिक स्तर पर भी इसे श्रम विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

महिला महाविद्यालय में पोक्सो एक्ट पर जागरूकता कार्यक्रम, मेधावी छात्राओं का हुआ सम्मान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

वारिसलीगंज (नवादा)। नगर स्थित महिला महाविद्यालय, में शनिवार को छात्राओं के लिए जागरूकता एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वारिसलीगंज थानाध्यक्ष पंकज कुमार सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं को *पोक्सो एक्ट (POCSO Act), महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव तथा कानूनी अधिकारों की विस्तार से जानकारी दी। थानाध्यक्ष ने कहा कि पोक्सो अधिनियम बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने वाला सशक्त कानून है। किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या संदिग्ध गतिविधि होने पर छात्राएं बिना भय के पुलिस को सूचना दें। उन्होंने छात्राओं को हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और साइबर ठगी से बचने के उपाय भी बताए।

कार्यक्रम के दौरान हाल ही में आयोजित मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्राओं

को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। थानाध्यक्ष ने छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है और बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं।

महाविद्यालय प्रशासन ने थानाध्यक्ष का स्वागत करते हुए कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाते हैं। कार्यक्रम के अंत में सम्मानित छात्राओं को बधाई दी गई तथा सभी छात्राओं से शिक्षा के साथ-साथ कानून की जानकारी रखने और समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया गया।

नावाडीह पंचायत के नीमडीह को जोड़ने वाली सड़क बदहाल

ग्रामीणों का आवागमन हुआ मुश्किल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कौआकोल। प्रखंड के नावाडीह पंचायत अंतर्गत नावाडीह गांव से नीमडीह मुहल्ला को जोड़ने वाली मुख्य सड़क वर्षों से बदहाल स्थिति में है। सड़क के रखरखाव के अभाव और जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्रामीणों को प्रतिदिन भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क किनारे स्थित घरों से निकलने वाला गंदा पानी सीधे सड़क पर बहता है, जिससे जगह-जगह जलजमाव और कीचड़ की स्थिति बनी रहती है। इसके कारण सड़क की हालत लगातार खराब होती जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है, जबकि सामान्य दिनों में भी सड़क पर कीचड़ और गंदा पानी जमा रहने से दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों का परिचालन प्रभावित रहता है। कई बार वाहन फिसलने की घटनाएं भी हो चुकी हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि समस्या की मुख्य वजह सड़क के किनारे पक्की नाली का अभाव है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण घरों का गंदा पानी सड़क पर फैल जाता है और लंबे समय तक जमा रहता है। यदि सड़क के दोनों ओर पक्की नाली का निर्माण करा दिया जाए तो जलजमाव की समस्या काफी हद तक समाप्त हो सकती है और सड़क भी लंबे समय तक सुरक्षित रह सकेगी।ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। लोगों ने प्रशासन से शीघ्र सड़क की मरम्मत कराने और दोनों ओर पक्की नाली का निर्माण कराने की मांग की है, ताकि वर्षों से चली आ रही इस समस्या का स्थायी समाधान हो सके। बता दें कि इस सड़क का निर्माण वर्ष 2022-23 में टेंडर के माध्यम से कराया गया था,लेकिन निर्माण के महज कुछ वर्षों के भीतर ही सड़क पुनः जर्जर हो गई। इसके बाद स्थानीय पंचायत समिति सदस्य नोमिंता कुमारी ने इस मामले को गंभीरता से उठाते हुए संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकृष्ट कराया। उनके प्रयास पर विधान परिषद सदस्य अशोक कुमार ने भी इस मुद्दे को सदन में उठाया था। इस पर तत्कालीन ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने आश्वासन दिया था कि निर्माण एजेंसी की पांच वर्ष की उत्तरदायित्व अवधि पूरी होने के बाद आवश्यक प्रक्रिया के तहत सड़क का पुनर्निर्माण कराया जाएगा। हालांकि आज तक सड़क की स्थिति जस की तस बनी हुई है,जिससे ग्रामीणों में निराशा और आक्रोश व्याप्त है।

6 दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का भव्य समापन, विद्यार्थियों को सेवा और अनुशासन का मिला संदेश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पकरीबरावां (नवादा)। प्रखंड क्षेत्र के सरदार पटेल इंटर विद्यालय, कोनन्दपुर में बिहार राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के जिला सचिव रामअकवाल शर्मा के निर्देशानुसार आयोजित छह दिवसीय प्रथम सोपान स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का रविवार को भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जबकि प्रशिक्षुओं को समाज सेवा, अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर चलने का संकल्प दिलाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि वारिसलीगंज विधानसभा के पूर्व विधायक प्रदीप महतो थे। विद्यालय परिसर में स्काउट-गाइड की कलर पार्टी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। पुष्पवर्षा के बीच अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं

प्रीति, सोनाली, ऋतू एवं खुशबू द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक आलोक कुमार ने मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों को शॉल, बुके एवं माला भेंट कर सम्मानित किया।

शिविर का संचालन प्रशिक्षक कुमार पंकज, संतु कुमार, अमित कुमार एवं मनोरमा देवी की देखरेख में हुआ। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त स्काउटर राजीव कुमार ने छह दिनों तक विद्यार्थियों को स्काउट-गाइड की प्रतिज्ञा, नियम, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, बौद्धिक एवं चारित्रिक विकास, पिरामिड निर्माण, मार्चपास्ट, प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड), समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण तथा एकल उपयोग प्लास्टिक से होने वाले दुष्प्रभावों के संबंध में सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। मुख्य अतिथि प्रदीप महतो ने कहा कि स्काउट-गाइड प्रशिक्षण विद्यार्थियों में अनुशासन, सेवा भावना, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रप्रेम का विकास करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने योग्य बनाते हैं तथा समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का बोध कराते हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं से पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

इस अवसर पर कोनन्दपुर ग्राम पंचायत के मुखिया रंजीत कुमार सिन्हा (गोल्डन) ने सभी प्रतिभागियों को कॉपी, मेडल एवं कलम प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन गणेश कुमार अरण्य ने किया। समापन समारोह में शारीरिक शिक्षक विजय कुमार, सकलदेव राम, मिथलेश कुमार, कविता दयाल, आशुतोष कुमार, लिपिक रौशन कुमार, प्रशांत कुमार, प्रबंध समिति की सदस्य आरती कुमारी सहित विद्यालय परिवार, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। समारोह का समापन राष्ट्रगान एवं प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं सम्मान प्रदान करने के साथ हुआ।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

12 जुलाई को एसआई मद्य निषेध परीक्षा, कुल 19 सेंटर्स बनाए गए, फोटो स्टेट और साइबर कैफे बंद रहेंगे

नालंदा। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग की ओर से रविवार (12 जुलाई 2026) को आयोजित की जाने वाली 'अवर निरीक्षक (SI) मद्य निषेध' की परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। बिहारशरीफ के अनुमंडल दंडाधिकारी किसलय श्रीवास्तव ने आदेश जारी कर परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा घेरा सख्त करते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह परीक्षा बिहारशरीफ अनुमंडल मुख्यालय के कुल 19 केंद्रों पर सुबह 11:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक एक पाली में होगी। कदाचारमुक्त और शांतिपूर्ण परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सभी केंद्रों के 500 गज की दूरी में निषेधाज्ञा लागू की गई है। इस आदेश के प्रभाव में आने के बाद, परीक्षा केंद्रों के इर्द-गिर्द पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एक साथ जमा होने, किसी भी प्रकार के घातक हथियार जैसे लाठी, भाला, गड़ासा या लाइसेंसधारी आग्नेयास्त्र लेकर चलने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षार्थी लेखन सामग्री को छोड़कर कोई भी अन्य आपत्तिजनक वस्तु, विशेष रूप से मोबाइल फोन, परीक्षा केंद्र के भीतर नहीं ले जा सकेंगे। सुरक्षा और व्यवस्था के मद्देनजर परीक्षा के दिन केंद्रों के 500 गज के दायरे में आने वाली सभी फोटो स्टेट दुकानें, साइबर कैफे और कोचिंग संस्थान सुबह 09:00 बजे से लेकर परीक्षा की समाप्ति तक पूरी तरह बंद रहेंगे। साथ ही, क्षेत्र में लाउडस्पीकर और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर भी पाबंदी लगा दी गई है। इन प्रतिबंधों से दंडाधिकारियों, परीक्षा कार्य में लगे पुलिस अधिकारियों, शवयात्रा और ऐसे व्यक्तियों को छूट दी गई है जो लाठी के बिना चलने में असमर्थ हैं। शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल की स्टैटिक तैनाती की गई है, साथ ही गश्ती दल को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने सख्त चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति इस निषेधाज्ञा का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ सुसंगत कानूनी प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ःदेसी कट्टा, हैमर, ड्रिल और वेल्डिंग मशीन बरामद, मौके से कारीगर गिरफ्तार

नालंदा। नालंदा जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। इस्लामपुर थाना क्षेत्र के सुहावनपुर सुढ़ी गांव में पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने अवैध रूप से संचालित की जा रही एक मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई के दौरान मौके से निर्मित हथियारों के साथ-साथ बड़ी मात्रा में हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी और उपकरण बरामद किए गए हैं। हिलसा डीएसपी-2 ऋषिराज ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव में लोहे का गेट और खिड़की बनाने की आड़ में अवैध हथियारों का निर्माण किया जा रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसटीएफ, डीआईयू और इस्लामपुर थाना की टीम ने एक संयुक्त विशेष छापामारी दल का गठन किया। योजनाबद्ध तरीके से की गई इस छापेमारी में पुलिस ने सुहावनपुर सुढ़ी निवासी रमण विश्वकर्मा के घर पर दबिश दी, जहां फैक्ट्री का संचालन किया जा रहा था। पुलिस की छापेमारी में अवैध हथियार बनाने का पूरा सेटअप पकड़ा गया है। बरामद सामानों में एक कट्टा, हथियार बनाने वाले स्प्रिंग, कई प्रकार के हैमर और लोहे की सामग्रियां शामिल हैं। इसके अलावा, फैक्ट्री में हथियारों को तैयार करने के लिए उपयोग की जाने वाली तीन ड्रिल मशीनें, दो ग्राइंडर, दो बेंच मशीन, एक आर्क वेल्डिंग मशीन, एक बड़ा कटर, जनरेटर और भट्ठी में हवा देने वाली पंखी भी बरामद की गई है। साथ ही, एक मोबाइल और वजन करने वाला वाट भी जब्त किया गया है। छापेमारी में शामिल पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों की टीम में अपर थानाध्यक्ष राम कुमार पाल, शफीउल्लाह अंसारी, अरूण कुमार राय सहित एसटीएफ और डीआईयू के जवान शामिल थे।

बोधगया में लोगों ने चीन की नीतियों का विरोध किया, तिब्बत के समर्थन में कैंडल मार्च

गयाजी। विश्व प्रसिद्ध बौद्ध तीर्थस्थल बोधगया में शनिवार शाम तिब्बत के समर्थन में हजारों लोगों ने कैंडल मार्च निकाला। यह मार्च चीन की तिब्बत संबंधी नीतियों के विरोध में था, जिसमें मानवाधिकारों, धार्मिक स्वतंत्रता और तिब्बती संस्कृति के संरक्षण की मांग की गई। बोधगया तिब्बती मॉनेस्ट्री के इंचार्ज आमजी लामा के नेतृत्व में निकले इस मार्च में तिब्बती भिक्षु, भिक्षुणियां, महिलाएं, बुजुर्ग और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मार्च में शामिल हजारों लोग हाथों में जलती मोमबत्तियां, तिब्बती ध्वज और शांति व मानवाधिकारों के समर्थन में लिखे बैनर लिए अनुशासित ढंग से आगे बढ़ रहे थे। पूरा मार्च शांतिपूर्ण रहा। प्रतिभागियों ने तिब्बती संस्कृति, भाषा और धार्मिक परंपराओं के संरक्षण के साथ-साथ तिब्बत के लोगों के अधिकारों की रक्षा की मांग की। इस दौरान तिब्बत के समर्थन में नारे लगाए गए और विश्व समुदाय से इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देने की अपील की गई। मार्च में शामिल लोगों ने बताया कि तिब्बती समुदाय लंबे समय से अपनी सांस्कृतिक पहचान और धार्मिक स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है। उनका मानना था कि तिब्बत का मुद्दा केवल एक क्षेत्रीय विषय नहीं, बल्कि मानवाधिकारों, सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़ा एक वैश्विक मुद्दा है। उन्होंने दुनिया के सभी लोकतांत्रिक देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से इस दिशा में सकारात्मक भूमिका निभाने की अपील की। आयोजकों ने स्पष्ट किया कि कैंडल मार्च का उद्देश्य किसी प्रकार का टकराव या तनाव पैदा करना नहीं था, बल्कि अहिंसक तरीके से अपनी भावनाओं को दुनिया के सामने रखना था। उन्होंने कहा कि तिब्बती समुदाय भगवान बुद्ध के करुणा, अहिंसा और संवाद के संदेश पर चलता है, और हर समस्या का समाधान शांतिपूर्ण वार्ता से ही संभव है। इसी भावना के साथ बोधगया की पवित्र भूमि से विश्व शांति और न्याय का संदेश दिया गया।

कैंडल मार्च के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और देश-विदेश से आए श्रद्धालु भी इस शांतिपूर्ण आयोजन के साक्षी बने। कई लोगों ने इसे मानवता, सह-अस्तित्व और शांति का अनूठा संदेश बताया। प्रतिभागियों ने कहा कि तिब्बती संस्कृति, भाषा और धार्मिक परंपराओं का संरक्षण पूरी दुनिया की साझा जिम्मेदारी है और आने वाली पीढ़ियों के लिए इस विरासत को सुरक्षित रखना आवश्यक है। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने पूरे मार्ग पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई, जिससे कैंडल मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। विश्वभर में भगवान बुद्ध की ज्ञानस्थली के रूप में प्रसिद्ध बोधगया से निकले इस कैंडल मार्च का विशेष प्रतीकात्मक महत्व भी माना जा रहा है। शांति, करुणा और अहिंसा की धरती से तिब्बती समुदाय ने दुनिया को यह संदेश देने का प्रयास किया कि संवाद, मानवाधिकारों का सम्मान और सांस्कृतिक विविधता की रक्षा ही स्थायी शांति का आधार है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने विश्व शांति, मानवाधिकारों की रक्षा और तिब्बत के लोगों के सम्मानजनक भविष्य की कामना करते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सकारात्मक, संवेदनशील और शांतिपूर्ण पहल करने की अपील की।

जनता का दिल सेवा और संवेदनशील नेतृत्व से ही जीता जा सकता है : उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन

♦ बिपार्ड, गयाजी में बिहार विधान सभा सदस्यों के दो दिवसीय 'प्रबोधन कार्यक्रम' का शुभारंभ, संसदीय दक्षता और संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने पर जोर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गया। बिहार विधान सभा सचिवालय, लोकसभा सचिवालय की संस्था प्राइड (पीआरआईडीई) तथा बिपार्ड, गयाजी के संयुक्त तत्वावधान में बिहार विधान सभा के माननीय सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय 'प्रबोधन कार्यक्रम' का विधिवत उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने शुक्रवार को बिपार्ड परिसर, गयाजी में किया। कार्यक्रम में संसदीय कार्यप्रणाली, संवैधानिक दायित्वों, आधुनिक तकनीक और जनप्रतिनिधियों की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। कार्यक्रम के स्वागत भाषण में बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने गयाजी की ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि सदियों से ज्ञान, साधना और आत्मचिंतन का केंद्र रही है। उन्होंने कहा कि भारत में लोकतंत्र की जड़ें अत्यंत प्राचीन हैं और हमारे वेद, पुराण एवं रामायण सुनने, सीखने, संवाद करने तथा आत्मज्ञान को बढ़ाने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रबोधन कार्यक्रम सदन की कार्यक्षमता और जनप्रतिनिधियों की प्रभावशीलता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि चुनाव मतों से जीते जाते हैं, लेकिन जनता का विश्वास और दिल केवल सेवा, समर्पण तथा संवेदनशील नेतृत्व से ही जीता जा सकता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव जीतना पहली सीढ़ी है, जबकि जनता का स्थायी विश्वास निरंतर सेवा और उत्तरदायित्वपूर्ण नेतृत्व से प्राप्त होता है। उन्होंने बिहार के विकास पर जोर देते हुए कहा कि ऐसी परिस्थितियां बनाई जानी चाहिए जिससे राज्य के युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में पलायन न करना पड़े। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे बिहार को रोजगार और अवसरों का केंद्र बनाने की दिशा में कार्य करें, ताकि भविष्य में अन्य राज्यों के लोग भी बिहार में अवसरों की तलाश में आएं। बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में प्रशिक्षण का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के दौर में जनप्रतिनिधियों को भी स्वयं को समयानुकूल तैयार करना होगा, ताकि वे नई चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल संविधान की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। उन्होंने सभी सदस्यों से सदन की कार्यवाही में नियमित भागीदारी और अपने-अपने क्षेत्रों के विकास के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने का आह्वान किया।

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने विधायिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन और समन्वय की आवश्यकता पर बल देते हुए संविधान के अनुच्छेद 104 और 193 में समयानुकूल संशोधन पर विचार करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि संविधान के प्रथम संशोधन को अंगीकार करने का गौरव बिहार को प्राप्त है, जो राज्य की लोकतांत्रिक चेतना का प्रतीक है। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए और कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने उपराष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों को भगवान बुद्ध की प्रतिमा, स्मृति चिह्न, हरित गुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। उद्घाटन सत्र के बाद अतिथियों ने बिपार्ड परिसर में वृक्षारोपण किया तथा सामूहिक छायाचित्र में भाग लिया। इसके बाद आयोजित तकनीकी एवं विषयगत सत्रों में लोकसभा सचिवालय की संस्था पीआरआईडीई के विशेषज्ञों ने संसदीय प्रक्रिया, नियम एवं परंपराएं, सदस्यों के अधिकार और कर्तव्य, आचार संहिता, प्रश्नकाल, लोक महत्व के विषयों, कार्यपालिका की जवाबदेही तथा संसदीय कार्यों में आधुनिक तकनीक और नेवा (राष्ट्रीय ई-विधान अनुप्रयोग) के उपयोग जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।

संवादात्मक सत्रों में विधायकों ने संसदीय कार्यप्रणाली और जनहित से जुड़े विषयों पर अपने अनुभव साझा किए तथा विशेषज्ञों से विभिन्न प्रश्न पूछे। विशेषज्ञों ने विधिक, प्रशासनिक और व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए जनप्रतिनिधियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि यह ज्ञानवर्धक कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों को अपने संवैधानिक दायित्वों का अधिक प्रभावी और संवेदनशील तरीके से निर्वहन करने में सहायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर उप मुख्य सचेतक मंजीत कुमार सिंह तथा विधायक अजय कुमार ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के समापन पर बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि प्रबोधन कार्यक्रम से प्राप्त ज्ञान और अनुभव जनप्रतिनिधियों को लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक सशक्त बनाने में मदद करेंगे।

बदलपुर गांव में हुआ लोक संवाद गोष्ठी का आयोजन

लोक संवाद गोष्ठी में मौजूद थानाध्यक्ष एवं ग्रामीण।

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नरहट (नवादा)। शनिवार को नरहट थाना परिसर के अंतर्गत बदलपुर सिमर मोड़ पुल के पास पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से लोक संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने की। यह गोष्ठी पुलिस अधीक्षक, नवादा के निर्देश पर आयोजित की गई।

गोष्ठी में उपस्थित ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ पुलिस ने क्षेत्र की सामाजिक एवं विधि-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। थानाध्यक्ष ने लोगों से अपील की कि छोटे-छोटे विवादों का समाधान पंचायत स्तर पर आपसी सहमति से करें तथा किसी भी प्रकार की घटना, दुर्घटना या संदिग्ध गतिविधि की सूचना बिना हिचकिचाहट पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि लोक संवाद गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच विश्वास एवं सहयोग को मजबूत करना है, ताकि क्षेत्र में शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनी रहे। इस अवसर पर पूर्व मुखिया विजय कुमार, पैक्स अध्यक्ष संजय सिंह उर्फ मांगो सिंह, अवधेश कुमार सिंह, शेखपुरा मंडल अध्यक्ष अनिल राजवंशी, उपाध्यक्ष बिट्टू कुमार, नन्दकिशोर सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

औरंगाबाद के युवक की गयाजी में मौत, बाइक-ट्रक की टक्कर में गई जान, दो महिलाएं घायल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गयाजी। औरंगाबाद के मदनपुर प्रखंड के सलैया थाना क्षेत्र के लक्ष्मण विगहा गांव निवासी 27 वर्षीय विकास कुमार यादव की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा शनिवार को गयाजी जिले के आमस थाना क्षेत्र के बुधौल के पास हुआ, जहां उनकी बाइक की टक्कर एक ट्रक से हो गई। दुर्घटना में बाइक पर सवार दो महिलाएं भी घायल हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही लक्ष्मण विगहा गांव में शोक की लहर दौड़ गई। आमस थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

शादी समारोह से लौटने के दौरान हुआ हादसाः विकास कुमार यादव अपने बड़े भाई की ससुराल गया जिले के आमस थाना क्षेत्र के पत्थरा गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। वहां से लौटने के दौरान बुधौल के पास उनकी बाइक की ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में विकास कुमार यादव की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक पर उनके साथ सवार रामप्रवेश यादव की बेटी प्रीति कुमारी और उनके दिवंगत बड़े भाई अमिलेश यादव की पत्नी अनिता कुंवर घायल हो गईं।

दोनों घायलों का इलाज कराया जा रहा है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जिला परिषद सदस्य सह राजद प्रदेश महासचिव शंकर यादवेन्द्र ने बताया कि विकास कुमार यादव दो भाइयों में सबसे छोटे थे और अभी उनकी शादी भी नहीं हुई थी। एक साल पहले उनके बड़े भाई अमिलेश यादव की गंभीर बीमारी से मौत हो गई थी। बड़े भाई के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी विकास के कंधों पर आ गई थी, लेकिन अब सड़क हादसे में उनकी भी मौत हो जाने से परिवार पूरी तरह टूट गया है।

जिप सदस्य ने की परिजनों से मुलाकातः एक साल के भीतर पिता महेंद्र यादव को अपने दो जवान बेटों की अर्थी कंधे पर उठानी पड़ी, जिससे उनकी मानसिक स्थिति भी बेहद खराब हो गई है। जिप सदस्य शंकर यादवेन्दु ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया।

उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना में मौत होने के कारण पीड़ित परिवार को आपदा प्रबंधन राहत कोष से चार लाख रुपये की सहायता राशि दिलाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही सरकार की अन्य कल्याणकारी योजनाओं का फायदा भी परिवार को उपलब्ध कराया जाएगा। गांव के लोगों ने भी इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया।

नालंदा में 3 लाख कैश-ज्वेलरी की चोरी, 10 लाख के जेवरात ले भागे चोर

पीड़ित ने कहा- ग्रामीण ने वारदात को दिया आंजाम

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालंदा। नालंदा के बिहार थाना क्षेत्र के उपरौरा गांव में कल रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के गहने और कैश पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने बड़ी ही चालाकी से घर के ताले को काटकर घटना को अंजाम दिया है। इस घटना में पीड़ित परिवार ने गांव के ही किसी व्यक्ति के शामिल होने की आशंका जताई है। घटना की सूचना मिलते ही बिहार थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

ताला काटकर की गई चोरीः जिस घर में चोरी हुई है, वहां रहने वाले सदस्य दूसरी जगह पर सोने गए थे। दोपहर बाद जब वे वापस लौटे तो घर के मुख्य द्वार और बक्सों के ताले कटे हुए पाए गए। पीड़ित परिवार के सदस्यों ने बताया कि चोरों ने किसी अत्याधुनिक मशीन का इस्तेमाल कर ताला काटा है। घर के अंदर रखे बक्सों को खंगालकर चोरों ने कीमती गहने और कैश निकाल लिए। हैरानी की बात यह है कि चोरों ने घर के अन्य सामान और कपड़ों को छोड़ दिया और सिर्फ नकदी व जेवरात को ही निशाना बनाया। पीड़ित का कहना है कि घर में कागजात भी थे, लेकिन चोरों ने उन्हें छोड़ दिया और केवल पैसों से भरे बैग लेकर फरार हो गए। करीब 10 लाख के जेवरात और 3 लाख नगद की चोरी हुई है।

पीड़ित परिवार का आरोप और आशंकाः पीड़िता उमापति देवी, ने बताया कि उनके घर में हुई इस बड़ी चोरी के पीछे गांव के ही किसी व्यक्ति का हाथ हो सकता है। उनका कहना है कि घर से बाहर का कोई व्यक्ति इतनी आसानी से इस तरह की घटना को अंजाम नहीं दे सकता। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें गांव के लोगों पर ही संदेह है। परिवार का कहना है कि वे इस दुखद स्थिति में प्रशासन से जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी और चोरी हुए सामान की बरामदगी की मांग करते हैं। बता दें कि घर के मालिक महासुंदर कुमार गौरव मिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज में कार्यरत हैं और वर्तमान में गया में पदस्थापित हैं। उनकी शादी करीब एक साल पहले हुई थी और उनकी पत्नी के जेवरात घर में ही रखे थे।

पुलिस की कार्रवाई और एफएसएल की टीमः घटना की सूचना पाकर बिहार थाना की पुलिस मौके पर पहुंच। घटनास्थल का जायजा लिया और परिजनों से विस्तार से जानकारी ली। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एफएसएल की टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया ताकि वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए जा सकें। थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि अभी तक लिखित आवेदन नहीं मिला है, आवेदन मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। पुलिस आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है ताकि चोरों का कोई सुराग मिल सके। फिलहाल, इलाके में इस घटना के बाद से लोग दहशत में हैं और पुलिस की कार्यशैली पर सभी की नजरें टिकी हैं।

कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, टोल वसूली-पेपर लीक का विरोध

सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालंदा। नालंदा जिला कांग्रेस कमेटी ने राज्य और केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ बिहारशरीफ के अस्पताल चौराहे पर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष विवेक सिन्हा यादव के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'चंदा चोरी', बढ़ती बेरोजगारी और पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिया।

स्टेट हाईवे और लिंक रोड पर टोल का विरोधः धरने को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विवेक सिन्हा यादव ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार अब स्टेट हाईवे और उससे जुड़ी संपर्क सड़कों पर भी टोल टैक्स लगाने की तैयारी में है। उन्होंने दावा किया कि सरकार के इस नए प्रावधान के तहत अब स्थानीय निवासियों और बाइक चालकों पर भी अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जाएगा, जो पहले टोल के दायरे से बाहर थे। सरकार जनता को गुमराह कर रही है और कांग्रेस की हर जिला इकाई इस नीति का पुरजोर विरोध करेगी।

एथेनॉल के नाम पर जनता की जेब पर डाकाः पेट्रोल में एथेनॉल के अनिवार्य मिश्रण के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा के कुछ चुनिंदा नेताओं को व्यापारिक लाभ पहुंचाने के लिए आम जनता की गाड़ियों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के साथ मिलीभगत कर ऐसे इंजन तैयार करवाए जा रहे हैं, जो महज कुछ ही महीनों में खराब हो रहे हैं, जिसका सीधा नुकसान वाहन मालिकों को हो रहा है।

युवाओं के भविष्य और पेपर लीक पर चिंताः देश में बढ़ती बेरोजगारी और परीक्षाओं में हो रही धांधली पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए विवेक सिन्हा यादव ने कहा कि आज देश का युवा हताशा के दौर से गुजर रहा है। नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने से लाखों मेधावी छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो गया है।

कांग्रेस पार्टी और विशेषकर राहुल गांधी इस मुद्दे को संसद के भीतर मजबूती से उठा रहे हैं, ताकि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो सके। इस दौरान जिला कांग्रेस के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सरकार विरोधी नारेबाजी कर अपना आक्रोश जताया।

संक्षिप्त समाचार

संझौली में 1 साल से जर्जर केबल से त्रस्त उपभोक्ता

संझौली (रोहतास)। संझौली ब्लॉक क्षेत्र में बिजली विभाग की लापरवाही के कारण उपभोक्ता करीब एक साल से परेशान हैं। ब्लॉक की तरफ बिछी बिजली की केबल पूरी तरह जर्जर हो चुकी है, लेकिन विभाग द्वारा अब तक उसे नहीं बदला गया है। जर्जर केबल के कारण इलाके में दो-चार दिन पर बिजली बाधित हो जाती है। इसके साथ ही लो-वोल्टेज की समस्या भी लगातार बनी हुई है। उपभोक्ताओं को घरेलू उपकरण चलाने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बीते शुक्रवार को पोल क्षतिग्रस्त होने के कारण पूरे दिन बिजली आपूर्ति ठप रही। इससे ब्लॉक कर्मी से लेकर उपभोक्ताओं तक को भारी परेशानी हुई। स्थानीय मानोवल का कहना है कि "केबल पूरी तरह जर्जर है। जब तक इसे नहीं बदला जाएगा, तब तक बिजली की समस्या बनी रहेगी।" ग्रामीणों ने बताया कि कई बार विभागीय अधिकारियों को लिखित और मौखिक सूचना दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का आरोप है कि शिकायत के बाद भी विभाग सोया हुआ है। उपभोक्ताओं ने जिला प्रशासन और बिजली विभाग के वरीय अधिकारियों से मांग की है कि जर्जर केबल को अविलंब बदलकर लोगों को राहत दिलाई जाए।

मीटर बाईपास कर बिजली चोरी करते तीन पर जुर्माना व प्राथमिकी दर्ज

बिक्रमगंज / रोहतास। बिजली चोरी की रोकथाम, राजस्व संरक्षण एवं उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विद्युत विभाग द्वारा विशेष जांच एवं छापेमारी अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सूर्यपुरा एवं दावथ प्रखंड क्षेत्रों में विभागीय टीम द्वारा की गई सघन जांच के दौरान तीन उपभोक्ता मीटर बाईपास कर अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते पाए गए। जांच के दौरान प्रखंड सूर्यपुरा के गोशलडीह टोला निवासी जीतेन्द्र कुमार सिंह द्वारा मीटर बाईपास कर बिजली का अवैध उपयोग किए जाने पर उनके विरुद्ध 14346 का आर्थिक दंड लगाया गया। इसी गांव के सुधीर कुमार सिंह पर बिजली चोरी के मामले में 22007 का जुर्माना लगाया गया। वहीं दावथ प्रखंड के बतसा निवासी बलिराज शर्मा मीटर बाईपास कर बिजली का अवैध उपयोग करते पाए गए, जिन पर 7852 का आर्थिक दंड लगाया गया। तीनों मामलों में संबंधित उपभोक्ताओं के विरुद्ध विद्युत अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज कराते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। कनीय विद्युत अभियंता, सूर्यपुरा आनंद कुमार ने बताया कि बिजली चोरी के विरुद्ध विभाग का विशेष जांच अभियान लगातार जारी है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे मीटर से किसी प्रकार की छेड़छाड़ या मीटर बाईपास कर बिजली का उपयोग न करें। बिजली चोरी दंडनीय अपराध है तथा ऐसा करते पाए जाने पर आर्थिक दंड के साथ-साथ प्राथमिकी दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

अर्ध निर्मित घर से लगभग एक ट्रक अंग्रेजी शराब बरामद

अकोढी गोला(रोहतास) जिले के अकोढी गोला थाना क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई के तहत एक निर्माणाधीन विजय सोनी के मकान से लगभग भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। बरामद शराब की पेटियों की संख्या लगभग 900 बताई जा रही है, जिन्हें जब्त कर थाना परिसर ले जाया गया। अकोढी गोला थाना अध्यक्ष राकेश गोसाई ने बताया कि करकटपुर स्थित एक नए मकान से अंग्रेजी शराब की यह बड़ी खेप मिली है। शराब की गिनती और ढुलाई थाना परिसर में की गईं। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह शराब कहां से लाई गई थी, इसका गंतव्य क्या था, और इसे यहां क्यों रखा गया था। अभी तक कुल पेटियों की संख्या लगभग 900 बताई जा रही है पुलिस इस मामले को बीते 5 तारीख को बराढी गांव के समीप मुख्य नहर किनारे से बरामद हुए एक 12 चक्का ट्रक (नंबर CG04L T5516) से भी जोड़कर देख रही है। उस खाली ट्रक का उद्भेदन भी अभी तक नहीं हो पाया है, जिसे पुलिस ने जब्त किया था। बरामद शराब और उस ट्रक के बीच संबंध की गहन जांच की जा रही है।

नगर पंचायत रोहतास में ठप पड़े विकास कार्यों को अविलम्ब शुरू कराने हेतु मुख्य पार्षद ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

सासाराम (रोहतास)। नगर पंचायत रोहतास की मुख्य पार्षद सुमबुल आरा ने शनिवार को जिलाधिकारी दीपक कुमार मिश्र से मुलाकात कर नगर पंचायत क्षेत्र में पिछले डेढ़ वर्ष से ठप पड़े विकास कार्यों को अविलंब शुरू कराने तथा कार्यपालक पदाधिकारी के उदासीन एवं लापरवाह रवैये के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। अपने दिये ज्ञापन में मुख्य पार्षद ने कहा है कि पिछले करीब डेढ़ वर्ष से नगर पंचायत में कोई नया विकास कार्य एवं मेंटेनेंस कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। पेयजल, जलजमाव,साफ-सफाई,स्ट्रीट लाइट, सीसीटीवी सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है,जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा जनप्रतिनिधियों के पत्रों का समय पर जवाब नहीं दिया जा रहा है तथा कार्यालयीय कार्यों में उदासीनता के कारण विकास योजनायें प्रभावित हो रही हैं। इस संबंध में पूर्व में भेजे गये पत्रों का भी अब तक कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ है। मुख्य पार्षद ने जिलाधिकारी से अनुरोध किया है कि नगर पंचायत रोहतास में लंबित विकास कार्यों को शीघ्र आरंभ कराते हुए कार्यपालक पदाधिकारी की कार्यशैली की जाँच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अविलम्ब आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने नवादा में विभागीय योजनाओं की समीक्षा की, समयबद्ध क्रियान्वयन पर दिया जोर

नवादा। बिहार सरकार के पंचायती राज विभाग के मंत्री दीपक प्रकाश ने शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में नवादा जिले में पंचायती राज विभाग के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विकास योजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता, समयबद्ध क्रियान्वयन तथा लंबित कार्यों की स्थिति पर गहन चर्चा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर योजनाओं को पूरा करने का निर्देश दिया।

समीक्षा बैठक में मंत्री ने पंचायत स्तर पर चल रही विकास योजनाओं की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया और कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में विभिन्न योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन, कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में जिला प्रशासन के वरीय अधिकारी, पंचायती राज विभाग के पदाधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

काराकाट सीएचसी की बदहाल व्यवस्था से मरीज बेहाल, ऑपरेशन वार्ड में बंद पड़े पंखे; पानी-भोजन तक के लिए भटक रहे परिजन

- काराकाट सीएचसी की बदहाल व्यवस्था से मरीज बेहाल, ऑपरेशन वार्ड में बंद पड़े पंखे; पानी-भोजन तक के लिए भटक रहे परिजन
- भाजपा मंडल अध्यक्ष ने अस्पताल की व्यवस्थाओं पर उठाए सवाल, आशा कार्यकर्ताओं ने भी लगाया मरीज लाने का दबाव बनाने का आरोप; सिविल सर्जन बोले- होगी जांच, जल्द सुधरेगी व्यवस्था

डॉ मणि रंजन राज, सिविल सर्जन सासाराम

पर्वती देवी, मरीज के परिजन

विनोद कुमार पासवान, भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं बीस सूत्री सदस्य

कांति देवी, आशा कार्यकर्ता

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट /रोहतास। काराकाट प्रखंड के गोडारी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की बदहाली शुक्रवार देर रात उस समय सामने आई, जब ऑपरेशन के बाद भर्ती मरीज उमस भरी गर्मी में बंद पड़े पंखों के बीच परेशान नजर आए। करीब 10 से 12 बेड वाले वार्ड में कई पंखे खराब होने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को कागज व हाथ से चलने वाले पंखे (बेना) से हवा कर रात बितानी पड़ी। वहीं शुद्ध पेयजल, भोजन और नाश्ते की व्यवस्था नहीं होने का भी आरोप लगाया गया।

मामले की जानकारी मिलने पर भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं बीस सूत्री सदस्य विनोद कुमार पासवान अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनकी रिश्तेदार का अस्पताल में ऑपरेशन हुआ था। गर्मी से परेशान मरीज के लिए जब वह घर से बेना लेकर पहुंचे तो अस्पताल की अन्य व्यवस्थाएं देखकर हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के बाद भर्ती सात से आठ मरीज गर्मी से परेशान थे, कई पंखे बंद पड़े थे तथा पानी की व्यवस्था भी वार्ड में नहीं थी। मरीजों के परिजनों को नीचे जाकर चापाकल से पानी लाना पड़ रहा था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल में भोजन एवं नाश्ते की समुचित व्यवस्था नहीं थी और कुछ बेड भी क्षतिग्रस्त थे। उन्होंने अस्पताल प्रभारी एवं प्रबंधक से मिलने का प्रयास किया, लेकिन दोनों उपलब्ध नहीं मिले।

अस्पताल में मौजूद आशा कार्यकर्ता फूलजारों देवी ने बताया कि ऑपरेशन और प्रसव के बाद मरीजों को भोजन एवं नाश्ते की सुविधा नहीं मिलती। उन्होंने आरोप लगाया कि आशा कार्यकर्ताओं पर सरकारी अस्पताल में अधिक से अधिक प्रसव एवं ऑपरेशन के मरीज लाने का दबाव बनाया जाता है तथा ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई और भुगतान रोकने की बात कही जाती है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के बाद मरीजों को केवल दवा देकर छोड़ दिया जाता है, जबकि वार्ड में गर्मी और खराब पंखों के कारण मरीजों की परेशानी और बढ़ जाती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो आशा कार्यकर्ता मरीजों को यहां लाने से परहेज करेंगी।

मरीज की परिजन पार्वती देवी ने बताया कि उनकी बहन का ऑपरेशन होने के बाद जिस वार्ड में शिफ्ट किया गया, वहां पंखा नहीं चल रहा था। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के बाद मरीज अचेत अवस्था में थी और उन्हें कागज से हवा करनी पड़ी। उनका आरोप है कि दो से तीन घंटे तक कोई डॉक्टर मरीज को देखने नहीं आया। केवल एक कर्मचारी दवा देकर और फोटो खींचकर चला गया। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र काराकाट के प्रबंधक कौशलेंद्र शर्मा से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका मोबाइल फोन रिसीव नहीं हुआ और उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।

वहीं, सिविल सर्जन डॉ. मणिरंजन राज ने कहा कि यदि अस्पताल में इस प्रकार की लापरवाही और अव्यवस्था है तो यह गंभीर मामला है। उन्होंने बताया कि काराकाट सीएचसी के प्रभारी एवं प्रबंधक से तत्काल बात कर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का निर्देश दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मरीजों के लिए भोजन, नाश्ता और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करना अस्पताल की जिम्मेदारी है। यदि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही पाई जाती है तो मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने स्वयं भी अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने की बात कही।

विद्यालय का ताला तोड़कर सबमर्सिबल मोटर चोरी, बच्चों के सामने पेयजल का संकट

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

- प्राथमिक विद्यालय सिड़ी में रात के अंधेरे में वारदात, प्रधानाध्यापक ने करगहर थाने में दर्ज कराई शिकायत

करगहर (रोहतास)। करगहर थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय सिड़ी में चोरों ने सरकारी संपत्ति को निशाना बनाते हुए सबमर्सिबल मोटर चोरी कर ली। शुक्रवार की रात अज्ञात बदमाशों ने विद्यालय परिसर में लगे मोटर कक्ष का ताला तोड़कर सबमर्सिबल मोटर खोल लिया और फरार हो गए।

शनिवार सुबह विद्यालय खुलने पर प्रधानाध्यापक ऋषि मुनि सिंह एवं अन्य शिक्षक पहुंचे तो मोटर कक्ष का ताला टूटा हुआ मिला। जांच करने पर सबमर्सिबल मोटर गायब था। घटना की जानकारी मिलते ही विद्यालय प्रबंधन ने करगहर थाना को सूचना देते हुए लिखित शिकायत दर्ज कराई।

प्रधानाध्यापक ऋषि मुनि सिंह ने बताया कि विद्यालय में बच्चों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए यही एकमात्र सबमर्सिबल मोटर था। इसके चोरी हो जाने से विद्यालय की पेयजल व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई है। उन्होंने पुलिस से शीघ्र चोरी का खुलासा कर मोटर बरामद करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी संस्थानों में लगातार हो रही चोरी की घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं। उन्होंने विद्यालयों की सुरक्षा बढ़ाने और रात्रि गश्ती तेज करने की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

समी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने ओलंपियाड में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत समी पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने ओलंपियाड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया । विद्यालय परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में सफल विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट, रिपोर्ट कार्ड एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया । विद्यालय के विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से पूरे विद्यालय में उत्साह का माहौल रहा ।

समारोह के दौरान विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।विद्यालय के निदेशक अकबर शमी ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाएं विद्यार्थियों के ज्ञान,प्रतिभा एवं क्षमता को परखने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं । उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत,अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है ।उन्होंने बताया कि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी तैयार कर रहा है,ताकि वे भविष्य में और बड़ी सफलताएं प्राप्त कर सकें इस वर्ष ओलंपियाड में विद्यालय के 94 विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया । इनमें आयन समी ने जिला रैंक 24,माहिरा परवीन ने जिला रैंक 12 तथा सिदरा परवीन ने जिला रैंक 22 प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया ।

इसके अतिरिक्त विद्यालय के लगभग सभी प्रतिभागी विद्यार्थी जिला स्तर की टॉप-50 रैंक में शामिल रहे,जो विद्यालय के लिए अत्यंत गर्व की बात है । समारोह के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं दीं तथा भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय,अभिभावकों एवं समाज का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया ।

गांवों मे गहराया जल संकट, महिलाओ को हो रही परेशानी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कोचस (रोहतास)। कोचस प्रखंड के हरिदासपुर गांव में इन दिनों पेयजल संकट गंभीर रूप लेता जा रहा है।गांव के कई सरकारी एवं निजी हैंडपंप खराब हो चुके हैं, भूजल स्तर नीचे चले जाने के कारण हैंडपंप चापाकल पानी देना बंद कर चुका हैं। इससे ग्रामीणों को पीने और घरेलू उपयोग के लिए पानी जुटाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि पानी का भूजल स्तर लगातार नीचे जाने से अधिकांश सामान्य हैंडपंप बेकार हो गए हैं। लोग बाल्टी लेकर उन सरकारी हैंडपंपों तक जाने को मजबूर हैं, जहां अभी किसी तरह पानी निकल रहा है। जिन परिवारों के पास समरसेबल पंप लगे हैं, वे उसी के सहारे पानी की व्यवस्था कर रहे हैं, लेकिन बिजली आपूर्ति बाधित होते ही स्थिति और गंभीर हो जाती है।हरिदासपुर के डेरा क्षेत्र के लोगों की समस्या और भी अधिक है। ग्रामीणों के अनुसार वहां तक पाइपलाइन से पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पाता, क्योंकि उनका डेरा ऊंचाई पर स्थित है, जबकि जलापूर्ति का स्रोत नीचे है। मोटर चालू होने के कुछ समय बाद ही पानी की आपूर्ति बंद हो जाती है, जिससे इस योजना का उन्हें अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि बीती रात लगभग 12 बजे के बाद बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी। इसके कारण समरसेबल पंप भी बंद हो गए और सुबह तक गांव में पानी के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। लोगों को पीने, खाना बनाने तथा अन्य घरेलू कार्यों के लिए भी पानी जुटाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।सबसे अधिक परेशानी हरिदासपुर के डेरा क्षेत्र में रहने वाले छोटेलाल, विनोद कुमार (अमीन), मुन्ना, प्रिंस कुमार, अनिल सिंह, उमाशंकर सिंह, रामराज सिंह, श्याम लाल सिंह, उदय नारायण सिंह,हिरामन,विकास सहित कई परिवारों को हो रही है। इन परिवारों को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है।ग्रामीणों की मांग है कि जरूरत वाले स्थानों पर गहरे बोरिंग वाले नए हैंडपंप लगाए जाएं, डेरा क्षेत्र में पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा बिजली आपूर्ति नियमित रखी जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में पेयजल संकट और भी गंभीर रूप ले सकता है।

काराकाट के कुशी विद्यालय में छह छात्राएं हुईं अचेत, एक को किया गया हायर सेंटर रेफर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट / रोहतास । प्रखंड के कुशी स्थित प्राथमिक विद्यालय में शनिवार को प्रार्थना सभा के दौरान छह छात्राएं एक-एक कर अचेत होकर गिर पड़ीं। घटना से विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। विद्यालय प्रशासन, ग्रामीणों और परिजनों की मदद से सभी छात्राओं को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, काराकाट (गोडारी) में भर्ती कराया गया। अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि चार छात्राओं की जांच में सभी आवश्यक मानक सामान्य पाए गए। उन्हें ओआरएस व प्राथमिक उपचार देने के बाद उनकी स्थिति सामान्य हो गई और उन्हें घर भेज दिया गया। वहीं दो छात्राओं का इलाज जारी रहा। इनमें आठवीं कक्षा की छात्रा प्रिया कुमारी की पहले से सीने में दर्द (कार्डियक समस्या) की शिकायत थी, इसलिए बेहतर इलाज के लिए उसे हायर सेंटर रेफर किया गया। डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि समय पर भोजन और नाश्ता नहीं करने, गर्मी तथा एक-दूसरे को अचेत होते देख घबराहट की स्थिति बनने से ऐसी घटनाएं हो सकती हैं। उन्होंने इसे फंक्शनल न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर (एफएनडी) जैसी स्थिति से भी जोड़ते हुए कहा कि कई बार किसी गंभीर शारीरिक बीमारी के बिना भी एक-दूसरे को देखकर बच्चे अचेत हो सकते हैं। उन्होंने बच्चों को नियमित एवं पौष्टिक भोजन करने की सलाह दी। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक पुष्पेंद्र कुमार राय ने बताया कि प्रार्थना के समय पहले एक छात्रा बेहोश हुई, जिसके बाद गर्मी और घबराहट के कारण अन्य छात्राएं भी अचेत हो गईं। सभी को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां अधिकांश छात्राएं स्वस्थ होकर घर लौट गईं।

घटना की सूचना मिलने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह विद्यालय पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है तथा चिकित्सकों की निगरानी में सभी छात्राओं का इलाज किया गया है। इधर, ग्रामीणों और परिजनों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों में भी दो-तीन छात्राएं इसी तरह अचेत हुई थीं। उन्होंने पूरे मामले की वैज्ञानिक जांच कराने की मांग की है, ताकि वास्तविक कारणों का पता चल सके।

विश्व जनसंख्या दिवस: नवादा में परिवार नियोजन पखवाड़ा शुरू, 31 जुलाई तक मिलेंगी निःशुल्क सेवाएं

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर नवादा जिला स्वास्थ्य समिति ने शनिवार को जागरूकता रैली, परिवार नियोजन मेला और प्रेस वार्ता आयोजित कर जिले में विशेष परिवार नियोजन पखवाड़े की शुरुआत की। यह अभियान 11 से 31 जुलाई तक जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में चलेगा, जहां महिला बंध्याकरण, पुरुष नसबंदी सहित परिवार नियोजन की सभी सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। विश्व जनसंख्या दिवस की पूर्व संध्या पर जिला स्वास्थ्य समिति और प्रोजेक्ट कन्या इंटर विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में छात्राओं ने जागरूकता रैली निकालकर छोटे परिवार, जिम्मेदार अभिभावकत्व तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य का संदेश दिया। अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, सदर अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, बीसीएम एवं पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएफआई) के प्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरती रैली में छात्राओं ने आकर्षक नारों के माध्यम से लोगों को परिवार नियोजन के प्रति जागरूक किया।

सदर अस्पताल में आयोजित परिवार नियोजन मेले का उद्घाटन सिविल सर्जन *डॉ. विनोद चौधरी एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अमिता आजाद ने संयुक्त रूप से किया। मेले में दंपतियों को परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा पात्र लाभार्थियों को निःशुल्क सेवाएं प्रदान की गईं।

प्रेस वार्ता में सिविल सर्जन डॉ. विनोद चौधरी ने कहा कि परिवार नियोजन केवल जनसंख्या नियंत्रण का माध्यम नहीं, बल्कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी, महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण और परिवार की आर्थिक-सामाजिक खुशहाली सुनिश्चित करने का प्रभावी उपाय है। उन्होंने लोगों से सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध निःशुल्क सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की।

उन्होंने बताया कि विश्व जनसंख्या पखवाड़े के तहत नवादा जिले को *1,250 महिला बंध्याकरण और 90 पुरुष नसबंदी का लक्ष्य मिला है। अभियान की शुरुआत सदर अस्पताल में 16 महिला बंध्याकरण ऑपरेशन के साथ की गई। स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य अधिक से अधिक दंपतियों तक परिवार नियोजन सेवाएं पहुंचाकर स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध परिवारों का निर्माण करना है।

संक्षिप्त समाचार

डबल मर्डर के शूटर का एनकाउंटर

बांका। बांका डबल मर्डर केस के मेन शूटर के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई। इस दौरान आरोपी सचिन सिंह के पैर में गोली लगी। पुलिस कस्टडी में इलाज के लिए भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (मायागंज) में भर्ती कराया गया है। दरअसल, जिले के अमरपुर थाना क्षेत्र के बलिया गांव में हुए डबल मर्डर में फरार चल रहे आरोपी सचिन सिंह को शनिवार की अहले सुबह पुलिस हथियार बरामद कराने के लिए ले गई। इस दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लग गई। शनिवार की सुबह करीब 3 बजे गोली लगने के बाद आरोपी सचिन को बांका सदर अस्पताल लाया गया। जहां से करीब 5 बजे सुबह उसे भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर किया गया।

SP बोले- रांची से गिरफ्तार हुआ शूटर सचिन सिंह: बांका एसपी अमितेश कुमार ने बताया, मुख्य आरोपी सोमनाथ सिंह की 72 घंटे पहले गिरफ्तारी हुई थी। वहीं कल रांची के एक होटल से शूटर सचिन सिंह की गिरफ्तारी हुई। बांका लाने के बाद उससे हथियार को लेकर पूछताछ की। बलिया गांव के जंगल में पिस्टल छिपाने की बात बताई। पुलिस टीम जब उसे लेकर जंगल लेकर पहुंची थी, तभी मुठभेड़ हुई। इस दौरान उसने पुलिस से हाथ छुड़ाकर भागने की कोशिश की और छिपाई गई पिस्टल से पुलिस पर फायरिंग की। पुलिस ने सेल्फ डिफेंस में गोली चलाई जो शूटर के पैर में लगी है। अपराधी का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है।

सोमनाथ सिंह बेगूसराय से हो चुका गिरफ्तार: डबल मर्डर का मुख्य आरोपी अमरपुर थाना क्षेत्र के अठमाहा निवासी सोमनाथ सिंह उर्फ सोम सिंह को पहले ही बेगूसराय जिले से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। उसके बाद से सचिन सिंह फरार चल रहा था, जिसकी पुलिस लगातार तलाश कर रही थी। गौरतलब है कि 5 जुलाई को अमरपुर थाना क्षेत्र के धर्मराय गांव निवासी गुंजन सिंह (34) और सिंधु कुमार(33) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मारे गए गुंजन सिंह का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

रास्ते के विवाद को लेकर किया मर्डर: पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या की वारदात को पुरानी रंजिश और रास्ता विवाद को लेकर अंजाम दिया गया था। गिरफ्तार आरोपी सोमनाथ सिंह ने भी पूछताछ में रास्ता विवाद को ही घटना की वजह बताया था। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच जारी है। घायल आरोपी सचिन सिंह की सुरक्षा के बीच अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस को मामले में कई अहम जानकारियां मिलने की उम्मीद है।

गुंजन का रहा है आपराधिक इतिहास: 5 जुलाई को मारे गए गुंजन का आपराधिक इतिहास रहा है और उसकी छवि गांव में नशाबाज के रूप में थी। साल 2020 में उसके खिलाफ थाने में आईपीसी की धारा 307 और एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था। वहीं, फरार युवक की भी पहचान करने में पुलिस जुट गई है, उसके भी आपराधिक चरित्र की जानकारी मिल रही है।

यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ विशेष अभियान

अररिया। फारबिसगंज में अनुमंडल प्रशासन और परिवहन विभाग की ओर से शनिवार को यातायात नियमों के उल्लंघन को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें गलत दिशा में वाहन चलाने, बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस दौरान 21 वाहन जब्त किए गए। जबकि 53 हजार 500 रूपये जुर्माने के रूप में वाहन चालकों से वसूल की गई। जानकारी फारबिसगंज अनुमंडल पदाधिकारी अभय कुमार तिवारी ने देते हुए बताया कि शहरी क्षेत्र में लगातार हो रही दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने, यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के साथ नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर नकेल कसने को लेकर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान मुख्य रूप से रॉन्ग साइड ड्राइविंग और बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चलाने वालों पर केंद्रित था।एसडीएम अभय कुमार तिवारी ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा को लेकर यातायात नियमों का पालन करे। बिना हेलमेट और गलत दिशा में वाहन चलाने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आगे भी अभियान जारी रखने की बात कही। विशेष अभियान के दौरान फारबिसगंज एसडीएम अभय कुमार तिवारी के अलावे एसडीपीओ राजकिशोर प्रसाद, ईएसआई मो.वारिस, अजीत कुमार, थानाध्यक्ष मनोज कुमार, पुलिस बल के जवान एवं ऑनवे की टीम मौजूद थे।

जनता दरबार में 96 मामलों की सुनवाई, डीएम ने शिकायतों के त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

अररिया। समाहरणालय परिसर स्थित सभागार में डीएम विनोद दूहन के जनता दरबार में 96 फरियादियों की फरियाद पर सुनवाई की गई। जनता दरबार में प्राप्त सभी आवेदनों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक मामले का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

विश्व जनसंख्या नियंत्रण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

अररिया। फारबिसगंज के प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला मधुरा में विश्व जनसंख्या नियंत्रण दिवस मनाई गई।जनसंख्या नियंत्रण को लेकर स्कूली बच्चों ने रैली निकाली और मानव श्रृंखला का निर्माण कर जनसंख्या नियंत्रण का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्रधानाध्यापक कुमार राजीव रंजन ने कहा कि हम लोग सभी जानते हैं की जनसंख्या की दृष्टि से भारत का विश्व में दूसरा स्थान लगातार बढ़ती हुई जनसंख्या हम भारतीयों के लिए चिंता का विषय है। जनसंख्या बढ़ रही है तो आवश्यकताएं भी बढ़ रही है,उन्हें पूरा करने के लिए अधिक से अधिक प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हो रहा है। कृषि योग्य भूमि लगातार कम हो रही है।प्रदूषण दिन व दिन बढ़ती जा रही है।ग्लोबल वार्मिंग के कारण पिघल रहे ग्लेशियर से समुद्र का जलस्तर खतरनाक स्थिति में पहुंच जाने की आशंका है। विश्व के अनेक विचारक वैज्ञानिकों का यह मानना है कि भविष्य में अगला विश्व युद्ध संभवतः पानी को लेकर होगा। क्योंकि लगातार पानी की मात्रा कम हो रही है। इस अवसर पर युवा शिक्षक रंजीत कुमार मंडल,प्रधान शिक्षक मिथिलेश कुमार सिंह,संजीत कुमार निगम के नेतृत्व में बच्चों ने प्रभात फेरी निकाल कर लोगों को जागरूक करते हुए गगनभेदी नारे लगाए।

वित्तीय गड़बड़ी को लेकर साहेबगंज थाना ने की फारबिसगंज ईओ के आवास और कार्यालय में छापेमारी

अररिया। मुजफ्फरपुर के साहेबगंज नगर परिषद के तत्कालीन कार्यपालक पदाधिकारी एवं फारबिसगंज के वर्तमान पदाधिकारी रंधीर लाल की गिरफ्तारी के लिए साहेबगंज थाना की पुलिस ने उनके आवास सहित फारबिसगंज नगर परिषद कार्यालय में छापेमारी की। छापेमारी में साहेबगंज थाना पुलिस के साथ फारबिसगंज थाना की पुलिस भी साथ रही। लेकिन गिरफ्तारी के भय से पहले ही कार्यपालक पदाधिकारी रंधीर लाल फरार हो गए। साहेबगंज थाना के सब इंस्पेक्टर कुणाल कुमार और पुलिस टीम ने फारबिसगंज थाना पुलिस के साथ दोनों स्थानों पर छापेमारी की। फारबिसगंज थाना से एसआई अमित राज,उपेन्द्र शर्मा,आशुतोष मिश्रा,संदीप कुमार के साथ पुलिस बल थे।कार्यपालक पदाधिकारी पर साहेबगंज नगर परिषद में ईओ के पद पर रहते हुए पदस्थापन अवधि में नियम के विरुद्ध सामग्रियों के क्रय करने,विभागीय निर्देशों का उल्लंघन करने और वित्तीय अनियमितता का आरोप है।नगर विकास एवं आवास विभाग के पत्रांक 1225 दिनांक 21.04.2026 के आधार पर साहेबगंज थाना में कांड संख्या 344/2026 दिनांक 28.04.2026 बीएनएस की धारा 316(5),318(4) के तहत मामला दर्ज है।

मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ पांच बदमाश गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के शाहकुंड थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियार निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की है। यहां एक मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। संयुक्त छापेमारी में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि मौके से अवैध हथियार, अर्द्ध-निर्मित हथियारों के पार्ट्स और हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई आधुनिक उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शाहकुंड थाना क्षेत्र के हरनाथ गांव निवासी मोहम्मद शौकत हुसैन के बेटे मोहम्मद रिजवान अपने घर में अवैध मिनी गन फैक्ट्री संचालित कर रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद बंगाल एसटीएफ के इनपुट, बिहार एसटीएफ, जिला आसूचना इकाई (डीआईयू) और शाहकुंड थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने थानाध्यक्ष पवन कुमार के नेतृत्व में छापेमारी की।

मुंगेर के कासिमबाजार के रहने वाले बदमाश अरेस्ट: कार्रवाई के दौरान मौके से मुंगेर के कासिमबाजार के रहने वाले मोहम्मद कासिम, मोहम्मद समीम और शाहकुंड के रहने मोहम्मद मिराज और जब्बार मंसूरी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने एक नाली बंदूक, आठ मोबाइल फोन, दो ड्रिल मशीन, एक छेनी, हथौड़ी, आठ बर्मा ड्रिल, सात अर्द्ध-निर्मित हथियारों की लोहे की बॉडी, लेथ मशीन, मिलिंग मशीन, रेती, सरसी समेत हथियार निर्माण में प्रयुक्त कई उपकरण बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पूछताछ के दौरान कुछ अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

बड़ी मात्रा में हथियार बनाने के उपकरण जब्त: शनिवार को सिटी एसपी अतुलेश झा ने प्रेस वार्ता में बताया कि SSP के निर्देश पर जिले में अवैध हथियार, शराब और मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत शाहकुंड में संचालित अवैध मिनी गन फैक्ट्री का सफल खुलासा किया गया। बंगाल एसटीएफ के इनपुट और बिहार एसटीएफ, डीआईयू और शाहकुंड थाना पुलिस के समन्वित प्रयास से यह कार्रवाई संभव हो सकी। सिटी एसपी ने बताया कि छापेमारी के दौरान पांच आरोपितों की गिरफ्तारी हुई है और बड़ी मात्रा में हथियार बनाने के उपकरण और अर्द्ध-निर्मित हथियार बरामद किए गए हैं।

सूखे तालाब से आ रही अजीबोगरीब आवाज

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

बांका। बांका के रजौन थाना क्षेत्र की सिंहनान पंचायत स्थित लौआचक गांव में एक सूखे तालाब से शनिवार को धरती के अंदर से अजीबोगरीब तेज आवाज सुनाई दी। यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है।शनिवार की संध्या जिला से टीम ने आकर जांच की।

हवाई जहाज के इंजन जैसी आवाज: आवाज की जानकारी फैलते ही आसपास के गांवों से सैकड़ों लोग मौके पर पहुंच गए।कई लोगों ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया,जो तेजी से वायरल हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार,यह आवाज रुक-रुक कर आती है और बिल्कुल हवाई जहाज के इंजन जैसी लगती है।मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि ऐसा महसूस होता है मानो जमीन के नीचे कोई भारी मशीन या विमान चल रहा हो। जिस तालाब से यह आवाज आ रही है,वह पूरी तरह सूखा हुआ है और ज्यादा गहरा भी नहीं है।इस अनोखी घटना को लेकर क्षेत्र में विभिन्न तरह की चर्चाएं हो रही हैं।कुछ लोग इसे आस्था से जोड़कर देख रहे हैं,जबकि अन्य इसके पीछे प्राकृतिक कारणों की संभावना जता रहे हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि ऐसी आवाजें भूकंपीय हलचल,भूमिगत जल या गैस के दबाव,भूमि धंसने अथवा चट्टानों के खिसकने जैसी प्राकृतिक प्रक्रियाओं के कारण भी आ सकती हैं। इस रहस्यमयी आवाज के कारण ग्रामीण डरे हुए हैं। हालांकि,अब तक किसी भी कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।घटना की सूचना जदयू प्रखंड अध्यक्ष अंजनी चौधरी ने जिला प्रशासन को दी।

संग्रहालय में इतिहास की धरोहर

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में आधुनिकता की दौड़ में जहां पारंपरिक मिट्टी के बर्तनों और घरेलू उपयोग की वस्तुओं का चलन लगातार कम होता जा रहा है, वहीं, भागलपुर संग्रहालय आज भी इतिहास की इन अनमोल धरोहरों को सहेजकर नई पीढ़ी को अतीत से जोड़ने का काम कर रहा है। संग्रहालय में चालकोलिथिक काल से लेकर पाल काल तक की दुर्लभ टेराकोटा (पकी हुई मिट्टी) की वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं, जो उस समय की जीवनशैली, संस्कृति और शिल्पकला की कहानी बयां करती हैं। संग्रहालय में सुल्तानगंज, चंपानगर, ग्वारीडीह समेत जिले के विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त मिट्टी की मूर्तियां, बर्तन और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं सुरक्षित रखी गई हैं। इन ऐतिहासिक सामग्रियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी और पर्यटक पहुंच रहे हैं। संग्रहालय में प्रदर्शित प्रत्येक वस्तु अपने समय की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक परिस्थितियों का परिचय देती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन धरोहरों के संरक्षण से न केवल इतिहास सुरक्षित रहता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों को समझने का भी अवसर मिलता है। आज जब धातु, प्लास्टिक और अन्य आधुनिक संसाधनों ने मिट्टी के बर्तनों की जगह ले ली है, तब संग्रहालय में संरक्षित ये टेराकोटा वस्तुएं लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। जिला कला एवं सांख्यिकी पदाधिकारी अंकित रंजन ने बताया कि प्राचीन काल में दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली लगभग सभी वस्तुएं मिट्टी से बनाई जाती थीं। पूजा-पाठ, त्योहार, विवाह समारोह और सामूहिक भोज जैसे अवसरों पर मिट्टी के बर्तन बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किए जाते थे।

इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं संग्रह: आज भी गर्मियों में घड़े का उपयोग किया जाता है, जो इस परंपरा की निरंतरता का उदाहरण है। उन्होंने बताया कि पकाकर तैयार की गई मिट्टी की वस्तुओं को टेराकोटा कहा जाता है। भागलपुर संग्रहालय में चालकोलिथिक काल से लेकर पाल काल तक की टेराकोटा सामग्रियां प्रदर्शित हैं, जो सुल्तानगंज, चंपानगर, ग्वारीडीह सहित विभिन्न क्षेत्रों से मिली हुई हैं।

झाड़ियों में मिली युवक की सिर कटी लाश

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय में आज एक युवक की सिर कटी लाश बरामद की गई है। घटना मुफस्सिल थाना में सिहमा तीन मुहानी से खातोपुर जाने वाले रिंग बांध के किनारे पसपुरा और कैथमा गांव के बीच के किनारे की है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। युवक के धड़ पर कीड़े लगे हुए थे, करीब 500 मीटर तक दुर्गंध आ रही थी। लाश की स्थिति देखकर आशंका जताई जा रही है कि करीब एक सप्ताह पहले युवक की गला काटकर हत्या करने के बाद धड़ को जंगल में फेंक दिया गया है। सूचना मिलते ही पहुंची मुफस्सिल थाना की पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। आसपास के थानों में किसी युवक के मिसिंग रिपोर्ट को खंगाल जा रहा है। लेकिन अभी तक कोई ट्रेस नहीं मिला है।

दुर्गंध से ही लाश के झाड़ियों में होने की मिली जानकारी: बताया जा रहा है कि आज जब बारिश खत्म होने के बाद कुछ युवक बांध पर घूम रहे थे। तभी किनारे से तेज दुर्गंध आई नजदीक जाकर देखा तो एक युवक की लाश पड़ी हुई थी। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई तो पुलिस मौके पर पहुंची। झाड़ी में जाकर देखा गया तो युवक की सर कटी लाश पड़ी थी। सूचना मिलते ही सदर-वन डीएसपी आनंद कुमार पांडेय मौके पर पहुंचे और FSL की टीम ने आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। इसके बाद लाश को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। वहीं, आसपास के थानों को भी घटना की सूचना दिया गया है, जिससे कि मृतक की पहचान हो सके।

सदर वन डीएसपी बोले- लाश बुरी तरह सड़ चुकी है: सदर-वन डीएसपी आनंद कुमार पांडेय ने बताया कि जंगल में फेंका युवक का शव मिला है। बॉडी डिकम्पोज हो गया है। देखकर लगता है कि कहीं अन्य जगह पर हत्या करके यहां फेंका गया है। एफएसएल टीम को बुलाया गया है। एफएसएल जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

कल एक्साइज सब-इंस्पेक्टर एग्जाम, 8 केंद्रों पर होगी परीक्षा, 9:30 बजे रिपोर्टिंग

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

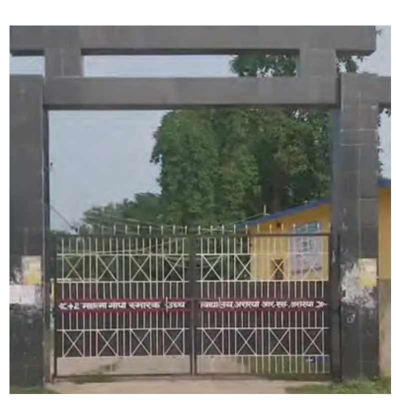

अररिया। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग पटना द्वारा मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग में उत्पाद अवर निरीक्षक पद पर नियुक्ति के लिए लिखित प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारियां अररिया जिला प्रशासन ने पूरी कर ली हैं। यह परीक्षा 12 जुलाई, रविवार को जिले के आठ परीक्षा केंद्रों पर एक पाली में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित होगी। अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय सुबह 9:30 बजे निर्धारित किया गया है। परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले तक ही केंद्र में प्रवेश की अनुमति मिलेगी। निर्धारित समय के बाद किसी भी परिस्थिति में किसी अभ्यर्थी को परीक्षा कक्ष में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश: परीक्षा के सफल, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन के लिए सभी केंद्राधीक्षकों, प्रेक्षक-सह-स्टैटिक मजिस्ट्रेट, समन्वय प्रेक्षक-सह-जोनल मजिस्ट्रेट, उड़नदस्ता दल, अनुमंडल पदाधिकारी, पुलिस अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को आयोग के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा समाप्त होने तक किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। यदि किसी अभ्यर्थी को परीक्षा के दौरान शौचालय जाना पड़े, तो आने-जाने के दौरान उसकी अनिवार्य तलाशी ली जाएगी। हालांकि, परीक्षा के अंतिम 30 मिनट में किसी भी अभ्यर्थी को शौचालय जाने की अनुमति नहीं होगी।

प्रत्येक अभ्यर्थी की गहन भौतिक जांच (फ्रिस्किंग) की जाएगी: सुरक्षा व्यवस्था के तहत परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले प्रत्येक अभ्यर्थी की गहन भौतिक जांच (फ्रिस्किंग) की जाएगी। महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला पुलिसकर्मी की मौजूदगी में होगी, जबकि पुरुष अभ्यर्थियों की जांच पुलिस बल द्वारा की जाएगी। प्रशासन ने अभ्यर्थियों को निर्देश दिया है कि वे परीक्षा केंद्र पर मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ डिवाइस, स्मार्ट वॉच, ईयरफोन, किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, लिखित सामग्री या अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं लेकर न आएं। ऐसे सामान मिलने पर आयोग के नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों से समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने, प्रवेश पत्र एवं आवश्यक पहचान पत्र साथ रखने तथा आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हो सके।

'हेल्थ इंश्योरेंस' का झांसा देकर ठगी की कोशिश

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

बेगूसराय। देश में डिजिटल ट्रांजेक्शन की रफ्तार जितनी तेजी से बढ़ी है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराधियों का नेटवर्क भी फैला है। हर दिन ठगी के ऐसे नए और अजीबो-गरीब तरीके सामने आ रहे हैं जिसे सुनकर आम आदमी तो क्या, अच्छे-खासे पढ़े-लिखे लोग भी झांसें में आ जाए। ताजा मामला बेगूसराय जिले से सामने आया है। जहां शातिर फ्रॉड ने एक युवक की कमाई पर हाथ साफ करने की पूरी बिसात बिछा दी थी। हालांकि, सूझबूझ के कारण ठगों के मंसूबे धरे के धरे रह गए। एक बड़ी डिजिटल डकैती होने से बच गई। साइबर ठगों ने इस बार ठगी के लिए डिजिटल पेमेंट ऐप्स 'गूगल पे-फोन पे' के सबसे खतरनाक हथियार यानी 'पेमेंट रिक्वेस्ट' फीचर का इस्तेमाल किया था। पीड़ित को जाल में फंसाने के लिए 'हेल्थ इंश्योरेंस' के पैसों का ऐसा ताना-बाना बुना गया कि कोई भी आसानी से झांसे में आ जाए।

कैसे शुरू हुआ ठगी का हाईटेक खेल: शैलेंद्र कुमार सिंह के मोबाइल पर अचानक एक के बाद एक कई डिजिटल वॉलेट और मैसेजिंग ऐप्स के जरिए पैसे डेबिट होने के रिक्वेस्ट आने लगे। शैलेंद्र अभी कुछ समझ पाते, तभी उनके मोबाइल पर अज्ञात नंबर 8538979611 से फोन आया। फोन करने वाले शख्स की आवाज बेहद पेशेवर और आश्वस्त करने वाली थी। उसने खुद को बैंक का अधिकारी बताते हुए बेहद मीठी आवाज में कहा कि आपके खाते में हेल्थ इंश्योरेंस के पैसे ट्रांसफर किए जा रहे हैं। साइबर ठग ने फोन पर कहा कि शैलेंद्र जी आपका जो स्टेट बैंक का खाता है ना, उसमें इंश्योरेंस का बैलेंस भेजा जा रहा है। आपके 'फोन पे' पर एक नोटिफिकेशन गया है, उसे तुरंत खोलिए। फोन लाइन पर रहते हुए जब शैलेंद्र कुमार सिंह ने अपना PhonePe ऐप खोला, तो वह हैरान रह गए।

Pay Now को बताया पैसे आने का जरिया: शैलेंद्र ने मैसेज बॉक्स में देखा कि 10 हजार और पांच हजार क्रेडिट के SMS अलावा फोन-पे पर Google Asia Pacific Pte Ltd के नाम से 15000 का एक पेमेंट रिक्वेस्ट फ्लैश हो रहा था। स्क्रीन पर साफ-साफ Pay Now (अभी भुगतान करें) और Decline' (अस्वीकार करें) का विकल्प दिख रहा था। डिजिटल पेमेंट के नियमों के मुताबिक Pay Now का सीधा मतलब था कि बटन दबाते ही और UPI पिन डालते ही शैलेंद्र के खाते से 15 हजार कटकर ठग के पास चले जाते। जब शैलेंद्र ने इस पर तुरंत सवाल उठाते हुए कहा कि भाई इसमें तो 'पे नाउ' यानी पैसे भेजने का ऑप्शन आ रहा है, तो मेरे पास पैसे कैसे आएंगे। इस पर शातिर ठग ने पलक झपकते ही नया झूठ गढ़ दिया। उसने कहा कि यह पैसा फिलहाल आपके डिजिटल वॉलेट के होल्ड सेक्शन में है। जैसे ही आप पे बटन दबाएंगे, यह पैसा सीधे आपके एसबीआई खाते में क्रेडिट (जमा) हो जाएगा। ठग ने यह भी दावा किया कि यह उनके पुराने खुले हुए खाते के एवज में कंपनी की तरफ से मिला बोनस हेल्थ इंश्योरेंस का पैसा है।

शैलेंद्र ने दिखाई दिलेरी और ठग के उड़े होश: शैलेंद्र कुमार सिंह कोई नौसिखिए यूजर नहीं थे। कुछ ही समय पहले उनके पास TVS Credit Services Limited के नाम से भी 5000 का ऐसा ही एक संदिग्ध और फर्जी रिक्वेस्ट आया था, जिसे उन्होंने नजरअंदाज कर दिया था। दोनों घटनाओं को जोड़ते ही शैलेंद्र को पूरा माजरा समझ आ गया कि यह कोई इंश्योरेंस का पैसा नहीं, बल्कि उनके बैंक खाते को पूरी तरह साफ करने की सोची-समझी साजिश है। जैसे ही शैलेंद्र को यकीन हुआ कि सामने वाला फ्रॉड है, उन्होंने बिना वक्त गंवाए ठग की क्लास लगा दी। फोन पर ही कड़े लहजे में कहा कि तुम लोग को और कोई काम-वाम नहीं मिलता है क्या हो।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के बाइपास थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। पहले पेट्रोल पंप से डीजल, फिर खेत से सिंचाई मोटर की चोरी के बाद अब चोरों ने एक बाइक पर हाथ साफ कर दिया है। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमेर में कैद हो गई है। लगातार हो रही वारदातों से क्षेत्र के लोगों में दहशत और पुलिस व्यवस्था को लेकर नाराजगी बढ़ने लगी है। बेलदौर निवासी कर्मवीर कुमार ने बाइपास थाने में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। पीड़ित ने बताया कि कुछ दिनों से अपने रिश्तेदार शेखर कुमार के यहां रह रहा हूं। शुक्रवार रात को अपनी बाइक शेखर टी स्टॉल के बाहर खड़ी की थी। देर रात जब बाहर निकला तो गाड़ी गायब थी। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद पास लगे सीसीटीवी को खंगाला। जिसमें दो लोग बाइक ले जाते दिखे।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस: वहीं, इस संबंध में थानाध्यक्ष चनवीर कुमार ने बताया कि पीड़ित के आवेदन के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अज्ञात चोरों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं: ता दें, बाइपास थाना क्षेत्र में हाल के दिनों में चोरी की कई घटनाएं सामने आ चुकी है। 28 जून की देर रात बैजानी गांव में किसान राजेश कुमार सिंह के खेत से लगभग 250 फीट पाइप को क्षतिग्रस्त कर सिंचाई मोटर चोरी कर ली गई थी।

डैम में मुंगेर के दो युवक लापता

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

बांका। बांका जिले के बेलहर थाना क्षेत्र स्थित बदुआ डैम में शनिवार दोपहर स्नान के दौरान मुंगेर जिले के दो युवक लापता हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से उनकी तलाश शुरू कर दी गई। समाचार लिखे जाने तक दोनों का कोई सुराग नहीं मिल पाया था।पूरा बदुआ डैम बेलहर थाना क्षेत्र में पड़ता है। जानकारी के अनुसार, मुंगेर जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के बढोनियां गांव निवासी पांच दोस्त दो बाइक से बदुआ डैम में स्नान करने आए थे। इनमें कौशल प्रसाद सिंह के 20 वर्षीय पुत्र अभिनव कुमार सिंह और जयमंगल कुमार सिंह के 20 वर्षीय पुत्र गौरव सिंह शामिल थे। इनके साथ लख्खी सिंह, मुकेश सिंह और आरव कुमार भी थे।

देखते ही देखते डूबकर लापता हो गए: प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्नान के दौरान अभिनव और गौरव अचानक गहरे पानी में चले गए और देखते ही देखते डूबकर लापता हो गए। साथ आए दोस्तों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। इसके बाद युवकों ने शोर मचाया, जिस पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर बेलहर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की सहायता से डैम में दोनों युवकों की खोजबीन जारी है, लेकिन शनिवार शाम तक कोई सफलता नहीं मिली। घटना की जानकारी मिलते ही लापता युवकों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए।

संक्षिप्त समाचार

बाउंड्री तोड़ने पर एफआईआर के लिए आवेदन

आरा| शहर के कनकपुरी मोहल्ला निवासी रामकुमार सिंह ने आरा मुफस्सिल थाना में 17 नामजद व्यक्तियों और अज्ञात के विरुद्ध एफआईआर करने के लिए आवेदन दिया है। आवेदन में रामकुमार सिंह ने कहा है कि उनके दिव्यांग पुत्र राजेश कुमार के नाम से मौजा हबीब अलीपुर, सिंगही मोहल्ला में जमीन है। वहां बाउंड्री भी कराया गया है। लेकिन नामजद आरोपियों ने बाउंड्री को तोड़ दिया है। श्री रामकुमार सिंह ने इस संदर्भ में आरा अनुमंडल के एसडीएम को भी आवेदन देकर सूचित किया है कि न्यायालय के आदेश का उल्लंघन कर बाउंड्री तोड़ दिया गया है। इस संदर्भ में कार्रवाई किया जाए।

प्रखंड के पड़रिया व सहंगी में क़िश्तवार सर्वे को लेकर ग्राम सभा हुई आयोजित

गड़हनी। बिहार विशेष भूमि सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त अभियान के तहत गड़हनी प्रखंड के पड़रिया एवं सहंगी गांव में क़िश्तवार सर्वे कार्य को लेकर ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा में ग्रामीणों, रैयतों तथा जनप्रतिनिधियों को भूमि सर्वेक्षण की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई तथा सर्वे कार्य को सफल बनाने के लिए सभी से सहयोग करने की अपील की गई। ग्राम सभा में उपस्थित अमीन नंदन कुमार एवं कानूनगो ज्योति कुमारी ने रैयतों को संबोधित करते हुए कहा कि भूमि सर्वे के दौरान प्रत्येक किसान अपने खेत का सही पोजिशन, वास्तविक दखल एवं सीमा की स्पष्ट जानकारी सर्वे कर्मियों को दें। उन्होंने कहा कि सही जानकारी उपलब्ध कराने से सर्वे कार्य पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न होगा तथा भविष्य में भूमि संबंधी विवादों की संभावना भी कम होगी।उन्होंने बताया कि सर्वे का उद्देश्य प्रत्येक रैयत की भूमि का सही अभिलेखी-करण करना है।

सभी किसान सर्वे के दौरान उपस्थित रह कर करे सर्वे कर्मियों का सहयोग - कानूनगोः सभी किसान सर्वे के दौरान अपने खेत पर उपस्थित रहें और सर्वे कर्मियों का सहयोग करें। यदि किसी प्रकार की जानकारी या समस्या हो तो तत्काल संबंधित सर्वे कर्मियों से संपर्क करें। रैयत अपने पूर्वज के अनुसार बंटवारा कर वर्तमान दखलकार का नाम दर्ज करावें। वहीं बताया गया कि क़िश्तवार प्रकरण के बाद रैयतों के दस्तावेज/लगान की जांच करने के बाद ही याददाश्त दर्ज की जायेगी। ग्राम सभा में मौजूद जनप्रतिनिधियों से भी विशेष अनुरोध किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र के किसानों को सर्वे की जानकारी दें तथा यह सुनिश्चित करें कि कोई भी रैयत भूमि सर्वेक्षण से वंचित न रह जाए। जनप्रतिनिधियों से कहा गया कि वे किसानों को निर्धारित तिथि पर खेत में उपस्थित रहने के लिए प्रेरित करें और सर्वे दल को हर संभव सहयोग प्रदान करें। अधिकारियों ने कहा कि भूमि सर्वेक्षण राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिससे भूमि अभिलेखों को अद्यतन किया जा रहा है। ऐसे में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी और सहयोग से ही यह कार्य समयबद्ध एवं सफलतापूर्वक पूरा किया जा सकेगा।

7.5 सीजीपीए की अनिवार्यता खत्म करने की मांग, वीसी को सौंपा ज्ञापन

आरा। नई शिक्षा नीति (एनईपी -2020) के तहत लागू चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में 7.5 सीजीपीए की अनिवार्यता समाप्त करने तथा पीएचडी उपाधि पर पूर्व की तरह 30 एपीआई स्कोर को पुनः बहाल करने की मांग तेज हो गई है। इन मांगों को लेकर छात्र संगठन आइसा (आइसा) के जिला सचिव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू) के कुलपति डॉ शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी से मुलाकात की। राज्यपाल के नाम संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। कुलपति को सौंपे गए ज्ञापन में आइसा ने साफ कहा कि चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम कर रहे विद्यार्थियों के लिए आगे रिसर्च डिग्री (शोध) में जाने हेतु 7.5 सीजीपीए की अनिवार्यता पूरी तरह से छात्र विरोधी है। इस कठिन शर्त के कारण बड़ी संख्या में साधारण और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र उच्च शिक्षा के अवसरों से वंचित हो जाएंगे। संगठन ने मांग की है कि इस अनिवार्यता को तत्काल खत्म किया जाए और चार वर्षीय स्नातक पूरा करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को समान रूप से ऑनर्स व रिसर्च की उपाधि दी जाए।

एपीआई स्कोर 30 से घटाकर 11 करने पर जताई कड़ी आपत्तिः प्रतिनिधिमंडल ने बिहार में पीएचडी धारकों के लिए लागू की गई नई नियमावली पर भी तीखा विरोध दर्ज कराया। आइसा नेताओं ने कहा कि पहले पीएचडी की डिग्री पर 30 एपीआई (एकेडमिक परफॉर्मेंस इंडिकेटर) स्कोर मिलता था, जिसे अब नए नियम के तहत घटाकर महज 11 एपीआई कर दिया गया है। इस फैसले से पीएचडी धारकों के रोजगार, सहायक प्राध्यापक (असिस्टेंट प्रोफेसर) की नियुक्ति और भविष्य के शैक्षणिक अवसरों पर बेहद बुरा असर पड़ेगा। युवाओं के भविष्य को देखते हुए पूर्व की भांति 30 एपीआई स्कोर को तुरंत बहाल किया जाना चाहिए।

सत्यापन में फंसा वेतन, 281 कृषि कर्मियों को जून की सैलरी नहीं

आरा। भोजपुर जिले में कार्यरत 83 कृषि समन्वयकों और 198 किसान सलाहकारों का जून 2026 का वेतन फिलहाल लंबित है। कृषि समन्वयकों के वेतन भुगतान में बायोमेट्रिक उपस्थिति से संबंधित नई व्यवस्था और जून माह की उपस्थिति विवरणी के सत्यापन की प्रक्रिया बाधा बनी हुई है, जबकि 198 किसान सलाहकारों का भुगतान आवंटन उपलब्ध नहीं होने के कारण नहीं हो सका है। इधर, कोषागार पदाधिकारी ने एक बार फिर वेतन विपत्र पर रोक लगाते हुए उसे वापस कर दिया है, जिससे कर्मियों की परेशानी बढ़ गई है।

बायोमेट्रिक व्यवस्था लागू, लेकिन पंचायतों में नहीं थी पूरी सुविधाः जिला प्रशासन ने 10 जून 2026 को जारी आदेश में सभी विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों के लिए बीबीएस के माध्यम से बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य कर दी थी। आदेश के अनुसार पंचायत स्तर के कर्मियों को पंचायत सरकार भवन तथा प्रखंड, अनुमंडल और जिला स्तर के कर्मियों को अपने-अपने कार्यालयों में बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करानी है। साथ ही स्पष्ट किया गया कि बायोमेट्रिक उपस्थिति के आधार पर ही वेतन भुगतान होगा।

अक्टूबर 2025 से जून 2026 तक पुरानी व्यवस्था से बनती रही उपस्थितिः कर्मियों का कहना है कि अक्टूबर 2025 से जून 2026 तक अधिकांश पंचायतों में कृषि समन्वयकों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था प्रभावी नहीं थी। तकनीकी कर्म से विकास ऐप भी बाधित था। ऐसे में उनकी उपस्थिति संबंधित प्रखंड कृषि पदाधिकारियों द्वारा भेजी गई उपस्थिति एवं अनुपस्थिति विवरणी के आधार पर दर्ज की जाती रही। इसी वजह से वेतन रोकने को लेकर कर्मियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। जिला कृषि पदाधिकारी नीरज कुमार ने बताया कि जून माह की उपस्थिति का प्रतिवेदन जिला प्रशासन के निर्देशानुसार भेज दिया गया है। सत्यापन एवं विभागीय प्रक्रिया पूरी होते ही 83 कृषि समन्वयकों के साथ 198 किसान सलाहकारों के जून माह के वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा। वहीं किसान सलाहकारों के मामले में आवंटन प्राप्त होते ही भुगतान की कार्रवाई की जाएगी। जिला कृषि पदाधिकारी ने भेजा प्रतिवेदन जिला कृषि पदाधिकारी ने 6 जुलाई 2026 को वरीय उप समाहर्ता-सह-नोडल पदाधिकारी को भेजे पत्र में बताया कि जून माह की उपस्थिति विभिन्न प्रखंडों से प्राप्त उपस्थिति एवं अनुपस्थिति विवरणी के आधार पर तैयार की गई है। आवश्यक प्रतिवेदन जिला प्रशासन को उपलब्ध करा दिया गया है, जिसके बाद सत्यापन की प्रक्रिया जारी है।

बकरी वितरण योजना के तहत 50 लाभुकों को मिली बकरियां

आरा। भोजपुर जिले में पशुपालन को बढ़ावा देने और ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित बकरी वितरण योजना के तहत शुक्रवार को 50 चयनित लाभुकों के बीच बकरियों का वितरण किया गया। योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में चयनित लाभुकों को निर्धारित मानकों के अनुसार बकरियां उपलब्ध कराई गईं। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देना, पशुपालन को प्रोत्साहित करना तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की आय में वृद्धि करना है। जिला कुक्कुट पदाधिकारी डॉ. रवि ने कहा कि बकरी पालन कम लागत में अधिक लाभ देने वाला व्यवसाय है।

भरत एनकाउंटर- न्यायिक आयोग के सामने मां-पिता का बयान दर्ज

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर के बिलौटी गांव में 17 जून को हुए भरत भूषण तिवारी के एनकाउंटर मामले की न्यायिक जांच तेज हो गई है। न्यायिक आयोग के अध्यक्ष ने शनिवार को भरत तिवारी की मां आशा देवी, पिता काशीनाथ तिवारी के अलावा दोनों भाई और भाभी को बयान दर्ज करवाने के लिए बुलाया था। लेकिन बयान दर्ज करवाने मां-पिता ही पहुंचे। भरत तिवारी के दोनों भाई और भाभी नहीं पहुंचे। भरत तिवारी के वकील विष्णुधर पांडेय ने बताया कि आयोग के समक्ष माता-पिता का बयान दर्ज हो गया है। आयोग के सामने भरत तिवारी की मां ने एनकाउंटर की आंखों देखी बात बताई है। वकील के अनुसार, भरत तिवारी के पिता ने आयोग के सामने कहा कि घटना वाले दिन पुलिस मुझे थाना ले गई और पूरी रात वहीं रखा गया।

गवाहों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरूः वकील विष्णुधर पांडेय ने कहा कि फिलहाल न्यायिक जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। अभी सिर्फ माता-पिता का बयान दर्ज किया गया है। कई अन्य गवाहों की गवाही बाकी है। इनमें भरत तिवारी के दोनों भाई और भाभी के अलावा प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जाएंगे। पहले गवाही की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई स्पष्ट होगी। बता दें कि आयोग के अध्यक्ष हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा की मौजूदगी में गवाही की प्रक्रिया पूरी की गई। बताया जा रहा है कि भरत तिवारी की भाभी सुमन देवी और भाई चंदन तिवारी ने आयोग से अलग डेट पर बयान दर्ज कराने की मांग की है।

आयोग कार्यालय में सुरक्षा के कड़े इंतजामः आयोग ऑफिस में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इंस्पेक्टर संतोष कुमार के नेतृत्व में दो दरोगा, एक सेक्शन राइफल पार्टी के जवान और चार लाठीधारी पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। आयोग परिसर में आने-जाने वालों की निगरानी भी की जा रही थी। भरत तिवारी की मां और पिता आयोग कार्यालय पहुंचे तो उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुनवाई कक्ष में प्रवेश कराया गया, जहां आयोग ने उनके बयान दर्ज किए।

'थाने में सुबह से शाम तक क्यों कैद किया गया'ः भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी ने कहा कि थाने में मुझे सुबह से लेकर शाम तक कैद रखा गया। उधर, मेरे बेटे के साथ गलत किया गया। पता नहीं कब तक हमें न्याय मिलेगा। भरत की आशा देवी ने कहा कि मेरी गवाही हुई है। आयोग के सामने एसडीएम, डीएसपी, इंस्पेक्टर, एसटीएफ के अक्षय कुमार के नाम लिए है। एक घंटे तक जज से मेरी बात हुई है। देखिए कब तक आरोपियों की गिरफ्तारी होती है। भरत के मोबाइल के बारे में भी अपनी बात रखी है।

2 गवाहों को 13 जुलाई को बुलायाः वहीं, जवइनिया गांव के दो गवाहों को 13 जुलाई को बुलाया गया है। ये दोनों वर्तमान में पुनर्वास टाउनशिप में रह रहे हैं। आयोग ने सभी गवाहों से मामले से संबंधित तथ्य, घटनाक्रम और अपने-अपने पक्ष को विस्तार से रखने को कहा है, ताकि जांच निष्पक्ष और तथ्यों के आधार पर आगे बढ़ सके।

स्कॉर्पियो से 4 लाख की विदेशी शराब बरामद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले में अवैध शराब के खिलाफ मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग का अभियान लगातार जारी है। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के शिवपुर मोड़ के समीप मोहनियां-आरा हाईवे पर वाहन जांच के दौरान स्कॉर्पियो से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की गई। मौके से 2 तस्करों की गिरफ्तारी हुई है। जब्त शराब की अनुमानित बाजार कीमत करीब चार लाख रुपए बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि खेप उत्तर प्रदेश से भोजपुर लाई जा रही थी। पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई है।

इनपुट के आधार पर विशेष टीम का गठनः जानकारी के अनुसार, जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के खिलाफ लगातार छापेमारी और वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान सहायक आयुक्त मद्यनिषेध रजनीश को गुप्त सूचना मिली कि उत्तर प्रदेश की ओर से एक स्कॉर्पियो में भारी मात्रा में विदेशी शराब लेकर तस्कर भोजपुर की ओर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही निरीक्षक अनिल कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

वाहन चेकिंग अभियान के दौरान मिली सफलताः शुक्रवार को मोहनियां-आरा हाईवे स्थित शिवपुर मोड़ के पास वाहन जांच के दौरान संदिग्ध महिंद्रा स्कॉर्पियो (पंजीकरण संख्या WB20H-39742) को रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन से 8 PM स्पेशल ब्लेंडेड स्कॉच व्हिस्की की 180 एमएल क्षमता वाली कुल 1,728 बोतलें, यानी 311.040 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद हुई।

भाजपा पंचायत अध्यक्ष हत्याकांड में एक आरोपी अरेस्ट

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर पुलिस ने भाजपा पंचायत अध्यक्ष सह गल्ला व्यवसायी विक्रांत कुमार सिंह की हत्या मामले में जांच तेज कर दी है। वारदात के दूसरे दिन आरा से पहुंची फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए। एफएसएल विशेषज्ञों ने कई घंटे तक मौके पर रहकर रक्त के नमूने, फिंगरप्रिंट समेत अन्य भौतिक साक्ष्य एकत्र किए और घटनास्थल की तकनीकी जांच के साथ फोटोग्राफी भी की। पुलिस का मानना है कि वैज्ञानिक जांच से हत्या की पूरी कड़ी जोड़ने और फरार आरोपितों तक पहुंचने में अहम मदद मिलेगी।

वीडियो वायरल करने और पुराना जमीन विवाद में हत्याः सहार थाना क्षेत्र के बड़की खड़ाव गांव निवासी विक्रांत कुमार सिंह(34) की बुधवार को चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राज के निर्देश पर एफएसएल टीम को जांच के लिए बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से मिले हर संभावित साक्ष्य को सुरक्षित कर जांच के लिए अपने साथ ले गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वैज्ञानिक रिपोर्ट आने के बाद कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की संभावना है। पुलिस सूत्रों के अनुसार प्रारंभिक जांच में वीडियो बनाकर वायरल करने और पुराना जमीन विवाद हत्या की संभावित वजह के रूप में सामने आया है।

स्नेक बाइट से 10 वर्षीय बच्ची की मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

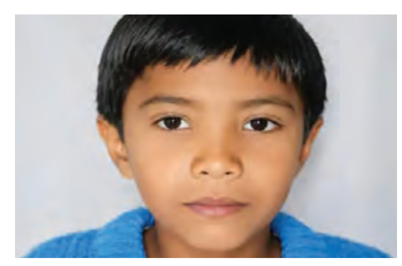

बक्सर। बक्सर के बंझूडेरा गांव में सर्पदंश से 10 वर्षीय सोनाली कुमारी की मृत्यु हो गई। शुक्रवार रात जहरीले सांप के काटने के बाद परिजनों ने उसे अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक का सहारा लिया, जिससे बच्ची को समय पर चिकित्सकीय उपचार नहीं मिल सका। स्थानीय लोगों के अनुसार, सोनाली अपने घर में सो रही थी तभी उसे सांप ने डस लिया। परिजन उसे तुरंत अस्पताल ले जाने के बजाय कंजिया धाम ले गए, जहां झाड़-फूंक की गई। कंजिया धाम में काफी समय बीत जाने के बाद जब बच्ची की हालत लगातार बिगड़ने लगी, तब उसे प्रतापसागर अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पिता की 2 साल पहले बीमारी से मृत्युः मृतका सोनाली कुमारी स्वर्गीय राधेश्याम यादव की पुत्री थी। उसके पिता की दो वर्ष पहले बीमारी से मृत्यु हो चुकी थी। वह तीन बहनों और एक भाई में सबसे छोटी थी। यह घटना जिले में सर्पदंश से हो रही लगातार मौतों और ग्रामीण क्षेत्रों में फैले अंधविश्वास को उजागर करती है। जानकारी के अनुसार, बक्सर जिले में पिछले पांच दिनों के दौरान सर्पदंश से नौ लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद कई ग्रामीण अब भी वैज्ञानिक उपचार की जगह झाड़-फूंक और पारंपरिक तरीकों पर भरोसा कर रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमीः स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जिन सरकारी अस्पतालों में ओपीडी के साथ आपातकालीन चिकित्सा सेवा उपलब्ध है, वहां एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) की व्यवस्था रहती है। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी के कारण लोग समय पर अस्पताल नहीं पहुंचते। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि प्रखंड स्तर के सभी सरकारी अस्पतालों में भी पर्याप्त मात्रा में एंटी वेनम उपलब्ध कराया जाए, ताकि मरीजों को तत्काल इलाज मिल सके।

रेस्क्यूवर बोले-झाड़-फूंक के चक्कर में न पड़ेंः जिले के चर्चित स्नेक रेस्क्यूवर ने भी लोगों से अपील करते हुए कहा कि सांप काटने पर झाड़-फूंक के चक्कर में बिल्कुल न पड़ें और बिना समय गंवाए सीधे नजदीकी अस्पताल पहुंचें। उन्होंने बताया कि पिछले पांच दिनों में जिले में नौ लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों के निवासी थे।

कोबरा के काटने पर तुरंत इलाज जरूरीः उन्होंने बताया कि बिहार में मुख्य रूप से कोबरा (नाग), करैत और वाइपर जैसे जहरीले सांप पाए जाते हैं। इनमें करैत अत्यंत खतरनाक माना जाता है, जो अक्सर रात में सक्रिय रहता है और सोए हुए लोगों के पास गर्माहट के कारण पहुंच जाता है। इसके काटने पर शुरुआती लक्षण बहुत हल्के हो सकते हैं, लेकिन कुछ ही घंटों में मरीज की हालत गंभीर हो सकती है। वहीं कोबरा के काटने पर भी तुरंत इलाज जरूरी होता है।

प्रभावित अंग को अनावश्यक रूप से न हिलाएंः विशेषज्ञों का कहना है कि सर्पदंश की स्थिति में मरीज को शांत रखें, प्रभावित अंग को अनावश्यक रूप से न हिलाएं और बिना देरी किए अस्पताल पहुंचाएं। झाड़-फूंक, चीरा लगाना, जहर चूसने की कोशिश करना या घरेलू उपचार अपनाना जानलेवा साबित हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि समय पर एंटी स्नेक वेनम मिलने से अधिकांश सर्पदंश पीड़ितों की जान बचाई जा सकती है।

संतोष रूपी धन के समक्ष सभी धन मिट्टी के समान हैं : देवराहाशिवनाथ दासजी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

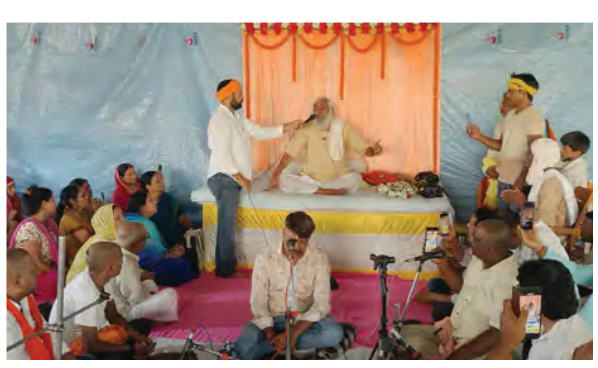

आरा। जिले के जगदीशपुर, श्री देवराहा धाम, सिअरुआ में शुक्रवार को त्रिकालदर्शी परमसिद्ध विदेह संत श्री देवराहाशिवनाथ दासजी महाराज के सान्निध्य में श्री देवराहा बाबाजी महाराज की 36वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संकीर्तन, प्रवचन तथा विशाल भंडारा हुआ। दूर-दराज से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया और महाप्रसाद ग्रहण किया। संकीर्तन आरंभ होने से पूर्व श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए संतश्री देवराहाशिवनाथ दासजी महाराज ने मानव जीवन की नश्वरता और संतोष के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रहा नर सदा कौन जगत में रंक, भूप अभिमानी। ज्ञानी, मूढ़, साधु, असाधु की केवल रही कहानी। उन्होंने कहा कि इस संसार में कोई भी व्यक्ति हमेशा जीवित नहीं रहा। चाहे वह निर्धन हो, चक्रवर्ती सम्राट हो या फिर धन और सत्ता के अहंकार में डूबा हुआ व्यक्ति, एक न एक दिन सभी को इस संसार से विदा होना पड़ता है। पुण्यतिथि पर आयोजित संकीर्तन से दिवंगत आत्मा की शांति और सद्गति की कामना की जाती है। भजन-कीर्तन से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, परिवार को मानसिक शांति व दुख सहने की शक्ति मिलती है तथा सगे-संबंधियों और समाज में आपसी सद्भाव, एकता और आध्यात्मिक चेतना मजबूत होती है। कर्म ही छोड़ जाते हैं पहचान संतश्री ने कहा कि इस नश्वर संसार से ज्ञानी, मूर्ख, साधु और असाधु सभी चले गए, लेकिन कोई भी अपने साथ धन-दौलत या वैभव नहीं ले जा सका। इस धरती पर केवल मनुष्य के कर्मों की कहानी ही शेष रहती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को ईश्वर द्वारा प्राप्त साधनों में संतोष रखते हुए भगवद्भजन और सद्कर्मों के साथ जीवन व्यतीत करना चाहिए। संतोष ही सबसे बड़ा धन महाराज जी ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को संसार का समस्त धन भी मिल जाए, तब भी उसकी इच्छाएं समाप्त नहीं होतीं। अधिक पाने की लालसा मन को हमेशा अशांत बनाए रखती है। इसलिए मनुष्य को अपने सभी कर्म भगवान के श्रीचरणों में समर्पित कर संतोषपूर्वक जीवन जीना चाहिए। उन्होंने कहा कि संतोष रूपी धन के समक्ष संसार का समस्त धन भी मिट्टी के समान है। जब व्यक्ति संतोष और ईश्वर भक्ति का मार्ग अपनाता है, तब उसके योगक्षेम का वहन स्वयं भगवान करते हैं। पांच हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया महाप्रसाद कार्यक्रम में रामनवमी शोभायात्रा ट्रस्ट के महासचिव शंभू प्रसाद चौरसिया, कार्यकारी अध्यक्ष गुड्डू सिंह बबुआन, सुरक्षा प्रमुख राजेश्वर पासवान सहित ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। आयोजन को सफल बनाने में भक्तों का सराहनीय सहयोग रहा। अंत में आयोजित विशाल भंडारे में पांच हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा।

बबली दुबे समेत 9 पर रंगदारी, जानलेवा हमले की एफ आई आर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर के नगर थाना क्षेत्र में रंगदारी नहीं देने पर एक युवक पर जानलेवा हमला, हवाई फायरिंग और परिवार को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित प्रिंस की शिकायत पर नगर थाना पुलिस ने बबली दुबे समेत नौ लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एफआईआर दर्ज होने के बाद बबली दुबे ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया जारी की। उन्होंने सभी आरोपों को निराधार और एक साजिश का हिस्सा बताया है। बबली दुबे ने कहा कि उन्हें कानून और न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

गाली-गलौज का विरोध करने पर किया हमलाः पीड़ित द्वारा नगर थाना में दिए गए आवेदन के अनुसार, यह घटना 5 जुलाई की रात को हुई थी। प्रिंस अपने घर लौट रहा था, तभी बबली दुबे और उनके साथ मौजूद अन्य लोगों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर रायफल के बट से हमला किया। आवेदन में बताया गया है कि युवक को जमीन पर पटककर बेरहमी से पीटा गया, जिससे उसके हाथ, पसली और पैर में गंभीर चोटें आईं। पीड़ित का यह भी आरोप है कि घटना के दौरान दहशत फैलाने के उद्देश्य से हवाई फायरिंग भी की गई थी।

भाई से एक लाख रुपए प्रतिमाह रंगदारी मांगी थीः एफआईआर के मुताबिक, आरोपियों ने पीड़ित के पिता और भाई से एक लाख रुपए प्रतिमाह रंगदारी की मांग की। साथ ही कथित रूप से धमकी दी कि यदि रंगदारी नहीं दी गई या पुलिस में शिकायत की गई तो पूरे परिवार की हत्या कर दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने गुप्त सूचना पर छापेमारी कर पहले प्रिंस के पास से एक पिस्तौल, एक देशी कट्टा और 15 जिंदा कारतूस बरामद किए थे। इस मामले में शिवानंद मिश्रा को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। पूछताछ में शिवानंद ने बबली दुबे से बदला लेने के लिए अवैध हथियार जुटाने की बात कही थी। घायल युवक प्रिंस ने 5 जुलाई की घटना के बाद इलाज से राहत मिलने पर नगर थाना में एफआईआर दर्ज कराई है।

घायल युवक का सदर अस्पताल में चल रहा इलाजः इस मामले में पीड़ित ने बबली दुबे, हनुमन दुबे, रोहित दुबे, प्रकाश दुबे, मनमोहन चौबे, विकास चौबे, विवेक मिश्र, ओम मिश्र और शिंकु कुमार को नामजद आरोपित बनाया है। घायल युवक का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। नगर थानाध्यक्ष मनोज सिंह ने बताया कि पीड़ित के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा है कि निष्पक्ष जांच के बाद दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उधर, इस मामले में नामजद बबली दुबे ने सोशल मीडिया पोस्ट जारी कर अपने ऊपर लगे आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। उन्होंने लिखा कि "सत्य छुपता नहीं, झूठ टिकता नहीं।" उनका दावा है कि 5 जुलाई को जिन लोगों के यहां से पुलिस ने तीन अवैध हथियार और 15 कारतूस बरामद किए थे, उन्हीं लोगों के "बेबुनियाद आरोपों" के आधार पर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

न्यायपालिका के विरुद्ध लगाए गए आरोप झूठेः बबली दुबे ने कहा कि वह हमेशा से कानून का सम्मान और न्यायपालिका पर भरोसा रखने वाले व्यक्ति हैं तथा उनके विरुद्ध लगाए गए सभी आरोप झूठे, निराधार और साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिकायतकर्ता पक्ष के परिवार के कई सदस्यों पर पहले से गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

भोजपुरी को मजबूत करने के लिए जनगणना में मातृभाषा के कॉलम में भोजपुरी लिखवानेकी मांग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। सरदार पटेल बस स्टैंड परिसर में भिखारी ठाकुर सामाजिक शोध संस्थान की ओर से, भोजपुरी के शेक्सपीयर कहे जाने वाले राय बहादुर भिखारी ठाकुर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा हुआ। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त पंडवानी गायिका पद्मविभूषण तीजन बाई को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता रंगकर्मी प्रीति कुमारी ने तथा संचालन संस्थान के अध्यक्ष एवं पत्रकार नरेन्द्र सिंह ने किया। युवा कवि एवं भोजपुरी शोधार्थी रवि प्रकाश सूरज ने कहा कि भिखारी ठाकुर और तीजन बाई ने लोकभाषा और लोककला को समाज जागरण का माध्यम बनाया। उन्होंने लोगों से आगामी जनगणना में अपनी मातृभाषा भोजपुरी दर्ज कराने को कहा। रंगकर्मी एवं नाटककार कृष्ण यादव कृष्णेंदु ने भिखारी ठाकुर को भारत रत्न देने की मांग करते हुए कहा कि उनकी रचनाएं सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ सशक्त आवाज थीं। राष्ट्रीय भोजपुरी संस्थान के बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शीलभद्र ने भोजपुरी को संवैधानिक मान्यता दिलाने के लिए आंदोलन तेज करने की आवश्यकता बताई। रंगकर्मी संजय पाल ने गबर-घिचोर नाटक की चर्चा करते हुए भिखारी ठाकुर की सामाजिक दृष्टि को रेखांकित किया। अभिनेता ओम प्रकाश कश्यप ने उनकी रचनाओं के संरक्षण पर जोर दिया। भोजपुरिया जन मोर्चा के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद सिंह ने भोजपुरी को संवैधानिक एवं राज्यभाषा का दर्जा देने की मांग उठाई। नरेन्द्र सिंह ने बताया कि संस्थान के 25वें स्थापना वर्ष पर आगामी भिखारी ठाकुर जयंती पर वृहद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

लगातार हो रही बारिश से कई इलाकों में जलभराव की स्थिति

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बिहार में जुलाई माह के शुरुआत से ही मॉनसून पूरी तरह एक्टिव है। शुक्रवार रातभर लगातार हो रही बारिश से पटना के कई इलाकों में जल भराव की स्थिति देखने को मिली है। मौसम विभाग के मुताबिक, 10 जुलाई 2026 को शाम 5:30 बजे से 11 जुलाई 2026 को सुबह 8:30 बजे तक पटना के अनीसाबाद क्षेत्र में 46.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जबकि अगले कुछ घंटों के पूर्वानुमान को देखते हुए, 10 जुलाई 2026 की शाम 5:30 बजे से 11 जुलाई 2026 की शाम 5:30 बजे तक पटना में कुल 75 से 85 मिमी वर्षा होने की संभावना है।

निगम आयुक्त ने खुद ही बारिश को दौरान सड़कों पर निकलकर जलजमाव की स्थिति का जायजा लिया। । उन्होंने संबंधित नगर निकाय एवं अन्य एजेंसियां जल निकासी व्यवस्था को सुचारु रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि स्थानीय जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें। पटना नगर निगम की टीम भी लगातार फील्ड पर जल निकासी के लिए काम कर रही है। मॉनसून को लेकर सभी वरीय पदाधिकारी, 3 अपर नगर आयुक्त, 2 डीएमसी, सभी कार्यकारी अभियंता (एग्जीक्यूटिव इंजीनियर), 19 क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) फील्ड पर उतरी हुई है।

हर टीम में 3 लोग हैं। इन्हें एक-एक गाड़ी दी गई है, ताकि बारिश के दौरान टीमें लगातार क्षेत्र का दौरा कर सकें और जल निकासी कार्यों की निगरानी करते हुए आवश्यक कार्रवाई कर सकें। इसी क्रम में हज भवन के समीप पेड़ गिरने की सूचना प्राप्त होने पर पटना नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर पेड़ को हटाया और यातायात व्यवस्था को सामान्य किया। दूसरी ओर बुडको द्वारा भी लगातार शहर के प्रमुख नालों, पंप हाउसों और जलभराव वाले क्षेत्रों की 24 घंटे डिजिटल मॉनिटरिंग की जा रही है।

नाले में पानी का स्तर बढ़ते ही ऑटोमैटिक पंप चालू किया गया है। इससे शहर में जलजमाव की स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी। पटना शहर में कुल 56 स्थाई और 35 अस्थाई डीपीएस हैं। वहीं, शहर की जलनिकासी के लिए कुल 364 पंपों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिनमें 265 इलेक्ट्रिक चालित और 99 डीजल पंप शामिल हैं। स्थाई डीपीएस पर 256 पंप और अस्थाई डीपीएस पर 83 पंप लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त 8 नए डीपीएस भी तैयार किए गए है।

नितिन नवीन ने 20 घंटे बाद दी नीरज को बधाई

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने से खाली हुई बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में भाजपा को नामांकन के अगले ही दिन अपना कैंडिडेट बदलना पड़ा। पहले घोषित कैंडिडेट अभिषेक सिन्हा ने नाम वापस लेने का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने उनकी जगह नीरज सिन्हा को नया उम्मीदवार बनाया है। बांकीपुर में 30 जुलाई को वोटिंग है और तीन अगस्त को काउंटिंग होगी। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बांकीपुर सीट से पार्टी के नए उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को करीब 20 घंटे बाद बधाई दी है।

72 घंटे में भाजपा कैंडिडेट के बदले जाने पर लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने तंज कसा है। उन्होंने X पर लिखा- 'नामांकन खत्म होने के तीन दिन पहले तक जो पार्टी अपना दूल्हा तय नहीं कर पा रही, वो क्षेत्र का भविष्य क्या खाक तय करेगी?' रोहिणी ने कहा- 'अंतिम वक्त पर प्रत्याशी बदलना साफ तौर पर ये दर्शाता है कि बीजेपी को ये आभास हो गया है कि बांकीपुर में जमीन खिसकने वाली है, अंतिम वक्त का बदलाव' रणनीति नहीं, बल्कि चुनावी डर का सबसे बड़ा सबूत है।'

नामांकन रद्द होने का था डर!: सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक के नामांकन पत्र में परिवार और एजुकेशन से जुड़ी जानकारी में गड़बड़ियों के चलते भाजपा ने यह फैसला लिया। भाजपा को डर था गड़बड़ियों के चलते अभिषेक का नामांकन कैंसिल हो सकता है। इसी सीट से चुनाव लड़ रहे जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर (PK) और RJD चुनाव में इसे मुद्दा बना सकते हैं। हालांकि अभिषेक ने नाम वापसी के लिए पारिवारिक कारणों का हवाला दिया है। नए कैंडिडेट नीरज सिन्हा 20 साल से पार्टी से जुड़े हैं। वे नितिन नवीन के करीबी बताए जा रहे हैं। फिलहाल, मंडल अध्यक्ष हैं। नितिन नवीन ने इसी साल 30 मार्च को बांकीपुर विधानसभा सीट से इस्तीफा दिया था।

संक्षिप्त समाचार

महुआ में बच्चा विवाद पर मारपीट, मिर्जानगर डोगरा गांव में 2 लोग गंभीर घायल, लोगों ने पहुंचाया स्वास्थ्य केंद्र

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र स्थित मिर्जानगर डोगरा गांव में बच्चा विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस घटना में एक पक्ष के दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत महुआ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उनका इलाज जारी है। घायल व्यक्ति की पहचान महुआ थाना क्षेत्र के मिर्जानगर डोगरा गांव निवासी स्वर्गीय भोगी राय के 65 वर्षीय पुत्र बालेश्वर राय के पुत्र रमेश कुमार (35) के रूप में हुई है। रमेश कुमार ने बताया कि उनके पाटीदार के चाचा की पत्नी सुधा राय (स्वर्गीय सुबोध राय की पत्नी) का सिवान जिले के सुनील कुमार पासवान के साथ कथित तौर पर संबंध है। इसी बात को लेकर पूर्व के बच्चा विवाद के बहाने बेवजह गाली-गलौज की जा रही थी। रमेश के अनुसार, जब उन्होंने गाली-गलौज का कारण पूछा, तो सुधा राय, सुनील कुमार पासवान और रविंद्र राय के पुत्र रितिक कुमार ने मिलकर उनके साथ बेरहमी से मारपीट की। रमेश ने यह भी बताया कि बुधवार को ही स्वर्गीय ब्रह्मदेव राय के पुत्र रामा राय भी सुधा राय के कहने पर मारपीट करने आए थे। तब उन्होंने 112 पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस मौके पर पहुंची और समझा-बुझाकर चली गई थी। इसके बाद सुधा राय के लड़के ने कथित तौर पर अपने घर का करकट तोड़ दिया और उन्हें फंसाने का प्रयास किया जा रहा है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान में रचनात्मकता का प्रदर्शन चित्रकला, स्लोगन लेखन और निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित

हाजीपुर। वैशाली को बाल विवाह की कुप्रथा से पूरी तरह मुक्त करने के उद्देश्य से हाजीपुर सदर प्रखंड स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय विशुनपुर बालाधारी में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' के तहत हुई इस संकल्प सभा में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसका आयोजन स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान (SKSSSS) और 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन' (JRC) परियोजना ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या डॉ. शालिनी सिंह ने की, जबकि इसका संचालन अधिकार मित्र संतोष कुमार द्वारा किया गया। इस दौरान चित्रकला, स्लोगन लेखन और निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। चित्रकला प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। बच्चों ने अपने चित्रों के माध्यम से समाज से बाल विवाह जैसी

कुप्रथा को समाप्त करने का सशक्त संदेश दिया। कई चित्रों में 'पढ़ाई पहले, शादी बाद में' और 'बाल विवाह अपराध है' जैसे विषयों को दर्शाया गया, जिसकी सभी उपस्थित लोगों ने सराहना की। 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन' के निदेशक एवं संस्थान के सचिव डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने बच्चों की रचनात्मक कला की सराहना की। उन्होंने कहा कि बाल विवाह न सिर्फ एक कानूनी अपराध है, बल्कि यह बच्चों के सुनहरे भविष्य को भी नष्ट करता है। डॉ. शुक्ला ने शिक्षा को बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को समाप्त करने का सबसे सशक्त माध्यम बताया और वर्ष 2030 तक जिले को पूरी तरह बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा। अधिकार मित्र संतोष कुमार ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए बाल विवाह के कानूनी प्रावधानों, स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों और बच्चों के मौलिक अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बाल विवाह निषेध कानून की जानकारी दी और आपातकालीन सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर भी साझा किए। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. शालिनी सिंह ने संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यालय प्रबंधन की ओर से इस मुहिम को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की सफलता में शिक्षिका पूनम कुमारी सिंह, सुल्ताना परवीन और नीलम गुप्ता की सक्रिय सहभागिता रही।

कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल का 99.8% काम पूरा, 14 से 17 जुलाई के बीच हो सकता है उद्घाटन

हाजीपुर। उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच सड़क संपर्क की तस्वीर बदलने वाली बहुप्रतीक्षित कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन गंगा पुल परियोजना अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। परियोजना का करीब 99.8 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। अगले सप्ताह इसके उद्घाटन की पूरी संभावना जताई जा रही है। उद्घाटन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था से लेकर कार्यक्रम स्थल के चयन तक की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सूत्रों के अनुसार, पुल का उद्घाटन बिदुपुर की ओर से किया जाएगा। संभावना है कि 14 जुलाई से 17 जुलाई के बीच मुख्यमंत्री द्वारा इस महत्वाकांक्षी परियोजना का लोकार्पण किया जा सकता है। हालांकि, आधिकारिक

कार्यक्रम की घोषणा अभी बाकी है। पुल के उद्घाटन को देखते हुए जिला प्रशासन और संबंधित विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गए हैं। कार्यक्रम स्थल को अंतिम रूप देने, सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, यातायात प्रबंधन और वीआईपी मूवमेंट की तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं। यह पुल शुरू होने के बाद पटना, वैशाली, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी और उत्तर बिहार के अन्य जिलों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। लंबे समय से इस परियोजना का इंतजार किया जा रहा था। इसके चालू होने से राजधानी पटना और उत्तर बिहार के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा, साथ ही महात्मा गांधी सेतु पर बढ़ते ट्रैफिक का दबाव भी कम होने की उम्मीद है।

अनशन पर बैठे छात्र की तबीयत बिगड़ी, दूसरे दिन भी डटे रहे गोल्ड मेडलिस्ट अविनाश

मुजफ्फरपुर। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में PAT 2023-24 की मेरिट लिस्ट को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। भूगोल विषय के गोल्ड मेडलिस्ट छात्र अविनाश कुमार का विश्वविद्यालय परिसर स्थित धरना स्थल पर आमरण अनशन शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। अनशन के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने पर देर शाम सदर अस्पताल की मेडिकल टीम ने स्वास्थ्य जांच की, जिसमें उनका ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल सामान्य से कम पाया गया। अनशन पर बैठे अविनाश ने कहा कि जब तक उनकी तीन सूत्री मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन और गोल्ड मेडलिस्ट होने के बावजूद उन्हें साजिश के तहत PAT की मेरिट लिस्ट से बाहर कर दिया गया। उन्होंने कहा, "मैंने अपनी बात विश्वविद्यालय के कुलपति सहित कई अधिकारियों के सामने रखी, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। मानसिक रूप से काफी परेशान रहा और आत्महत्या तक का विचार आया, लेकिन अब अपने अधिकार के लिए शांतिपूर्ण तरीके से लड़ाई लड़ूंगा। मांगें पूरी होने तक आमरण अनशन जारी रहेगा।" दोपहर में विश्वविद्यालय के कुछ अधिकारी आंदोलनरत छात्रों से बातचीत करने पहुंचे, लेकिन वार्ता का कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकल सका। छात्र नेता डॉ. चंदन यादव ने कहा कि जब तक विज्ञापित सीटों पर आरक्षण रोस्टर का पालन करते हुए नई मेरिट लिस्ट प्रकाशित नहीं की जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। वहीं, छात्र लोजपा के प्रदेश प्रधान महासचिव गोल्डेन सिंह ने मांग की कि इतिहास और भूगोल विभाग में डीन की अनुपस्थिति में कराए गए साक्षात्कार को रद्द कर फिर इंटरव्यू कराया जाए। अनशन स्थल पर इतिहास विषय के गोल्ड मेडलिस्ट अभिषेक कुमार भी मौजूद रहे। आंदोलन को वीआईपी सहित विभिन्न छात्र संगठनों और राजनीतिक दलों का समर्थन मिला। वीआईपी के प्रदेश उपाध्यक्ष निलाभ कुमार ने कहा कि गोल्ड मेडलिस्ट छात्रों की मांगें पूरी तरह जायज हैं और विश्वविद्यालय प्रशासन को निष्पक्ष निर्णय लेते हुए उन्हें न्याय देना चाहिए। उधर, छात्र संगठनों ने स्पष्ट किया है कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन ने जल्द कोई ठोस फैसला नहीं लिया, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। फिलहाल PAT मेरिट लिस्ट को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों का विरोध लगातार जारी है।

ज्वेलर्स को मारी गोली, डेढ़ लाख रुपए से भरा बैग लेकर बदमाश फरार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में बेखौफ अपराधियों ने एक ज्वेलर्स को गोली मारकर लूट की वारदात को अंजाम दिया। बाइक से दुकान बंद कर घर लौट रहे व्यवसायी को बदमाशों ने पहले घेरा, फिर गोली मारकर करीब डेढ़ लाख रुपए से भरा बैग छीन लिया। घायल का इलाज एसकेएमसीएच में चल रहा है। घटना औराई थाना क्षेत्र की है। घायल की पहचान महिसौथा निवासी बबलू कुमार उर्फ बबलू साह के रूप में हुई है। शुक्रवार रात करीब आठ बजे वह अपनी सोना-चांदी की दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे। बैग में दिनभर की बिक्री के रुपए रखे थे। घायल बबलू कुमार ने बताया कि, रास्ते में दो युवकों ने उनका पीछा किया और बैग के बारे में पूछताछ की। बैग में कुछ नहीं होने की बात कही तो दोनों वहां से हट गए। कुछ दूर आगे बढ़ते ही सामने से बाइक सवार अन्य बदमाश पहुंच गए और चारों तरफ से घेर लिया। अपराधियों ने बैग छीनने का प्रयास किया। छीना-झपटी में बैग का स्ट्रैप टूट गया। बदमाशों ने हथियार निकाल लिया तो जान बचाने के लिए बाइक छोड़कर भागने लगा। इसी दौरान अपराधियों ने दो राउंड फायरिंग की। पहली गोली नहीं लगी, जबकि दूसरी गोली लगते ही सड़क पर गिर पड़ा। वारदात के बाद अपराधी बैग लेकर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस पहुंची और घायल को इलाज के लिए एसकेएमसीएच भेजा। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

पटना अपहरण, 4 दिन बाद भी बंटी का सुराग नहीं

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

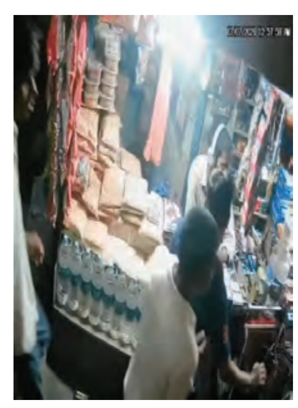

पटना। पटना के चर्चित बंटी अपहरण कांड की गुत्थी चार दिन बाद भी नहीं सुलझ सकी है। पटना पुलिस, एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) और स्पेशल इंटेलिजेंस यूनिट (SIU) की संयुक्त टीमें लगातार छापेमारी और तकनीकी जांच में जुटी हैं, लेकिन अब तक न तो अपहर्ताओं का कोई ठोस सुराग मिला है और न ही बंटी का पता चल सका है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जांच में तकनीकी साक्ष्यों के साथ-साथ मुखबिर तंत्र का भी सहारा लिया जा रहा है। अब तक दो दर्जन से अधिक संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा चुकी है। टावर लोकेशन और अन्य इनपुट के आधार पर पटना से दीदारगंज और मुंगेर के जमालपुर तक पुलिस की कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

100 से ज्यादा CCTV फुटेज खंगाले: प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस ने अपहरण की पूरी टाइमलाइन तैयार करने का प्रयास किया है। इसके लिए पटना जंक्शन, मीठापुर, जीरो माइल, गायघाट, कंगन घाट, दीदारगंज और आसपास के इलाकों में लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई है। जांच एजेंसियां फ्रेम-दर-फ्रेम वीडियो एनालिसिस कर यह पता लगाने में जुटी हैं कि अपराधी किस रास्ते से निकले और उनकी गतिविधियां किन-किन स्थानों पर रिकॉर्ड हुईं। संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की भी पहचान की जा रही है।

आखिरी लोकेशन 170 किमी दूर जमालपुर मिला

मोबाइल लोकेशन के आधार पर जमालपुर तक पहुंची टीम: पुलिस की साइबर और तकनीकी टीम लगातार कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) और मोबाइल टावर लोकेशन का विश्लेषण कर रही है। जांच के दौरान कुछ संदिग्ध मोबाइल नंबर सामने आए हैं, जिसके आधार पर पटना पुलिस टीम 170 किलोमीटर दूर मुंगेर जिले के जमालपुर पहुंची। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अपहर्ताओं द्वारा इस्तेमाल किए गए मोबाइल की आखिरी लोकेशन जमालपुर इलाके में मिली थी। इसके बाद स्थानीय पुलिस के सहयोग से कई स्थानों पर छापेमारी की गई, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। आशंका है कि अपराधियों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए मोबाइल बंद कर दिया या उसे कहीं फेंक दिया।

दो दर्जन से अधिक इलाकों में लगातार छापेमारी: STF और स्पेशल इंटेलिजेंस यूनिट की टीमों ने पटना, दीदारगंज, मोकामा, फतुहा, बख्तियारपुर, लखीसराय और जमालपुर समेत दो दर्जन से अधिक संभावित ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई की है। पुलिस अपराधियों के पुराने नेटवर्क, जेल से जुड़े संपर्कों और सक्रिय गैंगों की भी जांच कर रही है। इसके अलावा कई संदिग्ध अपराधियों और उनके करीबी लोगों से पूछताछ की गई है। पुलिस का मानना है कि अपहरण की इस वारदात में पेशेवर अपराधियों का हाथ हो सकता है, जिन्होंने पूरी योजना के साथ घटना को अंजाम दिया। इस मामले में पटना पुलिस आधुनिक तकनीक का भी भरपूर इस्तेमाल कर रही है। साइबर एक्सपर्ट मोबाइल लोकेशन और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के जरिए अपराधियों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। तकनीकी जांच के साथ-साथ मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया है।

जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना एनडीए की सर्वोच्च प्राथमिकता- उमेश सिंह कुशवाहा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बिहार जद (यू0) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि सूबे की महान जनता ने जिस अटूट भरोसे और विश्वास के साथ नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए को 202 सीटों का ऐतिहासिक जनादेश दिया है, उस विश्वास पर खरा उतरने के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में एनडीए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बीते 20 वर्षों में नीतीश कुमार ने विकास की रोशनी घर-घर तक पहुँचाई, बिहार को जंगलराज से निकालकर सुशासन की स्थापना की तथा समाज के उन वर्गों को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ा, जो लंबे समय तक वंचित और उपेक्षित रहे। अपने सुशासन एवं विकास मॉडल के माध्यम से उन्होंने देश-दुनिया में बिहार की एक नई पहचान स्थापित की। उन्होंने कहा कि एनडीए का प्रत्येक कार्यकर्ता दो दशकों की इन ऐतिहासिक उपलब्धियों तथा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए समर्पित भाव से कार्यरत है। श्री कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में वर्तमान एनडीए सरकार, नीतीश कुमार के सुशासन एवं विकास के एजेंडे को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाते हुए जनसेवा और विकास कार्यों को नई गति प्रदान कर रही है। जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना, विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना तथा सुशासन की परंपरा को और अधिक सुदृढ़ करना डबल इंजन की एनडीए सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

♦ नीतीश कुमार के सुशासन एवं विकास के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है एनडीए सरकार- उमेश सिंह कुशवाहा

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की महत्वाकांक्षी 'सात निश्चय-3' के अंतर्गत 'सबका सम्मान- जीवन आसान' के संकल्प को साकार करने के लिए पंचायत स्तर पर 'सहयोग शिविर' की शुरुआत एक ऐतिहासिक एवं जनहितकारी पहल है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में इस पहल का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसका सबसे सीधा लाभ समाज के गरीब, वंचित और बेसहारा लोगों को मिल रहा है। कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को देश के शीर्ष पाँच विकसित राज्यों में शामिल करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसे साकार करने की दिशा में डबल इंजन की एनडीए सरकार पूरी प्रतिबद्धता और तेजी के साथ कार्य कर रही है।

वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों को मिला कानून का संबल, अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। जिला विधिक सेवा प्राधिकार कटिहार के तत्वावधान में शनिवार को अनाथालय रोड स्थित गुंजन वृद्धाश्रम में एक विधिक (कानूनी) जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस शिविर में वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों को उनके कानूनी अधिकारों, भरण-पोषण अधिनियम और उनके कल्याण के लिए चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर वृद्धाश्रम के कर्मियों की उपस्थिति में बुजुर्गों के बीच बिस्किट के पैकेट का भी वितरण कियागया। कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार की प्रतिनियुक्त विद्वान पैनल अधिवक्ता प्रियंका कुमारी ने बुजुर्गों को उनके संरक्षण, विकास, भरण-पोषण एवं पुनर्वास से जुड़े महत्वपूर्ण अधिनियमों (एक्ट) की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बुजुर्गों को उनके हितों के प्रति जागरूक करते हुए स्थायी लोक अदालत की कार्यप्रणाली और उससे मिलने वाले लाभों के बारे में भी बताया।

कार्यक्रम में अहम भूमिका निभा रहे पारा विधिक स्वयंसेवक पवन कुमार ने बुजुर्गों के अधिकारों और हितों की रक्षा पर बल दिया। उन्होंने बिहार पीड़ित प्रतिकर योजना, जिला विधिक सेवा प्राधिकार कटिहार से मिलने वाली मुफ्त कानूनी सलाह और मुफ्त वकील मुहैया कराए जाने की सुविधा के बारे में बताया। साथ ही, आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली 'राष्ट्रीय लोक अदालत' के बारे में जानकारी देते हुए इससे आम जनमानस को होने वाले फायदों से अवगत कराया।

इस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार कटिहार के सचिव-सह-अवर न्यायाधीश कमलेश कुमार सिंह देऊ के आदेश पर किया गया।

भोपाल एटीएम फर्जीवाड़े की जांच मुजफ्फरपुर पहुंची, लॉक तोड़ने का प्रशिक्षण देने वाला गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एसबीआई की एटीएम से छेड़छाड़ कर लाखों रुपए की निकासी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का मुजफ्फरपुर कनेक्शन सामने आया है। इस गैंग के मुख्य ट्रेनर अभिषेक कुमार सिंह को भोपाल के शाहपुरा थाने की पुलिस ने शुक्रवार को मुजफ्फरपुर के सदर इलाके से गिरफ्तार किया है। अभिषेक पर आरोप है कि वह बेरोजगार युवकों को मास्टर चाबी और विशेष उपकरणों के जरिए एटीएम से कैश निकालने की ट्रेनिंग देता था। स्थानीय अदालत से 48 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मिलने के बाद भोपाल पुलिस उसे अपने साथ ले गई है, जहां उससे पूरे नेटवर्क को लेकर गहन पूछताछ की जाएगी।

भोपाल पुलिस ने शुक्रवार को भगवानपुर स्थित स्वामी सहजानंद कॉलोनी के मनोरथ नगर में छापेमारी कर अभिषेक को दबोचा। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान वह लगातार जांच एजेंसियों को गुमराह करने की कोशिश करता रहा। कभी उसने खुद को होटल व्यवसायी बताया, तो कभी अपना पता बदलकर झूठ बोला। हालांकि, कड़ाई से पूछताछ में उसने छपरा बाइपास पर एक होटल चलाने की बात स्वीकार की। इस मामले का सुराग भोपाल में पहले से गिरफ्तार छपरा निवासी आसिफ आलम उर्फ जानू के बयान से मिला था। आसिफ ने बताया था कि पटना निवासी अभिषेक ने ही उन्हें मशीन खोलने की तकनीक सिखाई थी। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले में लगभग 20 लाख रुपए की अवैध निकासी की जांच की जा रही है। उससे पूछताछ में गिरोह के अन्य सदस्यों और एटीएम से जुड़े पूरे मॉड्यूल का खुलासा हो सकता है।

इंजीनियरिंग छात्र से लेकर मजदूर तक गिरोह में: पुलिस की जांच में सामने आया है कि इस गैंग का कथित सरगना गयाजी जिले का रहने वाला विपुल कुमार उर्फ सोनू है। विपुल ने भोपाल के ही एक

निजी इंजीनियरिंग कॉलेज से पढ़ाई की है। करीब 10 दिन पहले विपुल ने बिहार से प्रिंस गुप्ता, मो. सागिर, आसिफ आलम, साहिल अली और साकेत खेतान को भोपाल बुलाया था।

इन सभी ने मिलकर शाहपुरा, कोलार और अशोका गार्डन सहित 13 एसबीआई एटीएम को निशाना बनाया। गिरोह में इंजीनियरिंग छात्र, होटल संचालक और मजदूर तक शामिल थे, जिससे इन पर कोई आसानी से शक नहीं करता था। पुलिस कई एटीएम के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। गिरोह के सदस्य बिना मशीन को पूरी तरह तोड़े मास्टर चाबी और प्लास्टिक टेप की मदद से वारदात को अंजाम देते थे।

♦ दो दिनों की हुई थी ट्रेनिंग

गैंग के सदस्य अलग-अलग एटीएम में जाकर मशीन के लॉक सिस्टम को मास्टर चाबी से खोलते और उसके अंदर टेप या विशेष प्लास्टिक पट्टी लगा देते थे, ताकि कैश बाहर न आ सके। यह गैंग खासतौर पर 10 हजार रुपए निकालने वाले ग्राहकों को निशाना बनाता था, क्योंकि इतनी निकासी पर आमतौर पर बैंक से ओटीपी नहीं मांगा जाता।

भगवानपुर में चलती थी 2 दिन की ट्रेनिंग: भोपाल एटीएम फ्रॉड में गिरफ्तार मो. सागिर ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसने बताया कि कम समय में ज्यादा पैसे कमाने का लालच देकर अभिषेक युवकों को फंसाता था। छपरा बाइपास के एक होटल में पहली मुलाकात के बाद, अभिषेक ने युवकों को भगवानपुर चौक स्थित अपने किराए के मकान पर बुलाया। इसी कमरे में दो दिनों तक एटीएम फ्रॉड की 'ट्रेनिंग क्लास' चली। अभिषेक ने न सिर्फ मशीन की बनावट समझाई, बल्कि रोल प्ले के जरिए हर सदस्य की भूमिका भी तय की।

निजी बैंक कर्मी से सीखी थी ट्रिक: शाहपुरा पुलिस के अनुसार, गिरोह ने एटीएम खोलने और उसमें छेड़छाड़ करने की यह पूरी तकनीक बिहार के ही एक निजी बैंक के कर्मचारी से सीखी थी। उसी के माध्यम से मास्टर चाबी भी हासिल की गई थी। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस पूरे नेटवर्क में और कौन-कौन सफेदपोश शामिल हैं और यह मास्टर चाबी किन माध्यमों से तैयार की गई।

झारखंड में 13 और 14 जुलाई को बारिश के आसार, कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी

एजेंसी। रांची

झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने राज्य की राजधानी रांची समेत अधिकांश जिलों में 13 और 14 जुलाई को हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जताया है। इसके साथ ही 12 से 14 जुलाई के बीच राज्य के विभिन्न हिस्सों में कहीं-कहीं भारी बारिश की भी संभावना व्यक्त की गई है। इसे देखते हुए विभाग ने संबंधित जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, 12 जुलाई को राज्य के उत्तर-पूर्वी और उससे सटे मध्यवर्ती क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। वहीं 13 जुलाई को उत्तर-पूर्वी, मध्यवर्ती तथा दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके अलावा 14 जुलाई को उत्तर-पूर्वी और उससे सटे मध्यवर्ती जिलों में भारी बारिश का अनुमान लगाया गया है। विभाग ने लोगों से मौसम की स्थिति को देखते हुए आवश्यक सतर्कता बरतने की अपील की है। विभाग के अनुसार, जुलाई महीने में मानसून के दोबारा सक्रिय होने से राजधानी रांची सहित राज्य के लगभग सभी जिलों में लगातार कमोबेश बारिश हो रही है। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और लोगों को उमस से राहत मिली है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 94.2 मिलीमीटर वर्षा जामताड़ा डीवीसी क्षेत्र में रिकॉर्ड की गई। इसी अवधि में राज्य का सर्वाधिक तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस पाकुड़ में दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड हुआ। शनिवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। बीच-बीच में हल्की बारिश होती रही, जिससे मौसम सुहावना हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को रांची का अधिकतम तापमान 28.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 32.4 डिग्री और न्यूनतम 24.0 डिग्री सेल्सियस, डाल्टनगंज में अधिकतम 32.4 डिग्री और न्यूनतम 24.4 डिग्री सेल्सियस, बोकारो में अधिकतम 31.1 डिग्री और न्यूनतम 25.1 डिग्री सेल्सियस तथा चाईबासा में अधिकतम 31.8 डिग्री और न्यूनतम 23.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

रंगदारी के लिए फायरिंग मामले में तीन आरोपितों की जमानत याचिका खारिज

एजेंसी। रांची

रंगदारी की मांग को लेकर बस चालक पर फायरिंग करने के मामले में तीन आरोपितों को राहत नहीं मिली है। अपर न्यायायुक्त की अदालत ने नीतीश पाण्डेय, गोलू बाल्मीकि और अभिजीत कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी है। यह मामला 12 मई का है। नो-एंट्री के कारण जीवन ज्योति बस अरगोड़ा चौक स्थित यात्री शेड के पास खड़ी थी। इसी दौरान रात करीब 10 बजे दो युवक बस में घुस गए और चालक के सिर पर रिवॉल्वर सटाकर रंगदारी की मांग करने लगे। आरोपित चालक की जेब से जबरन रुपये निकालने लगे। विरोध करने पर उन्होंने चालक पर गोली चला दी। हालांकि चालक ने समय रहते सिर झुका लिया, जिससे वह बाल-बाल बच गया। गोली चलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आरोपित भागने लगे। पीछा करने के दौरान पुलिस ने एक आरोपित को मौके से गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो अन्य फरार होने में सफल रहे। बाद में उनकी भी गिरफ्तारी हुई। घटना के संबंध में बस चालक के बयान पर अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने तीनों आरोपितों की जमानत याचिका खारिज कर दी।

संक्षिप्त समाचार

जनसंख्या नहीं, जनशक्ति बने झारखंड की पहचान : इरफान अंसारी

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि जनसंख्या किसी भी राज्य के लिए बोझ नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी पूंजी और जनशक्ति होती है। झारखंड की पहचान जनसंख्या नहीं, बल्कि जनशक्ति के रूप में स्थापित होनी चाहिए। पर जनसंख्या तभी राज्य की वास्तविक शक्ति बन सकती है, जब प्रत्येक नागरिक स्वस्थ, शिक्षित, कुशल और आत्मनिर्भर हो। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सरकार जनस्वास्थ्य और जनकल्याण से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शनिवार को रांची में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने घोषणा की कि राज्य के सभी जिलों में गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए अत्याधुनिक मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और इन अस्पतालों में सुरक्षित प्रसव, नवजात शिशुओं की विशेष देखभाल, महिलाओं के लिए विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं तथा अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके लिए जनजागरूकता बढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा परिवार नियोजन संबंधी सुविधाओं का विस्तार करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य में नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, जिला अस्पतालों का सुदृढ़ीकरण, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा ग्रामीण क्षेत्रों तक विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक को उसके जिले के निकट ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के मिशन निदेशक शशि प्रकाश झा, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, सहिया बहनें तथा विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

रांची विश्वविद्यालय प्रशासनिक परिसर में मनाया गया कला दिवस

रांची। रांची विश्वविद्यालय के 67 वें स्थापना दिवस समारोह का दूसरा दिन शनिवार को शहीद चौक स्थित प्रशासनिक भवन में 'कला दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट विभाग और एनएसएस की छात्रों बुलबुल, एकता, मौसमी, तुषार, प्राची ने शिक्षक विवेक दास के निर्देशन में विश्वविद्यालय के दीवारों पर झारखंड की पहचान खुबसूरत सोहराई पेंटिंग बनाई। इस अवसर पर कुलपति प्रो सरोज शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कृति और परंपरा का संरक्षक भी है और सोहराई जैसी लोक कलाओं को संस्थागत मंच प्रदान करना समय की मांग है। इस पहल के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर की दीवारें अब झारखंड की माटी की सुगंध और सोहराई कला के रंगों से सजीव होंगी, जो प्रकृति, फसल एवं जीवन के अटूट बंधन का प्रतीक हैं। विश्वविद्यालय में कला दिवस पर सभी वरीय पदाधिकारी, कर्मी सहित कई विभागों के प्राध्यापक उपस्थित थे। सबों ने सोहराई पेंटिंग के छात्र कलाकारों की सराहना की और रांची विश्वाविद्यालय की चारदीवारी को पेंटिंग से सजाने और राज्य की इस पारंपरिक चित्रकारी कला को जीवंत रखने के लिये आभार जताया। इधर, विश्वविद्यालय के तीन दिवसीय स्थापना समारोह के अंतिम दिन 12 जुलाई 2026 को हरित वीथिका कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसमें प्रशासनिक परिसर में पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित है। इसके लिये सारी तैयारियां कर ली गयी हैं।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में बैगलेस डे और फिल्म स्क्रीनिंग से बच्चों ने सीखा जीवन का पाठ

रांची ! सरला बिरला पब्लिक स्कूल ने शिक्षा को पाठ्यपुस्तकों से आगे ले जाकर अनुभवात्मक शिक्षण की पहल की। नर्सरी से कक्षा छठी तक के विद्यार्थियों के लिए बैगलेस डे और विशेष फिल्म स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के बच्चों के लिए आयोजित बैगलेस डे में जादुई शो, टैटू आर्ट और टम्बल टॉसर जैसी गतिविधियां कराई गईं। इससे बच्चों में टीम वर्क, समन्वय और रचनात्मकता का विकास हुआ। सहभोज ने उनमें आपसी मित्रता और सौहार्द को भी बढ़ाया। कक्षा पांचवी और छठी के विद्यार्थियों ने फन सिनेमा में शैक्षिक फिल्म देखी। फिल्म के माध्यम से उन्हें मित्रता, साहस, दया और दृढ़ता जैसे मूल्य सिखाए गए और फिल्म निर्माण की तकनीकी जानकारी भी दी गई। प्राचार्या मनीषा शर्मा ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां बच्चों में जिज्ञासा और आत्मविश्वास बढ़ाती हैं तथा सीखने को जीवनभर का सुखद अनुभव बनाती हैं।

आपसी विवाद में युवक की हत्या मामले में आरोपित पर आरोप गठित, तीन अगस्त से होगी गवाही

एजेंसी। रांची

आपसी विवाद में पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में आरोपित शंकर लोहरा के खिलाफ अपर न्यायायुक्त की अदालत ने शनिवार को आरोप गठित कर दिया। अदालत ने आरोपित को उसके खिलाफ लगाए गए आरोप पढ़कर सुनाए, जिस पर उसने अपनी संलिप्तता से इनकार किया। आरोपित के इनकार के बाद अदालत ने मामले में आरोप गठित करते हुए अभियोजन पक्ष को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। मामले में तीन अगस्त से गवाही की प्रक्रिया शुरू होगी। मामला रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र के डिबडीह का है, जहां 29 जनवरी को आपसी विवाद के बाद अभिषेक लोहरा के साथ मारपीट की गई थी। आरोप है कि विवाद के दौरान शंकर लोहरा ने अभिषेक को लाठी-डंडे और लात-घूंसों से बुरी तरह पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अभिषेक को इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान 30 जनवरी को उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने डोरंडा थाना का घेराव कर कार्रवाई की मांग की थी। परिजनों की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 30 जनवरी की देर रात आरोपित शंकर लोहरा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वह वर्तमान में न्यायिक हिरासत में है।

पॉलीटेक्निक प्रवेश परीक्षा को लेकर रांची के 11 केंद्रों के 200 मीटर दायरे में धारा-163 लागू

एजेंसी। रांची

झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद (जेसीईसीईबी) की ओर से आयोजित पॉलीटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2026 को कदाचारमुक्त, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न कराने के लिए रांची जिला प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। सदर अनुमंडल दंडाधिकारी कुमार रजत ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा-163 के तहत जिले के सभी 11 परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू करने का आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार निषेधाज्ञा 12 जुलाई 2026 को सुबह 7:30 बजे से शाम 4:00 बजे तक प्रभावी रहेगी। पॉलीटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक आयोजित होगी। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन के संयुक्त निर्देश पर सभी परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रशासन ने परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी रोकने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए हैं। निषेधाज्ञा के तहत परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, किसी भी प्रकार की सभा, जुलूस अथवा प्रदर्शन करने, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग तथा हथियार लेकर चलने पर प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था केवल परीक्षा के शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू की गई है। परीक्षा जिले के विवेकानंद विद्या मंदिर, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सेंट एनीज़ स्कूल, सेंट जॉन्स स्कूल, सेंट पॉल स्कूल, उर्सुलिन इंटर कॉलेज, छोटानागपुर पब्लिक स्कूल सहित कुल 11 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। जिला प्रशासन ने अभ्यर्थियों एवं उनके अभिभावकों से समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने, प्रवेश पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज साथ रखने तथा प्रशासन द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। साथ ही आम नागरिकों से भी परीक्षा के शांतिपूर्ण संचालन में सहयोग करने और परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ नहीं लगाने का अनुरोध किया गया है।

ऊर्जा निगम में कर्मियों की सुरक्षा भगवान भरोसे : अजय राय

एजेंसी। रांची

झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय ने झारखंड ऊर्जा विकास निगम के विभिन्न सप्लाई एरिया बोर्ड में कार्यरत मानव दिवस एवं आउटसोर्सिंग कर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि श्रमिकों की जान भगवान भरोसे है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बावजूद विभाग और संबंधित एजेंसियां सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर नहीं हैं। शनिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में अजय राय ने कहा कि हाल के दिनों में राज्य के विभिन्न सप्लाई एरिया बोर्डों में आधा दर्जन से अधिक दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इन हादसों में कई कर्मियों की मौत हुई है, जबकि अनेक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इसके बावजूद मृतक और घायल कर्मियों के परिजनों को समय पर मुआवजा, आर्थिक सहायता तथा अन्य आवश्यक सहयोग उपलब्ध नहीं कराया गया, जो विभाग और संबंधित एजेंसियों की संवेदनहीनता को दर्शाता है। अजय राय ने कहा कि यदि सभी कर्मियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप सेफ्टी किट उपलब्ध कराई जाती, नियमित सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाता और कार्यस्थलों पर सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाता, तो कई दुर्घटनाओं को रोका जा सकता था। बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों और सुरक्षा व्यवस्था के श्रमिकों से कार्य कराना उनके जीवन को जोखिम में डालने के समान है। अजय राय ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में कार्य करने वाले मानव दिवस और आउटसोर्सिंग कर्मी कठिन एवं जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में अपनी सेवाएं देते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना विभाग और संबंधित एजेंसियों की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ ने राज्य सरकार और झारखंड ऊर्जा विकास निगम प्रबंधन से सभी दुर्घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच कराने, लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई करने, मृतक एवं घायल कर्मियों के आश्रितों को तत्काल उचित मुआवजा और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा सभी सप्लाई एरिया बोर्डों में सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की मांग की है। संघ के अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि श्रमिकों की सुरक्षा और उनके हितों से जुड़ी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करने को बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग और निगम प्रबंधन की होगी।

रिम्स में अवैध वसूली चरम पर, राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह बदहालः भाजपा

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अभय सिंह ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सरकार को घेरते हुए कहा कि रिम्स अब गरीब मरीजों की मदद के बजाय अवैध वसूली का केंद्र बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि रिम्स के विश्राम गृह की कैंटीन में 25 रुपये की जगह 240 रुपये तक वसूले जा रहे हैं।

ठेकेदारों और चिकित्सकों की मिलीभगत से जनता दोनों हाथों से लूटी जा रही है। सिंह ने कहा कि सरकार के दावे हवा-हवाई हैं और विभाग में भ्रष्टाचार, मनमानी बढ़ गई है। पोटका में मलेरिया से 8 ग्रामीणों की मौत और हजारीबाग में एंबुलेंस के अभाव में शव खटिया पर ले जाने की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह सरकार के विकास दावों की हकीकत दिखाता है। अभय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी बेहतर स्वास्थ्य सेवा का दावा कर रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है। सरकार मंत्रियों का इलाज बाहर कराती है और आम जनता को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है।

झारखण्ड सरकार
वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग
न्यायालयः—प्राधिकृत पदाधिकारी—सह—वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
गढ़वा दक्षिणी वन प्रमण्डल

सूचना

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि भारतीय वन अधिनियम, 1927 (सपठित बिहार संशोधन, 1989) के सुसंगत प्रावधानों के उल्लंघन करने के विरूद्ध जप्त वनोपज पर प्राधिकृत पदाधिकारी—सह—वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गढ़वा दक्षिणी वन प्रमण्डल के न्यायालय में भारतीय वन अधिनियम, 1927 (सपठित बिहार संशोधन, 1989) के अंतर्गत निहित प्रावधानों के तहत् राज्यसात की कार्रवाई चल रही है, जिसमें संबंधित पक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु सुनवाई की **तिथि 21.07.2026 को पूर्वाहन् 11:00 बजे गढ़वा दक्षिणी वन प्रमण्डल, गढ़वा** में निर्धारित की गई है। जप्त वनोपज से संबंधित अधिहरण वाद की विवरणी निम्नवत् है :—

क्र0 सं0	अधिहरण वाद संख्या	जप्त वन पदार्थ की विवरणी	प्रतिवादी का नाम—पता
01	16/2026	महुआ वृक्ष — 2 पीस, सखुआ वृक्ष — 8 पीस, भेला वृक्ष — 4 पीस, सीधा वृक्ष — 1 पीस	1. गुलाम गौस अंसारी, पिता— ना मालुम, ग्राम— छतरपुर, थाना + जिला— गढ़वा। 2. नरेश कोरवा, पिता— स्व0 लालजी कोरवा, 3. ब्रजेश यादव, पिता— विरेन्द्र यादव 4. सुनील यादव, पिता— गोपाल यादव 5. संतोष साव, पिता— स्व0 बचरू साव, चारों निवासी ग्राम— सिदे, थाना— चिनियाँ, जिला— गढ़वा।
02	18/2026	अर्जुन वृक्ष का बल्ली — 6 पीस	1.ओम करण तिवारी, पिता— अमृत शुक्ला, ग्राम— गढ़वा, थाना— गढ़वा, जिला— गढ़वा। 2.मनोज शर्मा, पिता— योगेन्द्र शर्मा, ग्राम— गढ़वा, रेहला रोड, थाना + जिला— गढ़वा।
03	25/2026	साल बोटा — 14 पीस	अज्ञात।

प्राधिकृत पदाधिकारी,
—सह— वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
गढ़वा दक्षिणी वन प्रमण्डल

PR 384740 (Forest, Environment and Climate Changes)26-27*D

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड
कार्यालय — जिला उद्यान पदाधिकारी, गढ़वा
(संयुक्त कृषि भवन, गढ़वा प्रथम तल पिपराकलां)

आवेदन आमंत्रण सूचना

वित्तीय वर्ष 2026—27 में सरकार के सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, रॉची के राज्यादेश संख्या—27 दिनांक—22.06.2026 एवं उद्यान निदेशालय, झारखण्ड रॉची का पत्रांक 403 दिनांक 09.07.2026 के आलोक में राज्य उद्यान विकास की योजना अन्तर्गत "उद्यान विकास की योजना" के तहत उद्यानिकी फसलों के विकास के साथ—साथ कृषकों के आय में अधिक से अधिक वृद्धि लाने के उद्देश्य से योग्य कृषकों को अनुदानित दर पर नीचे अंकित विभिन्न कार्य अवयवों का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदन आमंत्रित किया जाता है, जिसकी कार्य विवरणी निम्न प्रकार है—

क्र0	कार्य अवयव का नाम	भौतिक लक्ष्य		कुल भौतिक लक्ष्य	अभ्युक्ति
		OSP	SCSP		
1	बागवान/उद्यान मित्र/कृषक को 5 दिवसीय प्रशिक्षण (संख्या में)	125	40	165	विभाग द्वारा चयनित बागवान/उद्यान मित्र/कृषकों को 5 दिवसीय उद्यानिकी प्रशिक्षण निःशुल्क दिया जाएगा।
2	युवाओं को 25 दिवसीय माली प्रशिक्षण (संख्या में)	15	4	19	विभाग द्वारा चयनित कृषकों को 25 दिवसीय माली का प्रशिक्षण निःशुल्क दिया जाएगा।
3	मिर्चा की खेती (हे0 में)	75	25	100	अधिकतम अनुदान 40 प्रतिशत। 25 हेक्टेयर का 04 कलस्टर में 100 हे0 मिर्चा की खेती की जायेगी।
4	ओल की खेती (हे0 में)	25	10	35	चयनित कृषकों को विभाग द्वारा अधिकतम सहायता अनुदान प्रति हेक्टेयर 0.40 लाख का बीज उपलब्ध कराया जायेगा।
5	अदरख की खेती (हे0 में)	15	6	21	चयनित कृषकों को विभाग द्वारा 40 प्रतिशत अनुदान पर बीज उपलब्ध कराया जायेगा।
6	हल्दी की खेती (हे0 में)	45	15	60	अधिकतम अनुदान 50 प्रतिशत
7	कीट रहित सब्जी उत्पादन इकाई (संख्या में)	20	5	25	चयनित लाभुकों को 75 प्रतिशत अुनदान पर आधारभूत संरचानाओं का अधिष्ठापन कराया जायेगा।
8	खुले वातावरण में फुलों की खेती, गेंदा— (हे0 में)	5	5	10	चयनित कृषकों को विभाग द्वारा 50 प्रतिशत अनुदान पर फूल पौध/कंद सामग्री उपलब्ध कराया जायेगा।
9	टिषुकल्चर केला की खेती (हे0 में)	10	2	12	चयनित कृषकों को विभाग द्वारा अधिकतम सहायता अनुदान प्रति हेक्टेयर 0.60 लाख का बीज उपलब्ध कराया जायेगा।
10	गृह वाटिका की स्थापना—प्रति इकाई 25 डिसमिल (संख्या में)	25	10	35	चयनित कृषकों को विभाग द्वारा पौध एवं INM/IPM निःषुल्क उपलब्ध कराया जायेगा।
11	सब्जी की तकनीकी खेती का प्रत्यक्षण (हे0 में)	100	20	120	चयनित कृषकों को विभाग द्वारा अधिकतम सहायता अनुदान प्रति हेक्टेयर 0.10 लाख का बीज उपलब्ध कराया जायेगा।
12	मषरूम पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण (संख्या में)	100	35	135	इस योजना अंतर्गत अति निम्न वर्गीय SC/ST एवं अन्य गरीबी रेखा BPL से निचे गुजर बसर करने वाले भूमिहीन लोगों को निःशुल्क योजना से लाभान्वित किया जाएगा।
13	मषरूम कीट वितरण (इकाई में)	3000	1050	4050	क्रमांक 12 अंतर्गत चयनित लाभुकों को निःशुल्क कीट वितरण किया जाएगा।
14	संरक्षित फुलों की खेती (हे0 में)	0.5	0.1	0.6	अधिकतम अनुदान 50 प्रतिशत
15	टिषू कल्चर स्ट्रॉबेरी की उन्नत खेती (हे0 में)	0	5	5	अधिकतम अनुदान 50 प्रतिशत
16	गुणवत्तायुक्त फुल, फल पौध बिचड़ा उत्पादन —सैंपलिंग नर्सरी (संख्या में)	20	10	30	चयनित लाभुकों को 75 प्रतिशत अुनदान पर सैंपलिंग नर्सरी की सामग्री उपलब्ध करायी जाएगी।

उपरोक्त योजना के विभिन्न कार्य अवयवों का लाभ लेने हेतु इच्छुक कृषक/स्वयं सहायता समूह आवेदन—पत्र जिला उद्यान कार्यालय, संयुक्त जिला कृषि भवन, प्रथम तल, पिपराकला, गढ़वा से प्राप्त कर पंचायती राज संस्था के मुखिया/जनप्रतिनिधि/जिला परिषद् सदस्य से अनुशंसा कराकर आवश्यक कागजात यथा पहचान पत्र/आधार कार्ड/बैंक पासबुक विवरणी/मोबाईल न०/जमीन का रकबा/खाता सं०/प्लॉट नम्बर/वंशावली के साथ पूर्ण विवरणी संलग्न करते हुए दिनांक 31.07.2026 के संध्या 05:00 बजे तक जमा कर सकते है।

नोटः— आवेदन साथ संलग्न कागजात निम्न प्रकार है।

1. आवेदन के साथ पासपोर्ट साइज रंगीन फोटों।
2. आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3. अद्यतन भू—लगान रसीद संलग्न करना अनिवार्य होगा।
4. मुखिया द्वारा सत्यापित वंशावली रकबा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
5. आवेदन पत्र में मुखिया/जन प्रतिनिधि का अनुशंसा अनिवार्य होगा।
6. आवेदन पत्र पर संबंधित प्रखण्ड के BAO/BTM/ATM/उद्यान मित्र या प्रधान वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र मे से किन्ही एक का हस्ताक्षर अनिवार्य होगा।
7. आवेदन पूर्ण रूप से भरा हुआ होना चाहिए अधूरा भरा हुआ एवं वांछित कागजात संलग्न नहीं किये जाने पर आवेदन स्वीकृत नहीं किया जाएगा।
8. आवेदक के पास पर्याप्त भूमि हो तथा सब्जी, फल, फूल आदि का खेती करते हों।
9. लाभुक के चयन में FPO/प्रगतिशील कृषकों/JSLPS के महिला स्वयं सहायता समूह/सिचाई सुविधा युक्त कृषकों की सूची को प्राथमिकता दी जाएगी।
10. लाभुकों के चयन में दोहरीकरण नहीं करते हुए नये ग्राम/पंचायतों के नये कृषकों एवं नये कलस्टर का चयन किया जाएगा। दोहरीकरण होने पर आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।
11. पिछले वर्षो के लाभुकों को वर्त्तमान वित्तीय वर्ष में योजना के लाभ नहीं दिया जाएगा।
12. वित्तीय वर्ष 2025—26 में प्रतीक्षारत जिन कृषकों का चयन नही किया गया है उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।
13. आधारभूत संरचना का लाभ वैसे कृषकों को दिया जाएगा जिसके पास जमीन का कागजात के संदर्भ में भू—स्वामित्व प्रमाण—पत्र अथवा चेक स्लिप अंचल कार्यालय द्वारा निर्गत हो।
14. गृह वाटिका का लाभ वैसे कृषकों को दिया जाएगा जिसके घर के समीप न्यूनतम 25 डिसमील भूमि खाली हो तथा सिंचाई योग्य प्राप्त पानी की सुविधा हो।

विशेष परिस्थिति में किसी भी आवेदन को स्वीकृत करने या रदद् करने का अधिकार जिला उद्यान पदाधिकारी, गढ़वा के पास सुरक्षित रहेगा, जिसपर किसी भी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।

नोट :— विशेष जानकारी हेतु संयुक्त कृषि भवन, प्रथम तल पिपराकला, गढ़वा स्थित जिला उद्यान कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं।

जिला उद्यान पदाधिकारी,
गढ़वा।

PR 384751 (Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department) 26-27 (D)

सक्षिप्त समाचार

बांद्रा वेस्ट के हिल रोड पर एक इमारत में लगी आग, दमकल ने काबू पाया

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के बांद्रा वेस्ट इलाके में हिल रोड स्थित एक कमर्शियल-कम-रेसिडेंशियल बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर शुक्रवार रात 'नेचर्स बास्केट' स्टोर में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया गया। असिस्टेंट डिविजनल फायर ऑफिसर एसके बांडगर ने कहा कि हमें रात 12 :30 बजे 'नेचर्स बास्केट' स्टोर में आग लगने की सूचना मिली, जो खास तौर पर ग्राउंड-फ्लोर के स्टोररूम में लगी थी। उन्होंने कहा कि मुंबई फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और पता चला कि आग बेसमेंट के स्टोररूम में लगी थी। हमने होज लाइन का इस्तेमाल करके आग पर काबू पाया... क्योंकि आग बेसमेंट में थी, इसलिए वहां काफी धुआं जमा हो गया था। हमने अंदर जाने के लिए ब्रीदिंग अपरेटस सेट का इस्तेमाल किया और सफलतापूर्वक आग पर काबू पा लिया... किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

10 साल तक सिर्फ कागजों में चलता रहा बीएड कॉलेज, उच्च स्तरीय जांच के आदेश

भोपाल, एजेंसी। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय(बीयू) भोपाल से संबद्ध निजी बीएड कालेजों की मान्यता और संबद्धता को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। विश्वविद्यालय से संबद्ध 127 निजी बीएड कालेजों ने नए शैक्षणिक सत्र के लिए आवेदन किया था। जांच में 30 कॉलेजों में गंभीर अनियमितताएं मिलीं। औचक निरीक्षण में विदिशा रोड स्थित श्रीराम कालेज ऑफ एजुकेशन का धरातल पर कोई अस्तित्व ही नहीं मिला, जबकि विश्वविद्यालय के रिकॉर्ड में कालेज दस वर्षों से संबद्ध है। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने अनियमितताओं की जांच सेवानिवृत्त न्यायाधीश से कराने का निर्णय लिया है। शामिल किया जाएगा,जिनमें निरीक्षण बिना कालेजों की प्रोफाइल कार्यपरिषद की मंजूरी से पूर्व ही ई-पोर्टल पर ओके कर अपलोड कर दी गई। सामाजिक कार्यकर्ता भगवान सिंह राजपूत ने मार्च में उच्च शिक्षा विभाग व विश्वविद्यालय को शिकायत भेज श्रीराम कालेज की वैधता पर सवाल उठाए थे। एचएल अग्रवाल बीएड कालेज,एचएल अग्रवाल कालेज ऑफ एजुकेशन, इटारसी एक ही पते पर संचालित दर्शाए गए हैं।

कांग्रेस मांग रही बराबरी, मूड में नहीं सपा

अखिलेश ने याद दिलाया 2024 का सबक

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट के बीच 'इंडिया' गठबंधन के अंदरूनी समीकरण उलझते नजर आ रहे हैं। राज्य में अपना कुनबा बढ़ाने में जुटी कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा) से सीटों के बंटवारे में 'बराबरी और सम्मान' की मांग कर सियासत का नया पेंच फंसा दिया है। कांग्रेस के नए यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम की इस दावेदारी ने गठबंधन में सीट शेयरिंग की उस पुरानी दरार को फिर से उभार दिया है, जो हमेशा से विवाद का विषय रही है। एक तरफ सपा प्रमुख अखिलेश यादव 2024 के लोकसभा चुनाव का हवाला देकर कांग्रेस को 'बड़ा दिल' दिखाने और क्षेत्रीय दलों पर भरोसा जताने की नसीहत दे रहे हैं, तो दूसरी तरफ कांग्रेस ज्यादा सीटों की अपनी मांग को लेकर आक्रामक है। ऐसे में यह बड़ा सवाल उठने लगा है कि क्या सीटों की यह रस्साकशी और बढ़ती बयानबाजी यूपी में विपक्षी एकता के तिलिस्म को चुनाव से पहले ही बिखेर देगी?

गौतम ने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सपा के साथ गठबंधन में सीटों की अपेक्षित संख्या से जुड़े सवाल पर कहा, 'हम बराबरी और सम्मान के साथ चुनाव मैदान में उतरेंगे।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस को 'यथोचित सम्मान' देने से ही जीत का माहौल बनता है। गौतम ने कहा, '2024 के लोकसभा चुनाव में हमने ज्यादा सीट जीतीं। क्षेत्रीय दलों में अब उतनी क्षमता नहीं बची कि वे भाजपा से लड़कर उसे हरा सकें। देश में अकेले राहुल गांधी ही भाजपा से लड़ रहे हैं।'

रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस इन दिनों यूपी में अपना संगठन मजबूत करने पर पूरा फोकस कर रही है, जिसे सीधे तौर पर ज्यादा सीटों की दावेदारी के रूप में देखा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, सपा विधानसभा चुनाव की तैयारियों में तेजी लाना चाहती है। सपा और अन्य सहयोगी दल कांग्रेस के इस 'धीमे रवैये' और ज्यादा सीटों की मांग से चिंतित हैं। गठबंधन के कुछ

धड़ों में यह चिंता सता रही है कि सीटों को लेकर चल रही यह अंदरूनी बहस मुख्य मुद्दों से ध्यान भटका रही है, जिससे सत्ताधारी बीजेपी को घेरने की रणनीति कमजोर पड़ सकती है। वर्ष 2024 में सपा और कांग्रेस ने 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के तहत लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ा था। इस दौरान सपा को राज्य की 37 लोकसभा सीट और कांग्रेस को छह सीट पर जीत मिली थी। वहीं, भाजपा 33 सीट ही जीत सकी थी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि अगर गठबंधन के तहत कांग्रेस को 'यथोचित सम्मान' नहीं दिया जाएगा, तो इससे भाजपा को 'फायदा' मिलेगा। गौतम ने कहा, 'हम लोकतंत्र को कमजोर करने, लोगों के अधिकारों को कुचलने और दलितों, पिछड़ों एवं मुसलमानों के मकानों पर बुलडोजर चलाने वाली भाजपा को किसी भी कीमत पर हराने के लिए दृढ़-संकल्पित हैं और इस संकल्प को पूरा करने के लिए बराबर का सम्मान जरूरी है।' गौतम ने कहा कि उनकी पार्टी 'पूरे दमखम' से उत्तर प्रदेश का आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगी। हाल ही में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सीटों का मुद्दा जोर-शोर से उठाया था। उन्होंने कांग्रेस से अपील की थी कि वह क्षेत्रीय पार्टियों के प्रति 'बड़ा दिल' दिखाए। सूत्रों के मुताबिक, अखिलेश ने कांग्रेस से कहा कि वह क्षेत्रीय पार्टियों को उनके अपने गढ़ में प्राथमिकता दे। उन्होंने कांग्रेस से यह भी कहा कि उसे राज्यों में क्षेत्रीय दलों के फैसलों और उनके अनुमान पर भरोसा करना चाहिए।

मौसम का महाअलर्ट: यूपी समेत देश के 20 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी, वज्रपात का भी खतरा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर भारत में मानसून पूरी तरह से अपने पैर पसार चुका है। मौसम विभाग ने आज दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार सहित कुल 20 राज्यों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। भीषण गर्मी से राहत मिलने के साथ ही आसमानी आफत का खतरा भी बढ़ गया है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक उत्तर भारत में भारी बारिश और आंधी का सबसे ज्यादा असर देखने को मिलेगा, जबकि पूर्वी भारत में भी बारिश-तूफान का कहर बरप सकता है।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि दिल्ली यूपी में अभी एक दो और बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। तेज झोंकेदार हवाओं के साथ वर्षा का दौर भी जब तब चल सकता है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री से नीचे ही रहेगा। उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम, त्रिपुरा, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश। कुछ इलाकों में बड़े ओले गिरने की भी आशंका जताई गई है।

अगले 24 घंटों के दौरान मौसम की संभावित गतिविधि

अगले 24 घंटे के दौरान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा के कुछ हिस्सों, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, सिक्किम, असम, अरुणाचल प्रदेश, तटीय कर्नाटक और केरल में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। ओडिशा, कोंकण एवं गोवा, जम्मू-कश्मीर तथा उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वोत्तर भारत, पूर्वी राजस्थान, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, ओडिशा के कुछ हिस्सों, उत्तर तमिलनाडु, विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण-गोवा, तटीय कर्नाटक और केरल में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई।

गंगा की स्वच्छता बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रहा है

नमामि गंगे प्रोजेक्ट हुआ सफल, उत्तरकाशी में अब सीधे गंगा में नहीं गिरेगा गंदा पानी

उत्तरकाशी, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) ने कहा है कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी में नमामि गंगे योजना के तहत विकसित सीवरेज नेटवर्क गंगा की स्वच्छता बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रहा है।

मिशन के अनुसार, गंगा की शुद्धता उसके उद्गम क्षेत्र से ही सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है, ताकि नदी का स्वच्छ और अविरल प्रवाह निचले इलाकों तक भी बना रहे। उत्तरकाशी में भागीरथी नदी आगे चलकर अलकनंदा से संगम के बाद गंगा का स्वरूप ग्रहण करती है।

एनएमसीजी ने कहा कि हिमालयी क्षेत्र में नदी को प्रदूषण से बचाना पूरे गंगा बेसिन के लिए महत्वपूर्ण है। यदि भागीरथी का जल स्रोत से ही स्वच्छ रहेगा, तो इसका लाभ ऋषिकेश, हरिद्वार, प्रयागराज और वाराणसी जैसे शहरों तक पहुंचेगा।

मिशन ने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर कहा कि गंगा की सुरक्षा की शुरुआत उसके उद्गम स्थल से ही होनी चाहिए।मिशन के अनुसार, उत्तरकाशी में सीवरेज नेटवर्क का पुनर्निर्माण चुनौतीपूर्ण था। प्राकृतिक आपदाओं से बुनियादी ढांचा क्षतिग्रस्त हो चुका था, जबकि पहाड़ी ढलानों, सीमित स्थान और कठोर चट्टानों के कारण निर्माण कार्य भी कठिन था।

इसके बावजूद 2015 में शुरू हुई परियोजना को 2017 में गति दी गई और 2018 में ग्यासू स्थित दो एमएलडी क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का उन्नयन पूरा किया गया। करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से दोनों स्वीकृत परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। अब शहर का अपशिष्ट जल शोधन के बाद ही भागीरथी में छोड़ा जा रहा है। एनएमसीजी का कहना है कि स्रोत पर नदी की स्वच्छता सुनिश्चित करना पूरी गंगा की पारिस्थितिकी और जल गुणवत्ता की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कोर्ट ने तीन आरोपियों को सुनाई आजीवन कारावास की सजा

प्रेम प्रसंग और बीमा की रकम के लिए प्रेमिका के पति को मार डाला

उदयपुर, एजेंसी। प्रेम प्रसंग और बीमा की राशि हासिल करने के लालच में एक युवक द्वारा अपनी प्रेमिका के पति कालू की नृशंस हत्या करने के मामले में बांसवाड़ा जिला एवं सत्र न्यायालय ने मुख्य आरोपित को उम्रकैद और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

अभियोजन के अनुसार, राजस्थान के बांसवाड़ा जिले का निवासी का गांव की ही शादीशुदा महिला से प्रेम संबंध था। महिला की बहन को भी इस रिश्ते की जानकारी थी। तीनों ने मिलकर हत्या की साजिश रची। हत्या से पहले अप्रैल और नवंबर 2024 में कालू के नाम पर करीब 50 लाख रुपये का बीमा कराया गया था, ताकि हत्या को सड़क दुर्घटना का रूप देकर बीमा राशि हासिल की जा सके। 25 दिसंबर 2024 को आरोपितों ने कालू को शराब में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया गया। बेहोशी की हालत में हाईवे पर ले जाकर उसके सिर पर डंडे से हमला किया गया और फिर शव को सड़क पर डालकर उस पर तीन बार कार चढ़ाई गई, ताकि पहचान मिटाई जा सके। हालांकि मृतक के हाथ पर अंग्रेजी में गुदे उसके नाम के टैटू से उसकी पहचान हो गई। पुलिस ने जांच के दौरान प्रेम संबंध और बीमा पालिसियों के आधार पर मामले का राजफाश किया।

राजस्थान में मौत के आठ दिन बाद एएसआइ का स्थानांतरण

जोधपुर रेंज के आइजी की ओर से जारी 39 एएसआइ की स्थानांतरण सूची में एक ऐसा नाम भी शामिल है, जिसकी एक जुलाई

को मौत हो चुकी है। बता दें कि बाड़मेर के बाटाडू चौकी प्रभारी रहे एएसआइ अनोपाराम का निधन जोधपुर के अस्पताल में हुआ था, लेकिन नौ जुलाई को उनका स्थानांतरण बालोतरा कर दिया गया। मामला सामने आने के बाद इंटरनेट मीडिया पर लोग अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें कि अनोपाराम ने पुलिस सेवा की शुरुआत कांस्टेबल के रूप में की थी। बाद में प्रमोशन के बाद वे हेड कांस्टेबल और फिर एएसआइ बने।

दिल्ली-मेरठ रोड की डीपीएसजी रेलवे क्रॉसिंग पर बनेगा अंडरपास

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद में दिल्ली मेरठ रोड स्थित डीपीएसजी रेलवे क्रॉसिंग पर अंडरपास बनेगा। जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने शुक्रवार को मौके का निरीक्षण कर वहां जाम की स्थिति देखी। इसके बाद अधिकारियों को अंडरपास बनाने की योजना तैयार करने के निर्देश दिए। अंडरपास के बनने से पांच लाख से अधिक लोगों को फायदा होगा। गाजियाबाद को जाम मुक्त करने की दिशा में जीडीए लगातार प्रयास कर रहा है। इसके तहत शहर के मुख्य जाम पॉइंट डीपीएसजी रेलवे क्रॉसिंग पर अंडरपास बनाने की योजना तैयार की जा रही है। रेलवे क्रॉसिंग के एक तरफ राजनगर योजना है, जबकि दूसरी तरफ मेरठ रोड औद्योगिक क्षेत्र है। औद्योगिक क्षेत्र में 500 से अधिक इकाइयां संचालित हैं। इन इकाइयों में 50 हजार से अधिक लोग काम करते हैं। साथ ही इस औद्योगिक क्षेत्र में एक बड़ा स्कूल और कॉलेज संचालित है। साथ ही यह दिल्ली मेरठ रोड से जुड़ रही है। इस रेलवे क्रॉसिंग का इस्तेमाल राजनगर की तरफ से मेरठ रोड औद्योगिक क्षेत्र की इकाइयों में नौकरी करने के लिए जाने वाले कर्मचारी व श्रमिक करते हैं। साथ ही मेरठ रोड के दूसरे तरफ रहने वाली

आबादी भी इस रेलवे क्रॉसिंग का इस्तेमाल आरडीसी व्यावसायिक क्षेत्र, कलेक्ट्रेट और कोर्ट में आने जाने का प्रयोग करती हैं। इस कारण ट्रेन आने के दौरान इस रेलवे क्रॉसिंग के दोनों तरफ कई किलोमीटर तक लंबा जाम लग जाता है। इस समस्या को दूर करने के लिए ही यहां अंडरपास बनाने की योजना बनाई जा रही है। जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल को निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने बताया कि रेलवे क्रॉसिंग पर रोजाना यातायात दबाव के कारण लंबे समय तक जाम की स्थिति बनी रहती है। इसके बाद उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को अंडरपास निर्माण के लिए सर्वेक्षण, तकनीकी परीक्षण और डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया। रेलवे क्रॉसिंग पर अंडरपास का निर्माण होने से मुख्य रूप से राजनगर, कविनगर, शास्त्री नगर, मेरठ रोड औद्योगिक क्षेत्र, आरडीसी समेत आसपास के लोगों को लाभ होगा। मेरठ रोड औद्योगिक क्षेत्र में 500 से अधिक इकाइयां संचालित हैं।

पत्नी और दो बच्चों को उतारा मौत के घाट; सनकी फरार

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले से एक रूह कंपा देने वाला मामला सामने आया है, जहां शहाबद थाना क्षेत्र में एक पोक्सो एक्ट आका आरोपी जमानत से बाहर निकलते ही नाबालिग रेप पीड़िता, उसकी मां और नानी की बेरहमी से हत्या कर दी। यही नहीं इस हमले के बाद आरोपी ने अपनी खुद की पत्नी और दो बच्चों की भी हत्या कर दी। छह लोगों की हत्या करने के बाद आरोपी ने अपने परिजनों को फोन कर बताया कि उसने दोनों परिवारों को खत्म कर दिया और वह अब खुद आत्महत्या करने जा रहा है।

आत्महत्या की बात कहने के बाद से आरोपी फरार हो गया। पुलिस उसे पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चला रही है और मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए मुर्दाघर भेज दिया गया है।

फारूक अब्दुल्ला के पूर्ण राज्य आंदोलन पर बीजेपी का पलटवार, कहा- देशहित में होगा सही समय पर फैसला

प्रधानमंत्री के विकास को पटरी से निचे उतारना चाहते है

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के प्रस्तावित आंदोलन पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित होने वाले प्रदर्शन के लिए फारूक अब्दुल्ला ने विभिन्न राजनीतिक दलों के 52 नेताओं को पत्र लिखकर समर्थन मांगा है। इस पर भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस अपनी राजनीतिक नाकामियों और अधूरे वादों से ध्यान हटाने के लिए इस मुद्दे को उछाल रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में शांति, विकास और पर्यटन का नया दौर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आया है, जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने वर्षों तक राज्य को परिवारवाद, भ्रष्टाचार और अलगाववाद की राजनीति में झोंके रखा। वहीं भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि धरना या चिट्ठियां लिखने से कोई फैसला नहीं होगा और केंद्र सरकार हालात के अनुसार निर्णय लेगी। राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने भी कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा तभी दिया जाएगा, जब सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल हों और देश व संसद इस पर संतुष्ट हों।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद तरुण चुघ ने कहा कि यह ध्यान भटकाने, नाकामी, नाकामयाबी और वादाखिलाफी पर पर्दा डालने के लिए यह गुपकार गैंग उबाल कर रहा है। अब्दुल्ला साहब कभी अपना मैनिफेस्टो निकालकर देखिए, आपने अभी तक अपना कोई भी वादा पूरा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को दशकों तक परिवारवादी, भ्रष्ट और अलगाववादी राजनीति में झोंकने वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस आज लोकतंत्र का पाठ पढ़ा रही है। साल 1990 में जिन्होंने मुख्यमंत्री रहते हुए जम्मू-कश्मीर को दहकती आग में झोंक दिया था, जिसके कारण एक लाख साठ हजार कश्मीरी पंडितों को पलायन करना पड़ा। आज वही लोग जम्मू-कश्मीर में शांति, विकास, पारदर्शिता और पर्यटन के नए दौर पर नजर लगाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शांति, विकास और पर्यटन को पटरी पर लाया है, लेकिन ये नेता जानबूझकर इसे पटरी से उतारना चाहते हैं। 52 पार्टियों के नेताओं को पत्र लिखे जाने पर कहा कि और भी पार्टियां पंजीकृत हैं, उन्हें भी पत्र लिखना चाहिए था।

स्वास्थ्य योजनाओं पर सीएम शुभेंदु का मास्टरस्ट्रोक, वंचित परिवारों को मिलेगा सुरक्षा कवच

कोलकाता, एजेंसी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में आयोजित जनसभा से बड़ी घोषणा की कि आयुष्मान भारत योजना का लाभ नहीं पाने वाले लोगों को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य में आयुष्मान भारत योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया चल रही है और करीब साढ़े छह करोड़ लोगों को इस योजना का लाभ मिलेगा।

शुभेंदु ने आश्वस्त किया कि जिन लोगों का नाम इस योजना में शामिल नहीं होगा, उन्हें मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत पांच लाख रुपये तक की बीमा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ऐसी व्यवस्था भी करेगी, जिससे इस स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ दूसरे राज्यों में इलाज के दौरान भी मिल सके।

मुख्यमंत्री ने रेजिनगर की सभा से उपचुनाव का भी बिगुल फूंकते हुए विधानसभा में भाजपा के विधायकों की संख्या 209 तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा। उन्होंने कहा कि नंदीग्राम की जीत तय है, जबकि रेजिनगर का परिणाम भाजपा के लिए निर्णायक साबित होगा।

शुभेंदु ने मुस्लिम बहुल इस विधानसभा क्षेत्र के लोगों से रेजिनगर में भाजपा को समर्थन देने की अपील की। उन्होंने वादा किया कि दक्षिण 24 परगना जिले के फलता की तरह यदि रेजिनगर से भाजपा जीतती है तो क्षेत्र में विकास की कोई कमी नहीं रहने देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वहां दो नए पुल बनाए जाएंगे, जरूरतमंदों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलेगा, प्रवासी श्रमिकों को वापस लाकर रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा तथा विकास कार्यों में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास पैकेज के वादे पर फलता में जिस तरह भाजपा को सफलता मिली, उसी तरह रेजिनगर के लोग भी विकास के लिए भाजपा पर भरोसा करें। जनता का समर्थन मिलने पर क्षेत्र में विकास के परिणाम जल्द दिखाई देंगे।

विचार-मंथन

संपादकीय

संघर्ष की विरासत, प्रतिरोध के बीच गूंजती पंडवानी की आवाज

विपरीत हालात के बावजूद तीजन बाई ने अपनी कला को नहीं छोड़ा और उसके तहत वे महाभारत कथा की अलग-अलग बारीकियों के साथ उसके अभिनय पक्ष पर काम करती रहीं।कला जगत में ऐसे कम लोग हुए हैं, जिन्होंने अपने जीवन में लगभग हर स्तर पर प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद न केवल मजबूत उपस्थिति दर्ज की, बल्कि अपनी चुनी हुई विधा को एक नया आयाम दिया।तीजन बाई और पंडवानी आज एक-दूसरे के मजबूत पर्याय के तौर पर जाने जाते हैं, तो इसकी एक ठोस पृष्ठभूमि भी है। महज नौ साल की उम्र में जब तीजन बाई ने अपने चचेरे नाना से पंडवानी का प्रशिक्षण लेना शुरू किया, तो उस उम्र में भी उन्हें समाज से लेकर अपने परिवार तक का काफी विरोध झेलना पड़ा।दरअसल, पंडवानी विधा में गायन को आमतौर पर पुरुषों का क्षेत्र माना जाता था। आगे उनका निजी जीवन भी इससे बुरी तरह प्रभावित हुआ और उनकी शादी भी टूटी। मगर पंडवानी और तीजन बाई ने शायद एक-दूसरे को चुन लिया था और यही वजह थी कि कमजोर सामाजिक तबके से आने और तमाम विपरीत हालात के बावजूद उन्होंने अपनी कला को नहीं छोड़ा और उसके तहत वे महाभारत कथा की अलग-अलग बारीकियों के साथ उसके अभिनय पक्ष पर काम करती रहीं।अपनी प्रतिबद्धता की वजह से ही वे न केवल अपने आसपास के गांवों में एक कामयाब पंडवानी गायिका के रूप में जानी गईं, बल्कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सामने भी उन्हें अपनी प्रस्तुति देने का अवसर मिला।उनकी प्रतिभा के लिए उन्हें पद्म पुरस्कारों सहित कई अन्य सम्मान से नवाजा गया, लेकिन उनकी अहमियत उनके व्यक्तित्व में मौजूद उन खासियतों से कायम रही, जिन्हें उन्होंने काफी मेहनत और संघर्ष से अर्जित किया था।उनकी प्रस्तुतियों में उत्साह, ऊर्जा, आक्रामकता, कठोरता से लेकर कोमलता और वात्सल्य के भाव दर्शकों के भीतर उतर जाते थे और इससे पता चलता है कि उन्हें इसके लिए किस स्तर की साधना से गुजरना पड़ा होगा।औपचारिक शिक्षा नहीं के बराबर होने के बावजूद अपनी चुनी हुई कला में उन्होंने जिस स्तर की बारीकियां हासिल कीं, वैसा विरले दिखता है।मौजूदा दौर में मंचीय प्रस्तुतियां महज चकाचौंध और आधुनिक तकनीक की गूंज में दबी लगती हैं, लेकिन कला और उसकी अहमियत को समझने वालों को तीजन बाई की प्रस्तुतियों के बीच ठहराव के साथ मौन की संवेदना के मायने भीतर तक उतर जाना ज्यादा याद रह जाता है।

मणिपुर : उग्रवाद, अविश्वास और अधूरी शांति का संकट

मणिपुर में वर्ष 2023 में मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष में ढाई सौ से अधिक लोगों की जान गई है और हजारों लोग बेघर हुए हैं। इसके बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बावजूद हालात में ठोस सुधार संभव नहीं हो सका। मणिपुर में सुरक्षाबलों की तैनाती, हिंसा प्रभावित क्षेत्र और धुएं के बीच तनावपूर्ण माहौल दर्शाती फीचर इमेज, जो राज्य में जातीय संघर्ष, उग्रवाद और शांति बहाली की चुनौतियों को दर्शाती है।मणिपुर में लंबे समय से जारी जातीय तनाव के बीच हिंसा फिर से अपने पांव पसारने लगी है। राज्य में शांति बहाली को लेकर सरकार के तमाम दावों के बावजूद उग्रवादी संगठनों की बढ़ती सक्रियता आग में घी का काम कर रही है।उखरुल जिले में सोमवार को उग्रवादियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में असम राइफल्स के दो जवानों के शहीद हो जाने की घटना ने समूची सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर सुरक्षाबलों के जवान ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोग अपनी सुरक्षा के लिए किस पर भरोसा करेंगे।सवाल है कि केंद्र और राज्य सरकारों का विद्रोही गुटों के साथ शांति समझौते के बाद भी अगर उग्रवादी संगठन हिंसक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं, तो इसकी वजह पता लगाने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या सिर्फ सुरक्षाबलों की अतिरिक्त तैनाती के दम पर राज्य में शांति बहाल हो पाएगी? जाहिर है कि इसके लिए समस्या की जड़ में जाकर समाधान के रास्ते तलाशने होंगे।गौरतलब है कि मणिपुर में वर्ष 2023 में मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष में ढाई सौ से अधिक लोगों की जान गई है और हजारों लोग बेघर हुए हैं।

स्थानीय स्तर पर सवर्ण के पक्ष में दलित और पिछड़ों के उतरने से जाति और धर्म के आधार पर चाल चलने वाली राजनीति को परेशानी जरूर महसूस हो रही होगी। लेकिन भूलना नहीं चाहिए कि समाज की सोई सकारात्मक आत्माएं ऐसे ही जागती हैं और बदलाव की बुनियाद बनती हैं। उम्मीद की जा सकती है कि भरत की हत्या के बाद उभरा जनाक्रोश प्राचीन भारतीय सामाजिक सोच को उभारने का प्रस्थान बिंदु बनेगा।

बिहार में बदलाव की बयार, जाति-धर्म तोड़ न्याय के लिए एक हुआ समाज

(उमेश चतुर्वेदी)

बिहार में जातिवादी राजनीति के गढ़ भोजपुर में सवर्ण युवक भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ में हत्या ने अप्रत्याशित सामाजिक बदलाव को उजागर किया है। दलित और पिछड़े समुदाय भी न्याय के लिए सड़कों पर उतर आए हैं, जो राज्य में पारंपरिक जातिगत दीवारों को तोड़ते हुए एक नए सामाजिक सद्भाव का संकेत है। यह जनाक्रोश बिहार की राजनीति और सामाजिक सोच के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। जाति और धर्म के बिना आज राजनीति की कल्पना बेमानी है, लेकिन बिहार में जातिवाद का असर कुछ ज्यादा ही दिखता है। यहां मानस किस कदर जातिवाद के घेरे में है, इसे समझने के लिए किसी खास जाति के अपराधियों के खिलाफ होने वाली कार्रवाई को देखना होगा। तब उस अपराधी के जाति विशेष द्वारा उसे बेकसूर बताने और कार्रवाई को जातिवादी बदला बताने की होड़ लग जाती है। लेकिन इसी बिहार में हाल ही में हुई एक घटना की प्रतिक्रिया में उभरा जनाक्रोश इसके ठीक उलट है। इसमें जाति और धर्म की सीमाएं टूट गई हैं। भोजपुर पुलिस के कथित एनकाउंटर में मारे गए सवर्ण युवक भरत तिवारी के इंसाफ के लिए उतरे लोगों के बीच कोई जातीय दीवार नजर नहीं आ रही। हालांकि इसे भी जातीय रंग देने की कोशिश की गई, तो उसके खिलाफ उसी दलित समाज के स्त्री और पुरूष मैदान में उतर आए, जिनकी रहनुमाई का दावा करने वाली राजनीति हस्ती ने यह रंग देने का प्रयास किया था। इससे इनकार नहीं कि भारतीय समाज में ऊंच-नीच का भाव रहा है। फिर भी समाज में सद्भाव, सहयोग और मेलजोल की गहरी परंपरा है। सामाजिक मामलों में कई बार जाति की दीवारें टूटती भी नजर आती हैं। लेकिन जैसे ही चुनाव और राजनीति का मसला सामने आता है, जातीय सोच पूरी ताकत से उभर आती है। बिहार इस मामले में कुछ ज्यादा ही बदनाम है। ऐसे माहौल में अगर सवर्ण समुदाय के भरत तिवारी की पुलिस के हाथों हुई हत्या के खिलाफ सड़कों पर दलित और पिछड़े समुदाय तक के लोग उतर आएं तो मानना पड़ेगा कि पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था का जीन अब भी देश की रगों में बह रहा है। बस उसे जगाने की जरूरत है। हालांकि भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ को भी जातीय रंग देने की कोशिश भी हुई। हैरत की बात है कि इसके पीछे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी नजर आए। जातिवादी चश्मे से इस घटना को देखते हुए उन्होंने कह दिया कि भरत तिवारी चूंकि ब्राह्मण था, इसीलिए सवर्ण समाज आक्रोशित है। उसकी जगह कोई दलित और पिछड़ा होता तो इस मामले को इतना तूल नहीं दिया जाता। मांझी के इस बयान ने जातिवादी खोल से बाहर निकले जनाक्रोश की आग में घी का काम किया। विरोध में भरत के गांव बिलौटी ही नहीं, आसपड़ोस के दलित और पिछड़े परिवार भी गुस्से से भर उठे। गंगा के कटान से प्रभावित ये लोग मांझी की लानत-मलामत में उतर आए। उन्होंने उलटे मांझी से ही पूछ लिया कि हमारे नेता होने के बावजूद उन्होंने उनकी हालत जानने की कोशिश क्यों नहीं की। लोगों का कहा था कि जिसके खिलाफ वे बोल रहे हैं, साधनहीन होने की बजाय वही व्यक्ति उनके साथ खड़ा रहा। बिहार में ठीक साढ़े इक्कीस साल पहले इसी तरह जाति और धर्म का बंधन टूटा था। झारखंड के अलग होने के बाद राज्य में पहला विधानसभा चुनाव हो रहा था। इसी दौरान बारह जनवरी 2005 को पटना के पटेल नगर से दिनदहाड़े पंद्रह साल के किसलय का अपहरण कर लिया गया। इस अपहरण के खिलाफ तब बिहार का पूरा समाज उतर आया था। बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार में उतरे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का बयान तब जन-जन की जुबान पर चढ़ गया था। उन्होंने कहा था, मेरा किसलय लौटा दो। किसलय की वापसी का सवाल जाति और धर्म की सीमाओं को तोड़ समूचे बिहार की आवाज बन गया था। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के भरत तिवारी की कथित मुठभेड़ में हत्या के बाद एक बार फिर बिहार का समाज ठीक उसी तरह जाति और समुदाय के खांचों को तोड़ सत्य और न्याय के साथ खड़ा नजर आ रहा है। प्रचारअभियान और चुनाव भोजपुर जिले का जवानिया गांव गंगा के ठीक किनारे है। इस गांव को पिछले साल गंगा की लहरों ने तकरीबन लील लिया। कटान से प्रभावित लोगों को अपने घर-खेत गंवाना पड़ा, तब से ज्यादातर लोगों की स्थिति बदहाल है। प्रभावितों को घर के लिए जमीन और पैसे तो दिए गए, लेकिन जो जगह उन्हें मिली, वह गड्ढे वाली है। बाकी सहूलियतें भी ना के बराबर मिली हैं। इनकी बस्ती में हाल के दिनों तक पानी का चापाकल तक नहीं थे, कुछ थे भी तो उनमें पानी नहीं आ रहा था। इन्हीं बदहाल लोगों की आवाज बनकर भरत तिवारी सक्रिय थे। भरत तिवारी के न रहने के बाद बिलौटी और जवानिया के उजड़े लोगों का कहना है कि उन्हें भरत तिवारी की ही वजह से थोड़ी-बहुत सुविधाएं मिली हैं। इनके लिए वे ही प्रशासन से लड़ते रहे। कटान पीड़ित जवानिया गांव वालों का दर्द है कि उन्हें पानी से निकालकर फिर से पानी में ही बसा दिया गया है। उन्हें डर है कि फिर बारिश और बाढ़ आई तो उन्हें उजड़ना पड़ सकता है। भरत तिवारी इन्हीं मुद्दों को उठा रहे थे। भरत के गांव वालों का कहना है कि वह थोड़े तुनक मिजाज जरूर थे, लेकिन लोगों के सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहते थे। प्रशासन के यहां कटान पीड़ितों की सुनवाई ना होने से भरत गुस्से में थे। गांव वाले मानते हैं कि प्रशासन के प्रति भरत के मन में गुस्सा था। उन्होंने एक फेसबुक पोस्ट में एक पुलिस वाले का एनकाउंटर करने की भी बात कही थी। इसके वायरल होने के बाद पुलिस ने भरत के खिलाफ जांच शुरू की थी। गांव पहुंची पुलिस के सामने भरत के माता-पिता ने भी उन्हें डांटा था। पुलिस से भरत की नोकझोक और झूमाझटकी भी हुई थी। इसके बाद 16 जून को एक बयान में पुलिस ने उन्हें मानसिक रूप से अस्थिर बताया था। लेकिन अगले ही दिन यानी सत्रह जून को पुलिस ने उन्हें घेर लिया। तब भरत के हाथ में पिस्तौल थी। उन्होंने जवानियां के गड्ढे भरने के साथ तीन मांगें रखीं थी। जब प्रशासन ने उनकी मांगें मानने का भरोसा दिया तो उन्होंने पिस्तौल फेंक कर सरेंडर कर दिया था। जिसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया था। पुलिस वहां से उन्हें ले गई और बाद में उन पर पंद्रह-बीस फायर करने का आरोप लगाते हुए उनके मुठभेड़ की बात कही थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में दाखिल करा दिया था, जहां सत्रह जून को उनकी मौत हो गई। लेकिन पुलिस की थ्योरी पर लोगों को भरोसा नहीं हुआ और इलाके का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों का कहना है कि जब भरत ने पिस्तौल पुलिस को सौंप दी तो फिर वे गोली कैसे चला सकते हैं। भरत की शव यात्रा में उमड़ी भीड़ बिहार के नए समाज का आइना कही जा सकती है। हालांकि बिहार सरकार का रवैया पारंपरिक रहा। वह प्रशासन के ही बचाव में नजर आई। लेकिन जनाक्रोश देखते हुए उसे झुकना पड़ा। भरत की हत्या की जांच के लिए पटना हाईकोर्ट के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश विनोद कुमार सिन्हा की अगुआई में जांच आयोग गठित किया गया है। इसी बीच आरोपी पुलिस वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है, जिनमें डीएसपी और शाहपुर के थानेदार भी शामिल हैं।

उम्मीद की डोर थामिए, मुश्किलें हार जाएंगी

(सुधांशु माहेश्वरी)

दुखों के बीच भी आशा की किरण टिमटिमाती रहती है कि एक दिन दुख खत्म होगा और सुख की सुबह आएगी। यही उम्मीद है कि सबसे गहरे दुख से गुजरते व्यक्ति के भीतर भी जीने के बहाने लाखों हैं। कथाकार ओ हेनरी की एक लोकप्रिय लघुकथा है- 'द लास्ट लीफ'। इसे कई जगहों पर अंग्रेजी स्कूलों के पाठ्यक्रम में भी शामिल किया गया है। यह दरअसल, उम्मीद को पकड़ कर मौत के मुंह से बच निकलने की सबसे प्रेरक कहानियों में से एक है। इसकी कहानी यह है कि कड़ाके की ठंड के दिनों में शहर में जानलेवा निमोनिया फैला था। एक लड़की इसकी चपेट में आ गई। रोग इतना गंभीर हुआ कि दवाइयों का असर होना बंद हो गया।लड़की बिस्तर से खिड़की के बाहर झांकती रहती और सोचती रहती कि सामने की बेल का जब आखिरी पत्ता गिर जाएगा, तो वह भी नहीं बचेगी। मगर इसी के समांतर एक विचित्र अनहोनी हो गई! आखिरी पत्ता सही-सलामत रहा- न गिरा, न मुरझाया। बावजूद इसके कि इस दौरान तेज आंधी भी चली और पानी भी खूब बरसा। देख-देख लड़की एकदम चंगी हो गई। बाद में यह जाहिर हुआ कि दीवार पर चढ़ी बेल का आखिरी पत्ता एक माहिर चित्रकार ने अपने रंगों की कूची से बनाया था। यानी आखिरी पत्ता बेशक नकली था, लेकिन उससे बच्ची के भीतर उपजी जीने की उम्मीद असली थी, जिसने रंग दिखा दिया। इसी प्रकार, गुलजार की कविता 'एक अकेला पत्ता' में एक पेड़ बाढ़ के पानी में आधा डूबा हुआ है, लेकिन पानी से बाहर निकली पेड़ की टहनी से जुड़ा एक अकेला पत्ता उससे धीरे से कहता है, 'डरो मत, मैं हूं न!' डूबते व्यक्ति के मन की यही भावना कमाल कर दिखाती है। किसी शायर ने हर हाल में उम्मीद का दामन थामे रखने पर फरमाया है कि 'उम्मीद कीजिए, अगर उम्मीद कुछ नहींज', बेशक जिंदगी में दुश्वारियां कम नहीं हैं। इसीलिए जिंदगी और मौत में से जिंदगी को ही चुना जाता है, या हर व्यक्ति को यही चुनना चाहिए। दुखों के बीच भी आशा की किरण टिमटिमाती रहती है कि एक दिन दुख खत्म होगा और सुख की सुबह आएगी। यही उम्मीद है कि सबसे गहरे दुख से गुजरते व्यक्ति के भीतर भी जीने के बहाने लाखों हैं। उम्मीद की डोर थामने से इंसान अंदरूनी ताकत से लबालब हो उठता है। मुश्किल से मुश्किल दौर में भी अपने भीतर की शक्ति के दम पर इंसान जीवन के उतार-चढ़ाव में डांवाडोल नहीं होता, बल्कि डटा रहता है और इसी से मिले हौसले की वजह से आखिर जीत कर निकलता है। बेहतर जीवन जीने में भी लोग महारत हासिल करते हैं। परिवार, किताबें, प्रवचन, सिनेमा, कला- कृतियां, दोस्त- गुरु वगैरह ही नहीं, दिलोदिमाग को खोल कर घूमने से अपने भीतर बखूबी उम्मीद के बीज बोए जा सकते हैं। सच यह है कि उम्मीद के साथ जीने से नामुमकिन भी मुमकिन हो जाता है। महात्मा बुद्ध इसे यों समझाते हैं कि अगर हम मान लें कि कल ज्यादा बेहतर होगा, तो आज हम ज्यादा शक्तिपूर्वक और प्रभावी ढंग से विपदाओं को सह सकते हैं। नाउम्मीदी से मनोबल घटता है, जबकि उम्मीद को जिंदा रखने से बढ़ता है। उम्मीद कमजोर हो, तो कई बार जीती जाने वाली लड़ाई भी हार जाई जाती है और उम्मीद कायम हो, तो हारी हुई लड़ाई भी इंसान जीत सकता है। विकट से विकट परिस्थिति कभी पूरी तरह खराब नहीं होती, केवल हमें उनसे निपटना नहीं आता।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 6149

6			4	2				
8		4	9				7	3
3						4	5	
			8	7			9	
	8						2	
	3			6	1			
	2	5						7
9	6				5	8		2
				3	9			4

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6148

3	5	8	9	1	6	2	4	7
4	6	2	7	5	3	1	9	8
1	9	7	4	8	2	5	3	6
8	4	9	1	6	7	3	5	2
7	1	5	2	3	4	8	6	9
2	3	6	8	9	5	4	7	1
9	2	3	5	7	1	6	8	4
5	8	1	6	4	9	7	2	3
6	7	4	3	2	8	9	1	5

वर्ग पहेली 6149

1		2		3	■	4	5
	■		■	6			
7			8	■	■	9	
	■	10		11	12	■	
■	13		■	14		■	
15	■	16	17		■	18	■
	■	19		■	20		
21		■	22				■

संकेत: बाएं से दाएं
1. भारत के इस राज्य की सीमा एक ओर चीन से तथा दूसरी ओर पाकिस्तान से मिलती है (5)
4. इस देश की राजधानी मेड्रिड है (2)
6. विनाथ या विध्वंस करने वाला (4)
7. देवस्थान, मंदिर वह स्थान जहां ईश्वर का निसास हो (4)
9. रदपट, अधर, ओंठ (2)
10. शत्रुता रखने वाला (4)
13. सात महाडियों का नगर कहलाने वाला यह नगर, देह के बाल (2)
14. न्यायाधीश को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
16. जलता हुआ, प्रदीप्त, चहल-पहल (3)
19. एक बहुमुल्य रत्न, नर-रत्न (2)
20. संग, समेत, के साथ, युक्त (3)
21. श्रीराम के भाई भरत के ज्येष्ठ का नाम जिन्होंने गांधार में तक्षशिला नगरी स्थापित की थी (2)
22. यह यशस्वी मुगल सम्राट अकबर के प्रसिद्ध रत्न थे (4)

ऊपर से नीचे
1. प्रसिद्ध कृति गीत गोविंद के रचयिता (4)
2. ट्रेजिडी क्वीन केनाम से प्रसिद्ध रही अभिनेत्री के पति (7)
3. भास्कर, दिनपति, दिनकर (2)
4. विशेष, खास (3)
5. दीवार में छेद करके होने वाली चोरी (5)
8. जिस समय, जहां, जब (2)
11. भार, बोझ, भार का परिणाम, तौल (3)
12. प्रत्येक पक्ष की तीसरी तिथि, तृतीया (2)
15. विश्व में दुग्ध उत्पादन के लिए इस देश का प्रथम स्थान है (3)
17. अति मद्यपान करने वाला (2)
18. किनारा, तट (3)
20. सकल, समस्त, वर्तमान दौर का एक प्रसिद्ध मनोरंजक टीवी चैनल (4)

वर्ग पहेली 6148 का हल

प	श्चि	म	बं	गा	ल	■	रा
क्ष	■	न	■	धि	ग	■	ह
ध	न	वा	न	■	भ	ग	त
र	म	ना	■	न	ग	ज	■
■	क	■	ब	दी	■	ब	द
से	ह	त	■	म	द	द	■
ह	रा	र	त	■	म	न	न
रा	म	■	वा	म	न	■	बी

आज का राशिफल

मेष
आज आपके आर्थिक मामले ठीक बने हुए हैं। दिन के पहले हिस्से में बिना सोचे-समझे पैसे खर्च करने से पूरी तरह बचें। आपको अपनी बचत और भविष्य के आर्थिक लक्ष्यों को दोबारा देखने की प्रेरणा मिलेगी। आपका कोई रुका हुआ पैसा या पुराना बकाया मिलने के अच्छे संकेत दिखाई दे रहे हैं। अपना पूरा ध्यान लंबे समय की सुरक्षा पर लगाएं।

वृष
आज घर-परिवार की जरूरतों या घर की चीजों पर कुछ धन खर्च हो सकता है। कोई भी बड़ी खरीदारी करने से पहले अपने मासिक बजट को एक बार अच्छे से देख लें। खर्चों पर रखा गया आपका नियंत्रण धीरे-धीरे आपकी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाएगा। विशेषकर शाम के समय भावनाओं में आकर कोई भी चीज न खरीदें।

कर्क
आज का दिन पैसों की सही योजना बनाने और समझदारी से धन का प्रबंधन करने की सीख दे रहा है। जोखिम भरे निवेशों में हाथ डालने से पूरी तरह बचें। पुराने अटके हुए आर्थिक मामलों में आज कुछ अच्छे सुधार देखने को मिल सकते हैं। आज सूझबूझ से लिया गया निर्णय आपके भविष्य को मजबूत बनाएगा।

सिंह
आज धन और निवेश को लेकर किसी अनुभवी सलाहकार या भरोसेमंद व्यक्ति से बहुत अच्छी सीख मिल सकती है। केवल मौखिक बातों के आधार पर पैसों का कोई लेन-देन न करें। कहीं भी धन लगाने से पहले हर एक कागज को अच्छे से पढ़ लें। आपका कोई पुराना रुका हुआ मामला अब धीरे-धीरे सुलझने की तरफ बढ़ेगा।

मिथुन
आज साझे धन और मिलकर किए गए निवेशों पर आज आपको थोड़ा अधिक ध्यान देने की जरूरत है। किसी भी समझौते पर आगे बढ़ने से पहले उसकी हर एक शर्त को अच्छे से पढ़ लें। शाम का समय खर्चों को कम करने और बजट बनाने के लिए बहुत अच्छा है।

कन्या
आज खर्चों पर नियंत्रण रखने का आपका नियम आज आपको फालतू के तनाव से दूर रखेगा। तुरंत बड़ा लाभ दिखाने वाले जोखिम भरे कामों से पूरी तरह दूर रहें और सुरक्षित विकल्पों पर ह किसी अनुभवी व्यक्ति से मिली सलाह आज आपको धन के मामलों में सही निर्णय लेने में मदद करेगी।

तुला
आज लंबे समय की आर्थिक उन्नति को पूरा सहारा दे रहे हैं। धन और बचत को लेकर आज परिवार के लोगों के साथ होने वाली चर्चा से कुछ अच्छे रास्ते निकल सकते हैं। मन के अचानक आए विचारों के कारण फालतू के खर्चों से दूर रहें। धीरे-धीरे की गई बचत ही आने वाले समय में आपको बड़ा लाभ देगी।

वृश्चिक
आज आपके भीतर आर्थिक सुख-सुविधाओं की इच्छा को बढ़ा रहे हैं, पर दिखावे की महंगी चीजों पर जरूरत से ज्यादा धन खर्च करने से बचें। शाम का समय अपने बजट को दोबारा देखने और आगे के सही लक्ष्य तय करने के लिए बहुत अनुकूल है। किसी अनुभवी व्यक्ति से मिली अच्छी सलाह आज आपके बहुत काम आ सकती है। भविष्य के लाभ को ध्यान में रखकर ही पैसे खर्च करें।

मकर
आज आपको जल्दबाजी में कहीं भी धन लगाने का फैसला नहीं लेना चाहिए। टैक्स, बीमे या पुराने बकाये से जुड़े कागजों को बहुत ही ध्यान से चेक कर लें। अचानक कुछ जरूरी खर्चे सामने आ सकते हैं, पर पैसों को लेकर अपनाया गया आपका नियम आपको पूरी तरह सुरक्षित रखेगा। दफ्तर में आज काम का बोझ थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन बारीकियों पर ध्यान देने का आपका तरीका आपको व्यवस्थित बनाए रखेगा।

कुंभ
आज के रोजमर्रा के खर्चों पर आपको थोड़ा अधिक ध्यान देने की जरूरत पड़ सकती है। बिना पूरी जानकारी के पैसों से जुड़ा कोई भी बड़ा वादा किसी से न करें। पुराने रुके हुए आर्थिक मामले अब धीरे-धीरे सुलझने की तरफ बढ़ेंगे। एक सही बजट बनाकर चलने से आपके पैसों का संतुलन अच्छा बना रहेगा। आपका उत्साह आज आपके काम की गति को बढ़ाएगा। अचानक कुछ बदलाव आ सकते हैं।

धनु
आज पैसों को लेकर आपका भरोसा बढ़ेगा और आप समझदारी से काम लेंगे। निवेश की योजनाओं को दोबारा देखने के लिए यह बहुत अच्छा समय है। किसी को भी बिना सोचे-समझे धन उधार देने से पूरी तरह बचें। किसी भरोसेमंद व्यक्ति के जरिए कमाई का कोई छोटा और अच्छा मौका आपके सामने आ सकता है। आपके भीतर काम को पूरा करने की लगन को बनाए रखेंगे।

मीन
आज पैसों के मामलों में बहुत ही ध्यान से प्लानिंग करना जरूरी है। धन के मिलने में कुछ देरी या लेन-देन में थोड़ी उलझन आने का डर रहेगा। किसी भी नए वादे पर आगे बढ़ने से पहले हर एक बात को अच्छे से जांच लें। अपने खातों का पूरा रिकॉर्ड साफ रखें ताकि आगे चलकर कोई परेशानी न हो। दफ्तर में आपकी पहचान अच्छी बनी रहेगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान

सलीमा टेटे समेत 20 खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के दौरान भारत की 20 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की कमान संभालेंगी। सलीमा की कप्तानी में ही भारत ने पिछले महीने न्यूजीलैंड में एफआईएच नेशंस कप अपराजेय रहकर खिताब जीतने के साथ प्रो लीग में वापसी की थी। भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा ,'हमारे पास ऐसी टीम है जिसमें जूनियर, अनुभवी खिलाड़ियों और सीनियर खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है जो लगातार एक दूसरे के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये प्रयास करते हैं।' पद्मश्री से नवाजी गई सविता और बिछू देवी खारीबम टीम में दो गोलकीपर होंगी। वहीं डिफेंस में सुशीला चानू, इशिका चौधरी और ज्योति के साथ एफआईएच नेशंस कप के जरिये सीनियर टीम में पदार्पण करने वाली लालथांटलुआंगी और शिल्पी डबास को मौका दिया गया है।

दीपिका ने की थी नेशंस कप में सर्वाधिक गोल- मिडफील्ड का जिम्मा सलीमा के साथ निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिटा टोप्पो, नेहा और दीपिका सोरेंग पर रहेगी । फॉरवर्ड पंक्ति में लालरेम्सियामी, रूतुजा पिसाल, नवनीत कौर, बलजीत कौर और नेशंस कप में सर्वाधिक छह गोल करने वाली दीपिका हैं। मारिन ने कहा ,'इस समूह ने साबित कर दिया है कि वे फॉर्म में हैं और फिट भी। हमें यकीन है कि यह टीम एशियाई खेलों की चुनौती के लिये तैयार है।'

नेपाल दौरे पर जाएगी इंडिया ए

दिसंबर में खेली जाएगी 3 मैचों की सीरीजः रिपोर्ट

नई दिल्ली। नेपाल क्रिकेट को आगे बढ़ाने में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) बड़ी भूमिका निभा रहा है। इसी की कवायद में दिसंबर में इंडिया ए की टीम नेपाल का दौरा करने वाली है। 3 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। ये मैच 9,11 और 13 दिसंबर को खेले जाएंगे।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार तीन मैचों की सीरीज को दोनों पड़ोसी देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को मजबूत करने और दोनों तरफ के उभरते खिलाड़ियों को मौका देने की लगातार कोशिशों के तहत तय किया गया है। यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है जब इस साल की शुरुआत में नेपाल ने टी20 वर्ल्ड कप में जबरदस्त प्रदर्शन किया है।

3 मैचों की टी20 सीरीज का शेड्यूल

- 9 दिसंबर - पहला
- 11 दिसंबर - दूसरा
- 13 दिसंबर - तीसरा

टी20 वर्ल्ड कप में नेपाल ने किया प्रभावित- टी20 वर्ल्ड कप 2026 में नेपाल की टीम ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाई ,लेकिन मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट के पहले मैच में दो बार की चैंपियन इंग्लैंड के खिलाफ उलटफेर करने के करीब थी। इंग्लैंड को केवल 4 रनों से जीत मिली थी। उसने आखिरी लीग मैच में स्कॉटलैंड को हराया। इससे पहले नेपाल एशिया कप में भी खेलता दिखा है।

'वैभव को खिलाना भावनात्मक फैसला

संजू को बाहर करना तर्कहीन',भारतीय टीम पर भड़के पार्थिव पटेल

नई दिल्ली। संजू सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका देने को लेकर भारतीय टी20 टीम पर पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस युवा बल्लेबाज को टीम में जगह देना भावनात्मक रूप से सही फैसला है, लेकिन इसके लिए सीनियर बल्लेबाज को टीम से बाहर करना तर्कहीन है। पार्थिव पटेल ने यह भी स्वीकार किया कि अतीत में संजू सैमसन को प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रखने के कारण टीम

से बाहर कर दिया गया था लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में उन्हें बाहर करने का कोई कारण नजर नहीं आता है। पटेल ने जियोस्टार से कहा, 'हमेशा संजू सैमसन को ही क्यों बाहर किया जाता है ।अगर आप पिछले 11-12 सालों में संजू सैमसन के करियर को देखें तो एक चीज शुरू से उनका पीछा कर रही है और वह है उनके खेल में निरंतरता का अभाव।'

वैभव सूर्यवंशी को मौका देना भावनात्मक रूप से सही फैसला- पार्थिव ने कहा, 'या तो उस खिलाड़ी को बाहर किया जाता है जो तेजी से रन नहीं बना पा रहा हो या फिर लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा हो ।आप भावनाओं और तर्क दोनों के आधार पर फैसले नहीं ले सकते । इसलिए वैभव सूर्यवंशी को मौका देना भावनात्मक रूप से सही फैसला था।'

सर्वेश कुशारे ने रचा इतिहास

डायमंड लीग में वह कर दिखाया जो नीरज चोपड़ा जैसे दिग्गज भी नहीं कर पाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के हाई जंप में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश अनिल कुशारे ने शुक्रवार (10 जुलाई) को मोनाको में डायमंड लीग में तीसरे नंबर पर रहकर इतिहास रचा। वह डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए शीर्ष-3 में रहने वाले पहले भारतीय बने। विश्व के दिग्गज खिलाड़ी ओलेह डोरोशचुक, पूर्व ओलंपिक चैंपियन मुताज बारशिम, वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट जान स्टेफेला और जैक किमानी जैसे दिग्गज खिलाड़ियों का मुकाबला करते हुए कुशारे 2.26 मीटर कूदकर किमानी और डोरोशचुक से पीछे रहे।

कुशारे से पहले नीरज चोपड़ा, विकास गौड़ा और श्रीशंकर मुरली वह भारतीय हैं,जो डायमंड लीग में टॉप-3 रहे हैं। महाराष्ट्र के 31 साल के कुशारे ने 2.16 मीटर की ऊंचाई से शुरुआत की और 2.26 मीटर तक आसानी से पहुंच गए, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने में उन्हें मुश्किल हुई और डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए तीसरे स्थान पर रहे।

कुशारे का दूसरा बड़ा टूर्नामेंट

पिछले दो सालों में कुशारे के लिए यह दूसरा बड़ा टूर्नामेंट है। इससे पहले वह 2025 टोक्यो वर्ल्ड चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे। दुनिया में 9वें स्थान पर काबिज इस सीजन में सिर्फ तीन जंपर्स ही सर्वेश के 2.31 मीटर के मार्क को बेहतर कर पाए हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा।

कुशारे के नाम रिकॉर्ड

हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। सर्वेश कुशारे ने 2018 में तेजस्विन शंकर के बनाए नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 2022 में नेशनल गेम्स में 2.27मीटर की जंप लगाने के तीन साल बाद सर्वेश ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2.28 मीटर का जंप लगाकर नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम किया।

'अब जा रहा है तो नीचे नहीं आना'

भारतीय टीम में प्रभसिमरन सिंह के चयन पर बोले बीमार पिता

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम में प्रभसिमरन सिंह का चयन हुआ है। पंजाब के इस खिलाड़ी को जब चयन की जानकारी मिली तब वह जिम में पसीना बहा रहे थे। वह इस पल की काफी समय से उम्मीद कर रहे थे। भारतीय टीम में चयन की खबर मिलने के प्रभसिमरन सिंह सीधे घर पहुंचे। उन्होंने इसकी जानकारी अपने बीमार पिता सरदार सुरजित सिंह को दी। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार प्रभसिमरन सिंह के पिता गंभीर बीमारों से जूझ रहे हैं। रोज डायलिसिस होती है। ठीक न होने के बाद भी वह अपने बेटे का मैच शायद ही कभी नहीं देखते। प्रभसिमरन ने उन्हें जब यह जानकारी दी तो पिता भावुक हो गए।

अब जा रहा है तो नीचे नहीं जाना

प्रभसिमरन ने कहा, 'पापा की तबीयत ऐसी है कि वो खुद से उठ नहीं पाते, लेकिन जब हमने उन्हें यह खबर दी तो वह खुद उठ गए। अगर यह खुशी एक प्रतिशत भी उनके स्वास्थ्य में सुधार ला सकती है तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात होगी। वो बस यही बोल रहे थे अब जा रहा है तो नीचे नहीं जाना। और बस एक बात कही और मेहनत करो।'

प्रभसिमरन को संघर्ष के बाद सफलता मिली- आईपीएल के शुरुआती सालों में लगातार मौके मिलने में मुश्किलों का सामना करने के बाद प्रभसिमरन को 2023 में सफलता मिली। उन्होंने 358 रन बनाए, जिसमें उनका पहला आईपीएल शतक भी शामिल था।

हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास

लॉर्ड्स में अर्धशतक लगाकर बनाया अनोखा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 58 रन की शानदार पारी खेलकर इतिहास रच दिया। वह लॉर्ड्स के मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर बन गई हैं। इतना ही नहीं, महिला क्रिकेट में भी यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह दुनिया की पहली खिलाड़ी हैं।

हरमनप्रीत ने लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 121 गेंदों पर 58 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल रहे। इससे पहले वह इसी मैदान पर वनडे और टी20 इंटरनेशनल में भी अर्धशतक जड़ चुकी थीं। इसी के साथ उन्होंने भारतीय क्रिकेट में एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।पुरुष क्रिकेट में कई बल्लेबाजों ने लॉर्ड्स पर टेस्ट और वनडे में अर्धशतक लगाए हैं। युवराज सिंह ने टी20 इंटरनेशनल में भी यहां पचासा लगाया था, लेकिन उन्हें लॉर्ड्स में कभी टेस्ट खेलने का मौका नहीं मिला। इसलिए वह तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने का यह रिकॉर्ड नहीं बना सके।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा यह मुकाबला लॉर्ड्स में पहला महिला टेस्ट है। ऐसे में हरमनप्रीत कौर इस ऐतिहासिक मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर भी बन गई हैं।

टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक

स्मृति ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड हासिल की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के बीच एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज लॉर्ड्स, लंदन में खेली जा रही है। इस मैच में इंग्लैंड के टॉस जीतकर भारत को पहले बैटिंग करने को कहा। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन इसके बावजूद टीम की ओपनर स्मृति मंधाना ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अर्धशतक लगाया और एक छक्का व 11 चौकों की मदद से 83 रन बनाकर आउट हुई। भारत ने पहली पारी में अपना पहला विकेट तब गंवा दिया जब टीम का स्कोर सिर्फ 4 रन ही था। टीम की ओपनर शैफाली वर्मा बिना खाता खोले यानी डक पर ही आउट हो गई और उसके ठीक बाद भारत का दूसरा विकेट 37 रन के स्कोर पर गिरा जब यास्तिका भाटिया 12 रन पर आउट हो गई। इसके बाद स्मृति ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया।

यही नहीं उन्होंने जेमिमा रोड्रिग्स के साथ मिलकर टीम के लिए 64 रन की अर्धशतकीय साझेदारी भी की। जेमिमा पहली पारी में 35 रन बनाकर आउट हुई।

अब फ्रांस से होगा महामुकाबला

फाबियन रूइज और मेरिनो के गोल से स्पेन सेमीफाइनल में

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने बेल्जियम को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में स्पेन के लिए फाबियन रूइज और मिकेल मेरिनो ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से चार्ल्स डी केटेलारे ने एकमात्र गोल दागा। अब सेमीफाइनल में स्पेन का सामना मौजूदा उपविजेता फ्रांस से होगा। यह मुकाबला डलास स्टेडियम में खेला जाएगा।

फाबियन रूइज ने दिलाई शुरुआती बढ़त

स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने सभी को चौंकाते हुए पेड्री की जगह फाबियन रूइज को शुरुआती एकादश में मौका दिया। उनका यह फैसला सही साबित हुआ। मैच के 30वें मिनट में बेल्जियम के गोलकीपर थिबाउट कुर्तुआ ने दानी ओल्मो का पहला शॉट रोक लिया, लेकिन रीबाउंड पर फाबियन रूइज ने शानदार फिनिश करते हुए स्पेन को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद युवा स्टार लामिन यामाल ने भी बेहतरीन मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट मामूली अंतर से गोलपोस्ट के बाहर निकल गया।

मैच में कौन से रिकॉर्ड बने?

बेल्जियम के चार्ल्स डी केटेलारे ने स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन के लगातार 560 मिनट तक गोल नहीं खाने के रिकॉर्ड का अंत किया। इस दौरान सिमोन ने इटली के वाल्टर जेंगा के 1990 विश्व कप में बनाए गए 517 मिनट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। स्पेन ने लगातार 36वां मैच बिना हार के पूरा किया। उसने अर्जेंटीना के 2019-2022 के 36 मैचों के अपराजित रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अब उससे आगे केवल इटली का 37 मैचों का अपराजित रिकॉर्ड है।

डी केटेलारे ने बेल्जियम की कराई वापसी

पहले हाफ के अंत से ठीक पहले बेल्जियम ने शानदार जवाब दिया। केविन डी ब्रुने ने शानदार थ्रू पास देकर टिमोथी कास्टान्ये को आगे बढ़ाया। कास्टान्ये के सटीक क्रॉस पर चार्ल्स डी केटेलारे ने 41वें मिनट में हेडर के जरिए गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसी स्कोर के साथ पहला हाफ समाप्त हुआ।

मेरिनो ने 88वें मिनट में दिलाई जीत

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन निर्णायक पल 88वें मिनट में आया। बेल्जियम के अनुभवी गोलकीपर थिबाउट कुर्तुआ 71वें मिनट में चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह आए सेने लामेन्स ने पाउ क्यूबार्सी के दूर से लगाए गए शॉट को पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सके। रीबाउंड पर हाल ही में मैदान में उतरे मिकेल मेरिनो ने जोरदार शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया और स्पेन को 2-1 की बढ़त दिला दी। अंतिम सीटी तक बेल्जियम बराबरी नहीं कर सका और स्पेन ने जीत के साथ सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

दिवंगत अधिवक्ताओं के आश्रितों को मिला 2.50 लाख रुपये का सहायता चेक प्रदान

दाउदनगर (औरंगाबाद) (नि. सं.)। अनुमंडलीय विधिक संघ दाउदनगर के अधिवक्ता कल्याण कोष से दो दिवंगत अधिवक्ताओं के आश्रितों को शनिवार को सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। लायर्स हॉल में आयोजित समारोह में कल्याण कोष के अध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह और सचिव डॉ. शशि कुमार सिंह ने चेक सौंपे। दिवंगत अधिवक्ता श्रीनिवास के पुत्र संतोष कुमार को ढाई लाख का चेक दिया गया। इन्हें पहले 1 लाख की राशि मिल चुकी थी। वहीं गोह निवासी दिवंगत अधिवक्ता राम अखिलेश ओझा की पत्नी निर्मला देवी को ढाई लाख का चेक प्रदान किया गया। उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार विधिक संघ के नियमानुसार किसी अधिवक्ता के निधन पर उनके आश्रित को कल्याण कोष से 3 लाख 50 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाती है। कार्यक्रम के दौरान विधिक संघ अध्यक्ष शशि भूषण सिंह, सचिव रामाशीष सिंह, लक्ष्मण सिंह, हरिनाथ सिंह, ललन सिंह, रामदेव सिंह, विश्वास चौधरी, राजू कुमार, सुमन रानी निकुंज, रीना कुमारी सहित कई अधिवक्ता उपस्थित रहे।

डीएम ने मेंह स्कूल का किया निरीक्षण

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। औरंगाबाद की जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने शनिवार को बारूण प्रखंड के उत्क्रमित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मेंह का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति, पठन-पाठन और साफ-सफाई का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने उपस्थिति पंजी समेत अन्य अभिलेखों को भी बारीकी से देखा और विद्यालय प्रशासन से अलग-अलग व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों की नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी विभिन्न कक्षाओं में पहुंचीं और छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई, विषयों की समझ और विद्यालय में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। पठन-पाठन को भी देखा। डीएम ने शिक्षकों को बच्चों की बुनियादी शैक्षणिक क्षमता को मजबूत करने और नियमित रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षण काम कराने के निर्देश दिए।

सौर ऊर्जा हब बनने की ओर औरंगाबाद

बारुण में स्थापित होगा सौर ऊर्जा पार्क डीएम ने तैयारियों का लिया जायजा

- 150 मेगावाट सौर ऊर्जा पार्क की तैयारी तेज
- 40 मेगावाट क्षमता की ऊर्जा भंडारण प्रणाली भी होगी स्थापित
- समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए सभी विभागों को समन्वय के निर्देश

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

जिले के बारूण प्रखंड की मेह पंचायत अंतर्गत शेखपुरा मौजा में प्रस्तावित 150 मेगावाट क्षमता के ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा पार्क तथा 40 मेगावाट क्षमता एवं 160 मेगावाट-घंटा ऊर्जा भंडारण प्रणाली की परियोजना को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने प्रस्तावित परियोजना स्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परियोजना के लिए चिन्हित भूमि, पहुंच मार्ग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिया कि परियोजना हेतु अधिगृहीत की जाने वाली भूमि का सीमांकन, राजस्व अभिलेखों का सत्यापन तथा अन्य सभी राजस्व संबंधी प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि परियोजना के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की प्रशासनिक बाधा नहीं आनी चाहिए तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

परियोजना के तकनीकी पहलुओं की समीक्षा के दौरान कार्यपालक अभियंता (विद्युत), औरंगाबाद ने बताया कि यह बिहार राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड की एक महत्वपूर्ण अक्षय ऊर्जा परियोजना है। इसके अंतर्गत 150 मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा पार्क तथा 40 मेगावाट क्षमता एवं 160 मेगावाट-घंटा ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित की जाएगी। इससे राज्य में स्वच्छ, हरित और विश्वसनीय विद्युत उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा तथा अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस परियोजना का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड द्वारा तैयार कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि परियोजना से संबंधित सभी आवश्यक स्वीकृतियां, अनापत्ति प्रमाण-पत्र, आधारभूत संरचना का विकास, पहुंच मार्ग का निर्माण तथा अन्य सभी पूर्वापेक्षित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए, ताकि निर्धारित समय-सीमा के भीतर परियोजना का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने नियमित निगरानी और प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी बल दिया। जिलाधिकारी ने विश्वास व्यक्त किया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूरा होने से औरंगाबाद जिला अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित करेगा। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, आधारभूत संरचना का विकास होगा तथा जिले की आर्थिक एवं सतत विकास यात्रा को नई गति मिलेगी। निरीक्षण के दौरान सदर अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार, कार्यपालक अभियंता (विद्युत), औरंगाबाद, बारूण के प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

आभूषण चमकाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

- सोने के जेवर व बाइक बरामद
- गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में छापेमारी जारी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद जिले के रिसियप थाना क्षेत्र में आभूषण साफ और चमकाने के नाम पर महिलाओं से ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से सोने के आभूषण, मोती, मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल तथा जेवर साफ करने में प्रयुक्त रसायन बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बेगूसराय जिले के नावकोठी थाना क्षेत्र निवासी सिकंदर कुमार तथा समस्तीपुर जिले के हसनपुर थाना क्षेत्र के आतापुर निवासी मंटून साह के रूप में हुई है। रिसियप थानाध्यक्ष संजीत राम ने बताया कि 19 नवंबर 2025 को धनु बिगहा निवासी खुशबू कुमारी ने थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने शिकायत में बताया था कि 18 नवंबर की दोपहर दो अज्ञात युवक उनके घर पहुंचे और आभूषण साफ करने का झांसा देकर सोने के जेवर लेकर फरार हो गए। इस मामले में रिसियप थाना कांड संख्या-132/25 दर्ज किया गया था।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने पहले कटिहार जिले के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनसे मिली जानकारी, सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई। इसी क्रम में रिसियप थाना मोड़ के पास दो संदिग्ध युवकों को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनकी बाइक की सीट के नीचे छिपाकर रखे गए सोने के आभूषण और अन्य सामान बरामद होने पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने ठगी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने के दो झुमके, एक मंगलसूत्र, छह मोती, छह मूंगा, दो मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल, आभूषण साफ करने वाले रसायन के दो डिब्बे तथा एक पाउडर का डिब्बा बरामद किया है। प्राथमिक जांच में पता चला है कि यह गिरोह विभिन्न गांवों और कस्बों में घूम-घूमकर महिलाओं को आभूषण चमकाने और साफ करने का लालच देता था। इसके बाद मौका मिलते ही उनके कीमती जेवर लेकर फरार हो जाता था। पुलिस बरामद आभूषणों की भी जांच कर रही है, ताकि गिरोह द्वारा की गई अन्य ठगी की घटनाओं का भी खुलासा किया जा सके। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति के बहकावे में आकर अपने कीमती आभूषण न सौंपें। यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति आभूषण साफ करने या अन्य किसी बहाने से घर पहुंचे तो इसकी सूचना तत्काल स्थानीय थाना को दें।

ग्रामीण विकास योजनाओं को मिलेगी नई गति

औरंगाबाद की नई उप विकास आयुक्त बनीं कुमारी अनुपम सिंह

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार सरकार ने प्रशासनिक फेरबदल के तहत भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी कुमारी अनुपम सिंह को औरंगाबाद का नया उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद नियुक्त किया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। वह इससे पहले पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार, पटना में विशेष कार्य पदाधिकारी (ओएसडी) के पद पर कार्यरत थीं। पूर्व डीडीसी अनन्या सिंह के स्थानांतरण के बाद यह पद रिक्त था। कुमारी अनुपम सिंह का औरंगाबाद जिले से पुराना प्रशासनिक जुड़ाव रहा है। अपने प्रशासनिक सेवा के शुरुआती दौर में उन्होंने जिले में परिवीक्षाधीन वरीय उप समाहर्ता के रूप में कार्य किया। इसके बाद मदनपुर प्रखंड की प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) के रूप में उन्होंने कई विकास योजनाओं का सफल संचालन किया। बाद में दाउदनगर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने, जन शिकायतों के त्वरित निष्पादन तथा विकास योजनाओं की प्रभावी निगरानी के कारण अपनी अलग पहचान बनाई।

इसके अलावा उन्होंने बक्सर में वरीय उप समाहर्ता, भभुआ सदर एवं पटना सदर की अनुमंडल पदाधिकारी, नवादा में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी तथा बक्सर में अपर समाहर्ता (राजस्व) सहित कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। प्रशासनिक अनुभव और औरंगाबाद की भौगोलिक एवं सामाजिक परिस्थितियों की अच्छी समझ को देखते हुए उनकी नियुक्ति को जिले के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि उनके नेतृत्व में जिला परिषद से जुड़ी योजनाओं, मनरेगा, पंचायत विकास योजनाओं तथा अन्य ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में और तेजी आएगी। प्रशासनिक एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उनकी नियुक्ति का स्वागत किया है। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को विश्वास है कि उनके अनुभव और कार्यशैली का लाभ जिले के समग्र विकास, योजनाओं के प्रभावी संचालन तथा प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता बढ़ाने में मिलेगा।

स्कूल बस में पिकअप ने मारी टक्कर, तीन छात्र घायल, प्राथमिक उपचार के बाद सभी सुरक्षित

निज संवाददाता | मदनपुर (औरंगाबाद)

जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर दर्जी विगहा क्रॉसिंग के समीप छात्रों से भरी एक स्कूल बस को तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में तीन छात्र घायल हो गए, जबकि बस में सवार अन्य सभी बच्चे सुरक्षित हैं। घायलों का प्राथमिक उपचार कराने के बाद उन्हें अभिभावकों के साथ घर भेज दिया गया। घटना में बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, कियान स्कूल की बस शनिवार सुबह बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। इसी दौरान औरंगाबाद की ओर से तेज गति से आ रही एक पिकअप ने पीछे से बस में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बस में बैठे बच्चों के बीच कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालकर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मदनपुर पहुंचाया।

घायलों में मंजरेठी निवासी कौशल सिंह के पुत्र ऋतिक राज, बेला निवासी रोहित कुमार सिंह की पुत्री प्रियंका कुमारी तथा मंजरेठी निवासी रंजन कुमार सिंह के पुत्र ऋषभ कुमार शामिल हैं। स्कूल प्रबंधन ने तत्काल घटना की जानकारी संबंधित छात्रों के अभिभावकों को दी। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि सभी घायल बच्चों की चिकित्सकीय जांच कराई गई। किसी भी छात्र को गंभीर चोट नहीं आई थी, इसलिए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अभिभावकों के साथ घर भेज दिया गया। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे वाहन सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। हालांकि चालक को गंभीर चोट नहीं आई और वह सुरक्षित बच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी। उल्लेखनीय है कि करीब एक सप्ताह पूर्व कुटुंबा थाना क्षेत्र के तमसी मोड़ के पास भी छात्रों से भरा एक मैजिक वाहन अनियंत्रित होकर नहर में गिर गया था, जिसमें एक दर्जन से अधिक छात्र घायल हुए थे। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों ने स्कूल वाहनों की नियमित जांच, ओवरस्पीडिंग पर सख्त कार्रवाई तथा संवेदनशील स्थानों पर यातायात व्यवस्था को और मजबूत करने की मांग की है।

पुलिस ने छह कुर्की और एक इश्तहार का किया तामिला एक वारंटी गिरफ्तार

दाउदनगर (औरंगाबाद) (नि.स.)। दाउदनगर थानांतर्गत पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर कुल 6 कुर्की और 1 इश्तहार का तामिला किया है। थाना अध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि एस. टी. आर. 451/19 के वारंटी मधेशी राजवंशी, पिता बुधन राजवंशी, निवासी अरई को गिरफ्तार किया गया। एसटीआर 277/17 के वारंटी रिंकू देवी पति जवाहर कुमार, वार्ड-15 की कुर्की की गई। इसी कांड के दूसरे वारंटी जवाहर कुमार का मृत्यु प्रमाण पत्र के साथ प्रतिवेदन न्यायालय को सौंपा गया। 115/09 के वारंटी राहुल कुमार और गुप्तेश्वर यादव ने माननीय न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। वहीं एक कुर्की अन्य थाना से संबंधित होने के कारण वापस कर दी गई। इसके अलावा टी. आर 136/17 के इश्तहार का भी तामिला किया गया।

जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट चार घायल, महिला की हालत गंभीर

निज संवाददाता | मदनपुर (औरंगाबाद)

जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र के सोनपुर गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में चार लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मदनपुर में भर्ती कराया गया, जहां एक महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों की पहचान बिहारी राम, उनकी पत्नी ललिता देवी, पुत्री रीना कुमारी तथा मीना कुमारी के रूप में हुई है। चिकित्सकों के अनुसार ललिता देवी को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि अन्य तीन घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। शुक्रवार की रात इसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पहले दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। घटना की सूचना मिलने पर मदनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। थाना अध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि घायलों का इलाज कराया गया है। आवेदन अथवा फर्द बयान मिलने के बाद मामले की जांच कर विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

टेली-कंसल्टेशन में औरंगाबाद ने राज्य में फिर हासिल किया पहला स्थान

- डीएम ने स्वास्थ्यकर्मियों को दी बधाई, सेवा का दायरा बढ़ाने के निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में औरंगाबाद जिले ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राज्य स्तर पर जारी टेली-कंसल्टेशन जिला रैंकिंग में औरंगाबाद ने एक बार फिर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिले के इस लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन को स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण की दिशा में बड़ी सफलता माना जा रहा है।

जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा के नेतृत्व में 1 जुलाई से 10 जुलाई 2026 की अवधि के दौरान जिले में 15,885 टेली-कंसल्टेशन दर्ज किए गए, जो बिहार के सभी जिलों में सर्वाधिक हैं। इससे पहले 1 जुलाई से 9 जुलाई 2026 तक की रैंकिंग में भी औरंगाबाद 14,124 टेली-कंसल्टेशन के साथ राज्य में पहले स्थान पर रहा था। लगातार शीर्ष स्थान प्राप्त करना जिले में टेलीमेडिसिन सेवाओं के प्रभावी संचालन और आम लोगों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। इस उपलब्धि पर जिला पदाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के सभी पदाधिकारियों, चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों तथा संबंधित कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि टेली-कंसल्टेशन सेवा ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। उन्होंने निर्देश दिया कि इस सेवा का दायरा और अधिक बढ़ाया जाए, ताकि अधिकाधिक लोग घर बैठे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परामर्श का लाभ उठा सकें।

सिविल सर्जन ने बताया कि जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में टेली-कंसल्टेशन के प्रति लोगों की बढ़ती जागरूकता तथा स्वास्थ्यकर्मियों की सक्रिय भागीदारी के कारण यह सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि जिले को भविष्य में भी शीर्ष स्थान पर बनाए रखने के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थानों में नियमित मॉनिटरिंग, सेवा की गुणवत्ता और जनजागरूकता अभियान लगातार चलाए जाएंगे। जिला प्रशासन ने इस उपलब्धि को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में जिले की सामूहिक प्रतिबद्धता, बेहतर समन्वय और स्वास्थ्यकर्मियों के समर्पण का परिणाम बताते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

देहदान का संदेश लेकर 12 ज्योतिर्लिंगों की पदयात्रा पर निकले अधिवक्ता चन्द्रकान्त चौहान पहुंचे औरंगाबाद

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

समाज में देहदान, मानव सेवा और सनातन संस्कृति के प्रति जनजागरण का संदेश लेकर राजस्थान के जयपुर निवासी अधिवक्ता चन्द्रकान्त चौहान अपनी 12 ज्योतिर्लिंगों की पदयात्रा के क्रम में शनिवार को औरंगाबाद पहुंचे। उनकी इस अनूठी यात्रा का विभिन्न स्थानों पर स्थानीय लोगों एवं श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। अधिवक्ता चन्द्रकान्त चौहान ने जयपुर स्थित एसएमएस अस्पताल में देहदान का संकल्प लिया है। इसके बाद उन्होंने एक वर्ष के भीतर लगभग 11 हजार किलोमीटर की पदयात्रा कर देश के सभी 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अब तक वह करीब 1,800 किलोमीटर की पदयात्रा पूरी कर चुके हैं।

यात्रा के दौरान उन्होंने उत्तराखंड स्थित बाबा केदारनाथ धाम तथा उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद अब वह झारखंड के बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर की ओर प्रस्थान कर चुके हैं। चन्द्रकान्त चौहान ने बताया कि उनकी यात्रा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य समाज में देहदान, मानव सेवा, सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक जीवन मूल्यों का संदेश पहुंचाना भी है। उनका मानना है कि देहदान से कई लोगों को नया जीवन मिल सकता है, इसलिए समाज को इस दिशा में जागरूक करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि भगवान शिव की कृपा और आम लोगों के सहयोग से वह अपनी 11 हजार किलोमीटर की पदयात्रा सफलतापूर्वक पूरी करेंगे। यात्रा के दौरान विभिन्न राज्यों और शहरों में लोगों द्वारा उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया जा रहा है तथा उनके इस सामाजिक और आध्यात्मिक संकल्प की सराहना की जा रही है। 'हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ उनकी यह पदयात्रा लगातार आगे बढ़ रही है, जो धार्मिक आस्था के साथ-साथ समाज सेवा और जनजागरण का भी संदेश दे रही है।

श्रद्धांजलि सभा में याद किए गए समाजसेवी वशिष्ठ सिंह

- ईमानदारी और समाज सेवा की मिसाल थे स्व. वशिष्ठ सिंह

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के ओबरा प्रखंड अंतर्गत सननपुरा गांव में समाजसेवी स्व. वशिष्ठ सिंह की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों, पत्रकारों, अधिवक्ताओं एवं चिकित्सकों ने भाग लेकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। गौरतलब है कि स्व. वशिष्ठ सिंह का 27 जून को निधन हो गया था। वे सननपुरा निवासी अरुण कुमार सिंह तथा पत्रकार आदित्य कुमार सिंह के पिता थे। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई थी।

श्रद्धांजलि सभा का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर एवं स्व. वशिष्ठ सिंह के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। वक्ताओं ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि स्व. वशिष्ठ सिंह ने डाक विभाग में अपनी पूरी सेवा ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा की भावना के साथ निभाई। सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्होंने स्वयं को समाज सेवा के कार्यों के लिए समर्पित कर दिया और अपने पैतृक गांव में जरूरतमंद लोगों की सहायता तथा विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे। वक्ताओं ने कहा कि वशिष्ठ सिंह का व्यक्तित्व अत्यंत सरल, प्रेरणादायी और सेवाभाव से परिपूर्ण था। उनका जीवन समाज के लिए एक आदर्श है। उन्होंने कहा कि उनके आदर्शों और सिद्धांतों का अनुसरण करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पूरे कार्यक्रम के दौरान माहौल भावुक बना रहा। उपस्थित लोगों ने स्व. वशिष्ठ सिंह के सामाजिक योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके निधन से क्षेत्र ने एक ईमानदार, कर्मठ और संवेदनशील समाजसेवी को खो दिया है, जिसकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी।

पंचायत समिति की बैठक में स्वास्थ्य उपकेंद्र और खाद आवंटन बढ़ाने की मांग

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

दाउदनगर प्रखंड कार्यालय सभागार में पंचायत समिति की एक सामान्य बैठक शनिवार को प्रखंड प्रमुख विपुल कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इसका संचालन बीडीओ मो. जफर इमाम ने किया। इस बैठक में गत बैठक की संपुष्टि के साथ 15वें एवं 16वें वित्त आयोग तथा 6ठे राज्य वित्त आयोग की योजनाओं की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य, मनरेगा, बाल विकास परियोजना, खाद्य आपूर्ति, जीविका और श्रमिक कल्याण योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा हुई। बैठक के दौरान सदस्यों ने कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। बेलवां पंचायत समिति सदस्य विनोद कुमार ने पथरकट्टी में स्वास्थ्य उपकेंद्र खोलने, प्रखंड में खाद का आवंटन बढ़ाने और पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र बनने में हो रही देरी का मामला उठाया। उन्होंने प्रखंड कार्यालय पार्क में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने का प्रस्ताव भी दिया। इसके अलावे कई विषयों पर चर्चा और उसके क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। बैठक में प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी रिशु राज समेत अन्य पदाधिकारी एवं पंचायत समिति सदस्य उपस्थित रहे।

13 जुलाई को महत्वपूर्ण

बारुण (औरंगाबाद) (नि. सं.)। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ), बारुण के निर्देश पर प्रखंड की शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 13 जुलाई 2026 (सोमवार) को मासिक गुरु गोष्ठी (समीक्षा बैठक) आयोजित की जाएगी। यह बैठक स्थानीय केशव उच्च विद्यालय के सभागार में होगी, जिसमें प्रखंड के सभी प्राथमिक, मध्य, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, प्रभारी प्रधानाध्यापक एवं विद्यालय प्रधानों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। बैठक के सुचारू संचालन के लिए इसे दो पालियों में आयोजित किया जाएगा। प्रथम पाली पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक होगी, जिसमें मध्य विद्यालय से लेकर उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक शामिल होंगे।

दाउदनगर में डॉ.रंजू अस्पताल में शुरु हुआ आधुनिक इलाज

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

दाउदनगर के भखरूआं गांव स्थित डॉ राम परीखा यादव रंजू अस्पताल में आंख अस्पताल की आधुनिक व विस्तारित सेवा का आरंभ शनिवार को किया गया है। यहां पहले से ही आंख, कान, नाक और गला का इलाज डॉ. विनोद कुमार सिंह कर रहे हैं। अब यहां उनकी और डॉ. रंजू की पुत्रवधू डॉ.प्रीति यादव ने आंख अस्पताल की सेवा का विस्तार करते हुए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना आरंभ किया है। बताया गया कि अब यहां फेको सुविधा भी उपलब्ध होगी। इस मौके पर दाउदनगर एसडीओ अमित राजन, बीडीओ मो. जफर इमाम, विवेकानंद ग्रुप आफ स्कूल के निदेशक डॉ. शंभू शरण सिंह, प्रबंधक सुनील कुमार सिंह, डॉ. सितेश वत्स, अश्वनी तिवारी, मुन्ना अजीज, हाफिज खुर्शीद एवं अन्य उपस्थित रहे।